RLA CENTRAL LIBRARY
PILANI (Rajasthan)

lass No:- 091.954

ook No:- R142RD

ccession No.- 23132

REQUEST

S EARNESTLY DESIR-
HAT THE BOOK BE
DLED WITH CARE
BE NOT MARKED,
RLINED OR DISFI-
D IN ANY OTHER
OTHERWISE IT WILL
TO BE REPLACED
AID FOR BY THE BO-
ER IN THE INTEREST
HE LIBRARY

LIBRARIAN

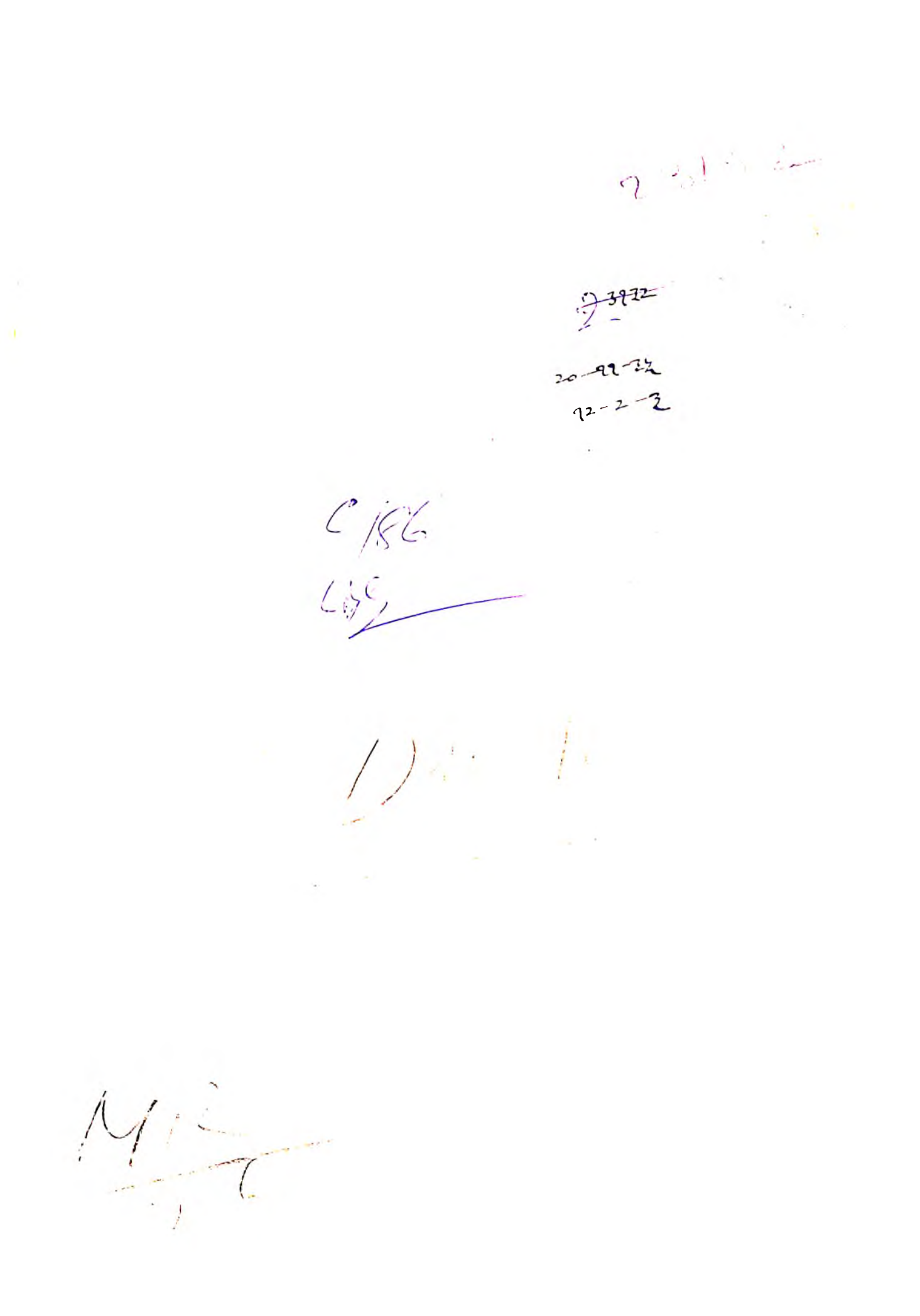

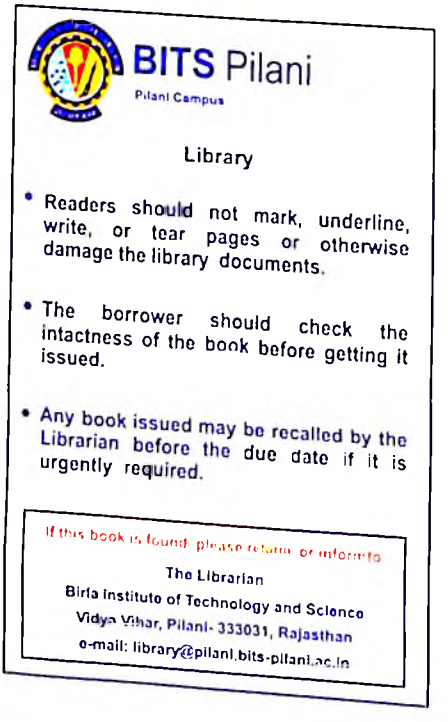

BITS Pilani
Pilani Campus

Library

- Readers should not mark, underline, write, or tear pages or otherwise damage the library documents.
- The borrower should check the intactness of the book before getting it issued.
- Any book issued may be recalled by the Librarian before the due date if it is urgently required.

If this book is found, please return or inform to
The Librarian
Birla Institute of Technology and Science
Vidya Vihar, Pilani- 333031, Rajasthan
e-mail: library@pilani.bits-pilani.ac.in

॥ अथ पीठवारा दुहा : ॥९०॥ मागंता मुहराई उडे अद तारांतरीी आगाज वासो जाइ पावस गाले पीठवा१ दोन बिहुंरा देस अपाडा ओलंडे अलंग नीपरा ताह लेंनेस वृक्षत आवे पीठवा २ माठोंरा जिम जोइ गुरांजरा गुरणीया इरा तरा हंस न सरवर होय पांरीी डोवें पीठवा ३ जे तूं त्रियागी जोइ वेहलज तूं वाढां वहें कला बिहुंरा कोइ पीठ न आवें पीठवा ४ सरवे सुरीहि तराह पगलां काहूं पीठवा : जांमल जल भरीयांह पेंनेई नकारां पहों ५ आरंभ करें अछेह: सोना नर संचीया तरो मरस न देवैं मेह : पांन्हो तोडो पीठवा : ६ तेजी छेडें जाय सत्र समडो संचारीयो : तेरिा परा कोट ताई पमरा न पोहची पीठवा ७ थोडे थोडे लाइ लाधेला जेवो नही अरथ अप्रजांरा तराह : पडीयो लाधो पीठवा : ८ नाउ निगुरा तरोह वांरतर जाई बोलीयो छंदो जिरा जिरा छेह: पेट करावें पीठवा: ९

फिल मालगा फिरताह धज वड. हय धारें नही:
दडवडीयुं कीठाह : पाछम लेरी पीठवो १० हसीयो
तु हूं तेह : ऊपद छाया मुछे करे : वैरागारवलतेह
प्रापत हिरो पीठवा ॥११ काल्हा काइ कीगाय:
सिर ऊपर घूमे सिल्ला : जके सपडीया जाय
पोहर न वाजें पीठवा : १२ करा करा सडे गयाह
का हुताइ धरहें कला छोडज छगीयो नाह : पांना
रेले पीठवा १३ राव सुजांरो रांरा सनमंधीया
जारों सहू : मीसरा मेर प्रमांरा प्रसिध तुहाली
पीठवा १४ तुं संसार सधार वरसे वाधा वीधसीर
जल हा जगदातार कमरा पियारो पीठवा १५
ऊगो पंचवेंऊ कोइ पीतरीया हूंला परणें : वडीयो
नह वसिलोईं तें पेंह लोही पीठवा १६ ईति: ।।
॥ दादुवा पठांसारा दुहा : ॥

॥ ५० ॥ उकालीयुं अपार-मिठ मिअध केरी मिलें

जोवें जाचरण हार दादु औ दूध वहारें १ पोहईन

कारा पाइ नीब मों वेंना तरणा हरा मंल चेहें वाइ

डांरो चाले पुंफना २ चावज चडीयाला हज्जकवत

मुना चेतें नही माथें मरण तारणा ह घुरे दमामा

दादवा ३ लबहिक भर्षीया लोइ : दालद घर दुखी

तरणा लालच नूषि लोइ उाहणा लालि दादु अर ४

वीकम करन व बांरा लीयोलोमा ऊकन्हा : पुरण

देवो पाहांरा दादु औ देसिन हुंतो : ५ जोष गिरणी

चीत काढूं वरणा बिचारीयो पहला दहें प्रवीत

षांरा वहूंतो दादुआ : ६ सिरजाति तरणो संचार

जीत्र ड· अड जीतें जगत : रहीयुं रिधदातार डौल

तणी पर दादुआ ७ मंगोरे मांगणा हार मीरत अध

केरी मिलें उकालीयुं अपार दूध वहारें दादुआ ८

बा डाल ख़्वलबन चल रुप देखन नैन

थत झीरगा हेल डाल्ही डाल्ही दादुख़्ा

पस कल बिल लोड़ बांरा बरीग बीधा

द ख़्रग बोरीग कोड़ डाल्हन मुक्की दादुख़्ा

जम हर तराग सुजेह दा छां होवत दादुख़्ा

कंन जम करेह जोवमलग जोवत नहि

पलि जालरा हार ख़्बहर हे ख़्रम गलतरा

न का हु के बार दा छा देवरा दादुख़्ा १२

ी गार तराग्ह बातो जाइ बे ख़्ं नही संबलि

क मठाह दाटो ख़्ाछी दादुख़्ा १३ गोरी-

दवर गाह ख़्ाराउला डें ख़्लग दादुख़्ा दालर

य ता जीजियें जलालउत : १४ छल ख़्रवें

छाल सुवचन सुध कवितरा करबो इरा

लाल: डुंग बलांरीग दादुख़्ा: १५ दारख़्ें भरीथा

डांरा ओकते जालांराते पाधोरिका पठांरा:

वांकत वीधा उतरना : ९ नवरांतर मवताह कौन

पेंराह वीधां करन कुलमें कालतरगाह डाचा

होवत दादुरा ९० सुजली सुजली सोइ कुजली

त्रावरीं कान कांकल कुलर्न होय: दुसरे

पोजी दादुरा ९८ पंचम सत कदरा पाउ चलंतो

त्रा ठेचले संचक तेंला भाउ देबें नांही दादुरा

पडीयावलेजु घाउ वाजें बोलाबा तरो जांसो तूं

जमराउ दुरान जांरो दादूरा ९९ तूं ईउ माम-

पाल नर कयावर दूजें नहीं दादुरो उंची डाल जुग

उपरें जलालउल २१ नीरन सूकी तोइ तरीत त्राग

तुहायले लोही जुको लोइ जो दलहुंती दादरा २२

कवरास प्रगट करेह कीरत त्रागी लेकरग

इधरा प्रसतलरोह हेंडी पंली दादुरा २३ रज माथे

डोहलिनथाग्रें दादुरखा २८ हूँति च्यरा हौं होइ
क्रिपरागंताइ चीजें किसूं तांनें चीजा तोइ
विहरो दांरणो मो: २ भाव विहुंरो मेल करजो
ने दिन काटजें मनान होइ मेल दाई दाखें दादु
२ मिसर महालम जोइ ग्रीतिल हैं उखोंमतां
तोलन घटीयो तोइ जो दल घटीयो दादुरखा २
क्रन केहादेवार दांढे बई पदा हुवा जगयाते
जायरा हार ग्रवतर जोइ मंगल रो २८
लाजत एकलिंगार मनहुतें मुक्तीनही वारो
वंसोधार थयो दिगंबर दादुरखा २८
वंसोंमरा दुहा
॥ ९० ॥ दूहा चाररा चीतवि सांधि दिसि तूटी दाता मूक्रोरिया
रहेसी कांध राव सीलतरें सांभीया १ वालहविने बीयाह
वांका एकरा वार में मेंह लीयें मुंकाह रहलीयारें सांभीय
मरेंत माणिगरा मार मांगरा काई मेले मदे किरा

कुदालार रडवडतारें सांमीया: ३ आगी इंद तरगाह आसा

उाहल हाथीया: नाव ठआंजेवाह रथ बैठारे सांमीया ४

सुर संभलीयें साद आहेडी इहगतरीा नर मृग

आवें नाद रोअन आवें रुकन उत ५ मुष मुष

आगल जाइ मानत मेल्हें मांनवी लोभीलडूवें-

धाइ नाई सोरें सांमीया : ६ मंडलीक केही

मात युंही आवो गम करें तूं जायो जिरगरात

रात सधनरे सांमीया ७ पग हथ हाथेजाइ

पूहरा कोइ रस्यो नही भेटत तोमें डाह रथ

बैठारें सांमीया ८ कीरत कांन्ह सुरोहचिंता

न मेल्हीचारसा वर उठीयो वलेह रांडीथीरें

सांमीया ९ भाल मगीतमरोह नाकारो मेल्हीनां

तू वरघयो वलेह रडवारे सांमीया १० हवी

डो रुल्ते नथाजें दादुक्षा ... हूं ते करत तो मोड

किरनरांतताइ चीजे किसूं तोलो ... नीजा तेड ... जीले

किहरो दांरगो घी: २ . भाव विदूसो मेल बजो

ने दिन काटजें मनान होइ मेल पाई पडो दादुक्षा

२ ; मिलर महालम जोड़ आमल हैं रखोसतां

तोलन चटीयो तोइ जो दल चटीयो दादुक्षा २७

कुन केडाकेवार दाढे वई पदा हुवा नगया त

जायरा हार प्रवतर जोड़ मंगल . रा २८

लाजत एकलिंगार मन हुंतें मुकीनही वारो

वं तोधार धयो दिगंबर दादुक्षा २९

... तांजरा दुहा

॥ ९० ॥ दूहा चाररा चीतवि सांधि दिति तूर्त दाता मुख्रोरिरां

रहे सो कांध राव सीलतरें सांमीयां १ बालदविक्के चीयाह

वांका रकरता वार में मेह लीयें मुंकाह हैलामारे सांमीयें

कुदालार रडवडतारें सांमीआ: ग्रागी इंद नरागाहग्रासा
आहल हाथीया: गाव ठगांजेवाह रथ बेठारे सांमीया ४
सुर सांमलीयें सादु ग्राहेडी इहगतरांग नर मृग
ग्रावें नादु रोअन ग्रावें रुकन उत ५ मुष मुष
ग्रागल जाइ मानत गेल्हें मांनवी लोभीलहूवें-
धाइ नाई सोरे सांमीया : ६ मंडलीक केही
मात स्युं ही ग्रावो गम करें तूं जाया जिरगरात
रात सधनरे सांमीया ७ पग हथ हाथेजाइ
पूहरग कोइ रस्यो नही भेरततामें डाह रथ
बेठारें सांमीया ८ कीरत कांन्ह सुरोह चिता
न मेल्ही चारगा वर उठीया वलेह रांडी थीरें
सांमीया ९ याल मजीतमरोह नाकारो मेल्हीनां
तूं वरपयो बलेह रडवारे सांमीया १० हनी
... नरोह उघजीया ग्रापाइतो धाइ ...

घरोह हरीयो रे सागीयो ११ नांखो कहे इम
ओइ कोव छाजे मोटो कन्हे हंला सरवर होइ
रनै न होवे सकन उत १२ भरीयो दिसी भराणार
संदेसो सुक वितरा ऋपरा जासी कोडर हरी राहू
जी यो १३ ईति ॥ ॥ मुजै वाढलरा दुहा ॥
॥ दुला छोपडीयो छम छेह : मारा तट मुजा लिखो
साही जो सम सेर धारिज कोइ धर लें नहीं १ उपरका
वरे स्रंगार कारक कोवे रो धयो मलोज वूको मार
माथे मुजईया तरा २ जरा की जारोंनाह
जरा कांसूं जांरा दीयो पंजर पीडी ताह मन
साबी मूजा लीख्या ३ पेंतीसा पमार बाबर
को बीजो नही संगास मारा डार संघत
मीर ही मूंजीया ४ पिडि संगम पईयाह मीं
तीजको दीठो मरद वाढरा हारन वेसलें माथ
संजीयाह ५ ... काहली कवाद वागी

िव. रस तरी नाख विधो तिरा नाद माथो
मुजाईयो तरोग ६ पाई सुरंगी मोजडी गढीयो
गालो हाथ तो ऊपर पल आवीयो मिडि
मुंजा मारोथ ७ मुंजीयो मुंह रथ काढ बेठे
है बीजा मरे आऊं आंपारगाह साथी हैस
रो नहीं ८ पोढीयो पूरा लोह मादरी तर
मुंजा लीयो अवसर इंद घरेह अपछर
मन आणंद थयो ९ हुंती हामु हाथ
हूंती मुमईयो हथे सेल कटारी साथ
वुहा वारो वारीयां १० तें वढतें वाढेल
लमकजिअरि गयुंति प्रभु मुछांन लहं मेल
आंवलयुं आंवा मंडल ११ गाधीके बीकर वीधा
ऊठाकारलां आयो ऊहकार मिरग जेडी मुजा
लीयो १२ सूना मेल्हे सेर चूडा समोन चालीया
मिलयो गढ माडेर मुओ तमड मुजा लीजो १३

कद वांनुं कै वार भांजै कार नीयै पीयै

मांगरा हार मुंजरा गुप्ता धाले १४ मुंजो

मार काइं मुंजा हाथ मारस्यै पांडा बेवे

पैसो नहीं पडी आर १५ इति ॥ दुहा दल

रा लाखाउत ॥ दुहा दल फूलांणी देस

लूं छिलीयो सगंद छालो लाधर देस लिख

लाखरा सीहउत १ काइं कला घरेह फुन

कोइ पुहव लांछारसीय लागेह लाजन

सीह उत २ तो नीग में नरेल उगोमलहल तो

अनड रज रहज रजरेस लागी लाखरा सीह

उत ३ गो कई लारवी क्रमेय रतो लिरा जोवे

वेवा पांरा प्रधेय रवलीया रहस्यै नहीं ४ का

काछ तरणाह चूडा भागे वाचवे मेथीरा भरा

याह रांडी राउला देव की ५ काइं कालूं भार

लाखें लो लिवन लहर लिये ...

लाखरा सीह उत द कांकरा हथीन काड मंदिरे मो-
हे लां तरां खर पेवा उछाड लाडे न लाखरा सीह उत ६
नेउल नहीन रांह पग जां परीया वर तरां सुहिलु
खड वड तांह लाठीयां लाखरा सीह उत ८ भर
नारी छड ज्याह मांथे हूलेही नहीं लोहडूं सडकह
तांह लाठीयां लाखरा सीह उत ९ पारसी पमीत
कांह पे उ जवाला प्रादीत का सोहे कोस
गोरत गाह लाहरी लाखरा सीहक ॥१० रावल
इन पोह रू पडा विहुं मिहुं जोग धराह इती मह
एकलो जिरा जिग बोले छांह ११ राउलिया नीरात:
जोया न को वलि जनमली तें प्रभात प्रभात : कवि
यरा चीकोडी मिलें : १२ राउल तूरंगह पेंवा
पारविरामसी एयुं धरा पडे धमलीह खाग भुराउआ
तरां १३ लाडि जाई तीजां दोन परिवाचार हडां तरां
करहो कांटा केस ललके लाखरा सहउत १४

चित धारे चल गोड रहीयो रावल हैं घ[illegible]
पंजर परदे सेह अमरथे भाडा. ति [illegible]
नागना तराह आईयो अड मनुहाइली [illegible]
लाखा लाखरा सीह उल १८ रेसूं रावली [illegible]
बोले नहीं उभो खेरो वाल नेवज गुरा नह राली यो
केल कुछ गो की चले रबे जाम सुराह रावला
बंडा हयो जांदा वि छोडेह १९ छमा तुहाली वांह
अंतर आना तर तरों आदर कीव आयांह लाजं
लाखरा सीह उल: २० राउलरी अवताह सोहलें
लाखरा लीह उल कीव साचो कह लींह भेदयाद
सर धराी २१ सामा राजवीतांह सांइला घर सुक
विलरा किरि पावस पुरा गांह लेषे लाखरा सीह
उल २२ हुंयें नजरं भाव सामां आगलीयें समंद कु-
वचन का छीराव के हे वेसों काठीयो २३ का मईनी
के कांरा राउल कि भेंनरा बीयें ईखें पायो अजांरा

लाभे लाबरा सीहउत २४ अंगुल हुता आगसांमां

सांपलगी करें घड सिंगलडें धिगाग लागी लाव-

रा सीहउत २५ आंबीर नडीयह जे हीयें जीवीजोयें

माहे माला वाह लीजें लावरा यांसी युं २६ दुसो जिके

पे जांह मांगरा रुं मेहलति तरा लरों लागा जांह

लीला लावरा सीहउत २७ हातीले हे बाइ कविवीया

कोडी लरों सुजिंसतो जन घाइ लाबे लावरा सीहउत

२८ हव कीहा लारांरा आरा सो मीस्यें अबर तू

पावर तल पांरा लाघो लावरा सीहउत २९

डीत // अथ जेसकवारउतरा दुहा।

// दुहो: पोह बीजापति सीह केलवीयो जोडी [illegible]

मुंह मेद चामन मांह तें कडकडो कवारउत १

रवि पुडिराघोनाह जेतो जिमरा वहारें मुह मंहमंह

चामाइ तू कोरडो कवाउत: २ पूलों [illegible]

नाह तापिजनुर कांरगा लगौ : गृह २ नंच्या नाह

दूं कावरो कवार उत : ३ उगामी हुई उगारा ह

वीजा जिम बैठो नही बोले पैलि मुडाह कर ह

वहार कवार उत : ४ सावला तां सुह डांह लिखा

सै विनाजत तरगो जेला जर दन जांह कीरत तरगो

कवार उत ५ जेला जेलूं उलग उसुराइसा तरगौ

पैं पांडरो न धान काली धेन कवार उत : ६

जांधां जवले छेह धाड़ पु पानीलरधरती गोरक्सारि

सीबेह किरि कीक लोक वार उत : ७ जेला कान्ह

ली जाय : कुमदी उगमा टीवायो भागो भेडें नाह

कीर काठि माक वार उत ८ लिर सुर तांरगा देसाह

नादें लानांमि सन ही जांरगी तीजे साह कीर सिइ म्हीज

कवार उत ९ निध ननानी सांरगा सुरों नही सुर

लांरगाराजे साथी जो उजांरगा काइ फुरा कांन कां

जत १० गागान जवेलि तरााह पोगर पोह छाडे
परा निमातर मझार रा मांह ते कानीया कवार जत
११ मड गज वेल जडेह मोगरग व मुहा मडे केवि
मितर कडेह ते कानीया कवार जत १२ जेता
जाम वाराह मेल नही मोदल धरती तेनै तुरकां राह
पडीयो कार कवार जत १३ नगनिलो होजांह
हेल जड़े तारथ तरो तनउबली यै तांह की की
मांह कवार जत १४ स्नो मामम रात : जेना
तो मूति जे सीया : पालट स्पें परभात :
उपर तो च्याव
काला दल का वल तरा १५
चार कील ला दल का वल तरा : च्यायारक
जवार गाज्र जीव युं जे लीया १६ लोभी लाधोजेह
जेलां हरों नलावी युं : बेउमालम लेह : केटकीया
कवार जत १७ जेता लं जम दूत : सरवह
या पोह तो सरस : तुरकारा ता बूत : करसे कवरा

कवाट जित १८ [strikethrough] अमरज भरा हरीया ल गाथा

उपर मांगावा ! पिड हक कूदे वाह करके लड़े

कवाट जित १९ वजाड़ि सिमांवरि मुडबो मुंग्ध खरिवो

पयो धर खंबर ना धीर कर कंसाल कवाट जित २०

दांरा वचें दी वांरा बाजू ले बैठे नही . कर

सखीयो के वांरा मागें करर कवाट जित २१

मुडो मामपलांह आवें आंम्र को नही इसो दलही

दीठांह किरि केहरि कवाट जित २२ पड धीपनह

लरांह सिर उपर सोरठ धणी उठि उठिवतांह

पेके वांरा कवाट जित २३ वाले पगिवि विमुहां

बीजां जिम बेठो नही तूं आगल तुरकां करहं

जेम कवाट जित २४ इति ॥ अब पांचें खंगल

बहुतरा दुहा । ॥ दुहा: पांपो चहरसीयाह नर

लरी ह्युं करतोन तूं माहे माडवराव आपरा पें आंरो

नही १ पांपो चांपीतेह वालो विजूं जलात सो:

सोरभसांभडतेह रूं उभरीयो अ्पभ उत २

जैं जैतपुरा जांत गूजर गढ धाड करें

चांपा थाहरो थांत अराहल वाडें अ्ेंभ

उत ३ ढमकें ढोलतराह कायर जर कूदे

गधा वालीनाइ लेइ रूं आलसीयो अ्ेंभ उत

४ वाले वात सुनीह आयें दल आतपत.

तरोा करनाचीयं करेह अ्िसमर अ्ेंभलरा

व उत ५ चांपा चांपो रकंत : सांरंभसतरिन

माई लिरी सुर तांरान जाइ मह महीयो मांड

वधारी ६ चांपा चाक तराह रिरा ग्रूई

रांढ वहारें बेल बंवांराउलि तरा रिसरलार

वियो नहीते उलरतो अ्ेंभ उत ७ माथें मेह थीयाइ

बेल बवांराउलि तरा चांपो चाहें नाह उला

अ्ेंभ भलरा व उत : ८ ३ बें आव ताह काला

दल किल वांसरा : चांपा चेतन थाह : वाला

वदनेल म्हीरा : ९ संसती यां रूराह कुल तांउधरीयें

करके : तरी युंतेजमठांह ग्रा कुल थायें ग्रंम

उत १० ग्रसिध ग्रताद करेह चांप मलो चळा

वीयो सुमररा तरोग तिरेह ई डो ग्रेमलराव उत ११

उई पाछिलीमझोह वालें मांने वाव हू पगले पाव

तरोह ग्रेमल ग्रमडीयो नही १२ जड जो तरे मजोह

काल्हो डी ही कंयु नही धवलो ग्रांरसे छोइग्रटके

ग्रेम मलराव उत १३ फरीयादसि हूराह बीला

वांराउल तरा दिल तो इदा बेनाहउमत ग्रेंम मल

रावउत १४ चाड विरा धिडी करेह ग्रानिनर

जगारीबोग्रजै नगनर लिंगथरह ओ ग्रेंमलराव

उत १५ फिरीवें फिरीयेताह : वारू वाळंलांतरांतें

भांसरो मलाइ चांपाचितति हालें १६ उडनतांऽपरा

संध सीस जसल सलीयो नही कमलति हाले

कंध कोइ ग्राधि को हूंतो ग्रेंम उत १७ चांपा

चोरंगवार चूप ईयें हूंतो धरसा ग्रावी हुलौ

ग्रंगार ग्रांबर लागो ग्रेंम उत १८ पीत

पर मुष पाइ उयें जाइरें सें कुंकव तिलक

बाजे ताइ ग्रकिम हाडौ ग्रेंम उत १९ तज

गंडार भरेह ग्रांजल भरि कीजै ग्रलग रते

सिर पाषेह काउ लासिहे ग्रेम उत २० बालो

बिसवाय सतिल तिल मुहनि जड सो कर वीलो

सीतरे जा ग्रेंम लरा व उत २१ हिवडे हुंतो

हार मनगमतल मोती तरो सोरठनो सिरागार

उतीनो ग्रेमल मुग्रे २२ चापा चली युं जाइ

मॅग्गं तां मांडव धरी बीड बूडारु धाय उठे

ग्रेंमलरा व उत २३ रहरहीया तुं पाइ मकरंद

कंद धारां मुहें तें धावें धड धाह ओरी दिल ओभलारा

व उत २४ गा चांपलो अछेह वालो वाकारे चरे

फागुल फड हड तेह उजो ओभलारावउत २५

चांपो चोलतराह वालो रंगवहारीयें धारे धाह

ताह उभरीयोन ह ओभउत २६ जैतूं चांपा जोत:

आइदल आसपत तरो चिंहूं दिस चहरो धात आडा

बोलों ओभउत : २७ माधोमंफ पलाह ध्यामा फुड

कोप ओभउत ध्यांन जतें धाताह वालें सुजि

व७ वालरा २८ लोइराजेल सीयाह काहूछे

दिजें ते किमल हावर हिया तराह ऊपारे चालें

ओभलो २९ उत्तीनुं ओं जरांध सुरा जु तेन तारी

पुं कमल तहालें कांध अधि कोहूतो ओभउत

30 ओंठो पीवें अबोट ने बज निवारें पडें वाला

तरा वलोट अमलो पीयें ओंभउत ३१ आइ यों

सोरठ विचार वाला दुहु ग्रे हे लों हे क सिर समपरण
हार वाढणा हारो वाल हो ३२ ग्रेमलग्रणा
हो मार काहू ग्रजरामर करस हू ग्रो तूं हरा
हण कार चिहुदेतें चारणा तणो ३३ चीई
ग्राये साद ग्रेमलऊ ग्राचरजें नही लेवाध्यो
बकवाद पोहतो घर पाधूं तणो ३४ बेबे
बोरधायाह वालाये कहीयो वरन: ग्रीर
दलउंमटीयो ह ग्रंबे ग्रेमल रावउत ३५ गात
ल वाडत जेह काइर कालुधाजिही कालो
क्रमनदेह उंची ग्रेमलरावउत ३६ तांइतलाराह
रही खुं राड़ि करेवा: पिड़ि संभ्रम पें लाह सुध
नहीं सारें लरी ३७ जोइयें वड जुडलांह ग्र-
सुधि लुहाली ग्रेमउत पगले पाय तणो ह
ग्रेमड ग्रामडीयो नही सुर पाछली भगो ह

वालें माने बीवडु ३९ वातों बांगरा देह
जागूंर थजूतो नही रीहयो रिधमांडेह धरीयुं भां
जें धमलउत ४० वालीमकर बिनाय : आसमर
उजडीया तरो बांक बिनारीनाह बांकत
हालो बांचउत ४१ वालो वड हीरोह काठो
भलो न कोपीयो गोरांरो रांरो हलाइवालि तो
बींचउत ४२ पांपो चहररीयाव नर तरीयुं करत
न तूं आपांरी आंरो नहीं मोहें मांडव रा
४३ वरीयुं बसत तराह जे तूं बाबरजेत डाजु
जूवट आलाह पर गह पांन वाहरें इति:
॥ हमीर गुहलीरा दुहा : ॥ तोहडे जोर तिके
ह पुरि सातनण रा तणो लेबड कीकुंबवेह
भारत मदीरो भीम उत १ वहलो आवे वीर
संगत तोमइयातलों हीचोलिजे हमीर भालां

मुहडैं भीमउत २ हामू ही सूंधार सिरवाजी संकरतरों

तोसर बातरावार भला मरेवो भीम उत ३ संकर

तरोी राअड. चाडिजिके चूके गया हरास्येहाथ

हमीर गन सगला ही भीम उत ४ हमीरे हसीयाह

गुहिलें दल गुजर तरा: लाधे प्रबलसियाह

संगठ सोमइयातरो ५ संकर तरासधीरमाथे

मेछा इरा तरा पडीया हाथ हमीर मुइ

लुम्हीरा भीमउत ६ षत्रवट षत्रीसराह वंस

आगले काहूं वधत सोमइयें साजाभाजत जो

सूं भीम उत: ७ हर अहिसीसहां माइ मरतें

तो अपतरामूआ चारं अंचूडाह भाणै भागाभीम

उत ८ भाग तो भागाह पाटरा पारवतीतरा

कांकरा कमल पछाइ: भाजो अंचा भीमउत ९

चित चातनरी थिया हू अंगनाइ रन चालो लीयो

क्रम तोड़ कल हैं वाह भरतो आवे भीम उत १०

बोल अटंका बोलीया : सोह कोइ संभलि आह

मारस्या हारो मारीयो कू कड़ बत कहीयाह ११

बोल जबापे तोह हमीरं वातीया हीयै नारवी-

पुंजा लाह भागें काथे भीम उत १२ कर इक

कमल धरेह कायरी माथें करगवा चांगा-

जे वलेह केहो हाथह मारीया : १३ उलोहि-

लीय लहाथ करजो जाई कायरीया भला

जगराज भारथ सिर डिगलो रावें समो १४

क्रमीयालिलंगाकार लाइ भेलीलें भीमउत वले

सके ही वार ऊबल होसें पाटरा तरां : १५

ला कुल जकू कालाल सांगठ सोमईया तरां

धो कुट ला क पाल भव सगलों ही भीमउत १६
पढेज चो बारे ह आंर आंबा आरोगता गनी-
ब वागलेह भागत म्हरीं भीम उत १७
उरजन आंवम तांरा पाडरा मे वी है पंवरा
मेछां घर मुह कांरा भली करावी भीमउत १८
उरिजन आंकुडीयांह लोहज घटलागू तरां
जारों पडंग पडाह मेलाउपर भीम उत १९
केवाधाके आई कां ही बार वाकनें डाकीा
डोलां मांह भमेंत मलीरां भीम उत २० उरज
नीयो मोजाइ भीरी मेल्हें भीमउत घरों वहंते-
घाइ साम्हे दल सूरतांरा रें २१ चूंह चूडा चूह
वेह पाटरा पारबती तरांग लू आडीयुं
अछेह भाजें रही युं भीमअत २२ षेत
जुहारें षाग माथे मे छाइरा तरां [illegible]

पाटे आग भरकी भीमनरिद उत २३ कील
पहलूं करताह मुह सोह कोइ बोले मछर सिर
पाबें सूरांह भारत आवे भीम उत: २४ गमरो
गहलम जोइ फरवर तो फोरांज सलौ. हाथा हमी
रील कोइ भारी हूं तो भीम उत २५ नर उतरतो,
नीर नीरोइ उतरीयो नहीं सरवर सोमइया तरां
भीलें हंस हमीर २६ अपछर ओल बीया
चाह तह बाजी त्रांबक तरंगी मुह इक मुरिग
सांमाह एक भायांमा भीमउत २८ उरिजन
एकंकार जग सग लोहू ओजरे. तूंर हीयो तिरा
वार भांरा तरणी पर भीम उत २९ हूंलो जिवंयू
हमीर कंठ जाय कामाली तरणा विषलो कहीयो
वीर भवंगन कहीयो भीम उत ३० जाइ वापर
ता वीर पाटरा पूर इका चीया सुलालीयाइ

हमीर तुम भलावे भीम उत ३१ गढ गिरनार

नरोह क्रम सीसे खडवा करें दूदो डाकरलेह

भोम न छाडे भीम उत ३२ गुंहलाए हसहाव

दूदो ने दे याल दे जसा कुल पिंगल राव

पारधीया पहडें नही ३३ मई ग्रीलमरसे

नीह छोरु छंदाइल नरा दूदा दूध यहाह

भावत म्होरा भीम उत ३४ बडो मंगल जलीह

लाभे पेला वीधरा आडो उवरी बाह भलो

न धरीयो भीम उत: ३५ लेल्ही लोधा टेह

सुधकीन नजी यो सहज क्रमे कुपात्र नरोह

चढीयो हीयें हमीर उत ३६ सोहा वे सोह

काइ हाथी रेलह हीरीया: चोटें घाटन

होइ बाधी विरदावलि नरा ३७

ज्ञमी प्रवीत विख ल्ला हलवेरियां मिली. ग्यां.
भा मांह भेला रावें भीमउत ३८ उपरतो स्पाह
कोइ उवरीयो नही दल दुर वेततरमाह कोर मुंड
ालिया भीमउत ३९ बालूं वलीयो चाड पंजर
ग मांडे नही काइ कोहिड़ा मांह भालम
ध्दे भीमउत ४० वीजां वे वे प्रांब:जाया
जारो नही रक थाने प्रांब रखें सुरतां
ाहियें ४१ उर जन प्रांबडीयांह मांपे
कांरीा नही फूटी फुटेताह मोगर मुदाक-
लरगो ४२ दल दर वेल लरगाह किरि-
इ गलीया भीमउत उपरितो स्पा...
कोर
ालबाया नहीं ४३ वलि बंधरा दुरबार
ठे दर साये नही सोहड तिके संसार

आज गरोसवा भीम उत ४४ माथी के माथाह
पेंजि मसंकर पुंजीयो घड बिरा घड होताह
भाराा न होवें भीम उत ४५ इति ग्रथ बांधे
जैत सीमोतरा कुआ कोटडेंरो धरती ॥ ५० रांसां
रितगाउं ज्यार देबें घडर हुं ज्येंबिची भयद
तरी पर मांडी रयुं त्री बां वड क्र भार १
सांकल मेर समंरा लाज तसी लोपी नहीं
रहीयो नाथो रांरा उंबध भाजें ज्यावी और
रांवांरे ही तांह भुई बिलगी भागी नहीं छूतो
बेल तराह जेमर पां राजैत उत ३ सुज
डो उडरा सोह वाघ बिहूं फौंजां बिची
हंसक जांरा हालीयो मांरा सरोवर मांह ४
हहलो देबें ठां [illegible] मन त्रवें मन डोहला:
रतन गमाडे सांरा रंक हुवे बैठो रिसी

अपने बेजा जांह दल तांर हसीदा कतो तो
जारो वाघडा दुईस्यें राबहू स्यांह ६ पावक
चे पडीयांह कांठां सूं धाठे कमल बिसारी
वाघडो चीघरा सिरचढीयांह ७ चीघरा
जली यांह षरहड मांह बसेरीयां रांरगां
ब पिया यांह जे बिसरत वाघडो ८ बडतें
यो वावडी विहलें गमीयो वाघ आपां
डपिता: एक सरीबो श्राघ ९ हल रें
डरा हियाह: व्रजहेमाहि विरीबतां: फूटो
कीटाह वाघ तरगो संभल विधन १०
यो बैसै राइ वाघ तरगों विसरामीयो
यो काथी भंज कोट जिम जुक लीरगी
११ भडवां का तीन्हा जुरी धीतें नहीं जुगीर
च बिडूंगो को टडो जांगि दुहागरग

नार १२ हाल हियां जांन वलबें जारजांवा ढोरा

मतीह वाघो वाडीयां: रमरा पधारे रांरा१३

वाघी ग्रावबलेह दुष दोरो दुरा हरा ग्रावु पाहर

छेह जोगी कागो जैल अंत १४ बूझो हाट पारखां

बूझो लोक ग्रनेक वाउडें काइ वाघडो हंस

तरीा गतहेक १५ हें परदेसरा कूं कडी

मद पेतो कुल मौड वाउडो कांइ वाघडो राय

जादो राठोड १६ लाष भल काडच्चीयां रंजी

हाथ कमांडा वाउडे कोइ वाघडो ग्रमली

मांरा जु ग्रांरा १७ वाघा हालें वेग दुष

दोरयो दुरा हरा ग्राडु पाहर मुं देग जोगी

करगो जैत उत १८ कीदूं गर वाछिरो ईयो

कीबो हलोह सीयांह वेसारेसबें वाघडो वेस

नरव सीयांह १९ कोइलें करें कागकडा

सरले सादस लाउ विहलां वाघांन विसरें रोरलिहं इरा
राव २० मारग मर्ती करेह सुध पूछ्युं सैंणां तरणी
मत ही आइ मिले वात कहेसी बाघरी २१ दूक ३१
कांइ करू कीया निसह गलांतिरेन कांइ कांइ
वेदन पिंजरें कांइ वाघा तणो कुवेंणा २२ जोजो
लपेलेह जल हीआ लाहल थीयो के हीं चीठ पढेह
वीसरीजें वाघडो २३ इति

जबररा दुहा

साउ तुहजें सउ जबराजल हरिजें हो दूह
वीयें पाल पतरणा हालेंहि मसहड १ जबरा हह
गरणो छोपोह वीजा प्रिथी आज संम्हीरणा अंगा
उनड रुपरें वो थीआ २ सोल सहस लार रुके मोजें
समापणा दाती मुष दातार जो साचीत बरा ३
रुक दियंता दांरणा बीजो विछतां वैरीयां
निहघा वे वोह जांरणा जांजान कीजें जबरा ४

जूटी लैंबां नाइ मारे नीजा माछलां घरागनघडी

या लाह जाडूं घडीया जाबरा दसी सीहा जली

पजै गीहं दागो होइ उठांरमी घर मबरांनाउं

अपचरज कोइ द हंसां हंदा हंत के कागा

करगा लीअपाउ उठांरमी घर मबरो वतार

हन आउ ६ पांतनीया पोहलोइ जाइजुहार

यो जबरो नर बीजा नर लोह खांब तलै आवै

नही ८ खिरिया मारी भानाउ मीह ठंभा वलामोअ

रो उठनयुं अागाह जलीया काठो जबरो ९

आंगी आमो होइ जिन्हां हंदो जबरा उठा आर

दले तीह मरेवो तोइ जबरा पुं अपरा दिया अनेरा लोइ

सोने केरा संकली जिन्हें दांन कीयो इ ११

दाडी लो दातार मुछ त्रीहजै जबरा मंगीरान

ही यां लमो मावठ भंजमा हार २२ ...

हुर दुहा महडऊलरा ॥ ५० राहूजीव

ड राव मिलज कीजें महडउतजै लरवापर

उ हुवै तहल हलीयो नही १ उलरी यांउदार

हुरे रा यर जिहाँ लहरी देखरा हार मारा क-

युं महउ उतर राहू मिलीये रजीया वीयान चित

ाय: जो संरल भैमुभरी नाउं छू करा य: २

_ कांहा लधली तीन्हो ध कोम तारा हेकरा पासें

रं जुग सोहें बीजें जांला ४ राहू रिति मिली यांह:

-उन्हालां तती दंतीली नामिलेह महडउतम

ारी पडौ ५ करा तूं राहूं कछतुर लांको वीयो

 भरीया भयो हा धाला भल पाला जुजल मंडार २६

॥ भाखरसी सोडेंरा दुहा: भाष रसी मंडार:

ालिन सरसतितरा आगलि ता उदार विलाती

ानित वेांऊत १ भाखरसी इमडां हु बातार

हलीवैंर उत : सु वचन पुकीव तेंराह साषीसो

वो हर घराी र दूं भल हलतें रूल भाखरतीभात्तां

लरीा मिलवीनायो सूल : विठवाप्राया वेंर उत ३

मांषे भाखरीयाह वैंजें हीयालें नही बोलें नर

बीजाह करवायेरो वेंर उत ४ भाखर लीभों

लार पोछो पारा कर घराी ठाकुर बीजाबार :

दूं वर सारथ वेंर उत ५ भाषरसी भालेह

पछीयो पण पछीयो नही कालीभा करकेह

प्राइ ज्पनुरा इरा लराो : ६

॥ तिनें कांधलोतरा दुहा :

॥ जमहे तरीा जडाग सांकलितविछोडें सिको ला कूंस

र सो लाग भायें कांधल राव उत १ कांधलीयें

कं कों रा काली कातरीयो नही बांभांको

... वीजी बालराा राव उत ...

कंवरिया कांधल राव उत सिवोन जाते लोहीया

टांणां रांड लोह: १६ चडूवड करधार ताह

चाउ: उपा थीं नही वेरीं डंडले जाह तोरां

तोरावलाण १७ हील ॥ : ॥ उगाव लोरा दूहा

॥ मगरो पोमुणलाह हीलो कुसाथी उगंतो

उलरं तांसू उलौं चढेन पूं चढ लाह १

कवीयन कांन सुणेह लें जिम सांचाले

निवज लीजे पाल वलेह उगालो हले

वहारें २ वाला वेधु गेह वैरां जीइवधें

नही काहूं काया डेह लेअ सास अगिला ३

वाला कावल कार मेहउत मेद पया दरास

दाबि दलार उपदजे हो रूपोगलाह ४

तार ताँडीया त्यागा ताइ त्यागीहि तारीया प्राधापेंडां

आपवा उबद जेहा उगला ५ मार इया मिलीयांह मेहरी

यें यीधां मरना मैकीरि बरतरु बलाह उधारेउधावता

वैठीं वेतरा लेय : उलर घर प्रदवो तोनं अगलें

उर की रह गल हथीया गोवाउत ६ नांम निम्रलगयाह

अगला ग्रंद तारा नागा सुइरान संभलिया ह बिहल

न वही चलाईया ८ हूंती तो हुं ताह वातो बाला

हा घरती : एकाालो प्रछतीह अगला अजड लागें

वापारें वापार वाला जोनतां तोनं वह लोंबड यातार

उगली मांग प्रराना १० मठा मानां तांह यात्रा या

वी प्रान ही बालें बलद लााह उगला प्रांचल

जेहा ११ घुलीतु हारें घाइ राज कुली छोडी हना

कर चाये वाारा राइ एक मुहालें अगला १२

उगला खोदी जांह दलनीडो, दावन तुणि : दूरो काढूं
परनीयें पाछे लां जुरबाह १३ ग्रीयाण मेल्हे ग्रास
ग्रदाधाई उडेरवे समानमेल्ही जास ग्रायां उगमलीह
उत १४ ग्रांधण रक गमाह ग्रध पालो खारो गीयो
बीजो इबलदे वाह उथलीया उगवते १५ मन भीतर
मिलतांह पातु पंखेन ही लानां लोम तरगाह उगला
ग्रर लां दीधा : १६ जुरहीया पडी हार बीनल
गुहारें विहल ; ग्राण धीयाउगाहार उगलो ग्रब
मांगु १७ उगलें ग्रांबेतीह कुल उगनी गुल
कीयो पहले चोबेनाह मारे मातं गरावउत १८
सोहडी जो संतार धणांलां पोढी : कीयो बाला
लाणि वाणारस : उगलो ग्राथान सहे १९
वेधा लग बेतोह भाखतें भिखीयो नहीं केहो कारारेह

आपसीतें अगलो २० अहारे अनीयोव आदरीयो
उणउतें नामो जासले वाउ ठाकुर हेवे न्हे करे
२१ नख सूरज नोरे ष काठा काठ न भेलीयो नावूरह
विवेक अमा रहे वो अगलो : २२ इति ॥ महारा
सीसूराउतरा दहो ॥ ५० महारा मात तराग्रह
उदर जिके वुहा अहल दन वेग दीठा ठाह सुजाण
ले सुरा उत १ के के तला कुजांण काठलीय
ताडवा थीयें तूं गुलीयो गुण जांगा सूरउत लगें
रिसराडी २ कर भलीया कलि काल भलें नरछेही
भली वांन ट लागें लपाल सीगन हूंता सूरउत ३
कर भतीया कायह नजने ले कूपें नहीं मंदिमि
रगत मोह सोचें राचें सुरउत ४ करमतीया
के नार कहीया अन्हे कहाडीयो तिलित चारणो

चकार सिलेंट मेले सूर उत द ज्यावर डाक्षावि.
(गास लाग सुपत्नां सूरउत कोड मंड पकलास
कलो ज्यानत से किता ७ बहि ज्यावीयुं लेरेस
परबत चांपोंसी जिहुी गनतो मलवोरेस सुर
उत सारी लेज्या ८ बालीवांडा लाहर मत
लडीरांडावीयुं नीकम छुर लकालाह सूर
कारे सूरउत ९ उलीचतो ज्वतीर नासरावोह
वीराउयांनही रसा पाबें नीर लेंसल डुवें
सूर उत १० जेतन नूर बोहोर तागालें ताबां
नीयें कालज तरें कोइ लोंधि न लागे
सूर उत ११ कांरु उधार कीयेह ज्यापराधों
रुडा लियो लोइ उधारु ज्यदोह सुरउत लोनाजेरो
१२ मुडी यल मेल्यो मुडीयल बिण मेलो नही

अंजन जा अम्हीराह साजल ज्ञा डो सुरउत 13
आधारण आचार ग्रनाग संभल त्यें नही जसरीज
तजु ज्ञार साधा मरस्पे सुर उत 14 तेलितते
तेत्रील रमतरसी रांडावीगुं गाठे ज्ञापमज
व रावण मुहगोसुर उत 15 तोमाजीरमू
ज्ञाह बपसी चाबालू ताण चिकरोवेरवरा
सुर उत लाबूमाजो 16 नहाली गुल ताल
तेनवाली तिबाये कही मांगत केही मात
सुर उत समदिन होवे 17 रहीयो कंघतर
ह वे ढालावेली जिहा मनताइ मेल्हेताल
मोर मदोर ससूर उत 18 कीरें ओषद
काइ लन तुहालाले हवी घलघल लीयो

जाइ सूर उत लाजोतोजो १८ कहीन कहीजाइ
कहीयै तीह कोन्हल नही तातडीयीलय मोह
सुर उत सुरस्यामीयुं २० मल्लीहि समरस्या प्रगाह
मरस्या जहै स्याहे मंडल छहे छव लिषीयाइ
स्यात मन होवैं सूर उत :: २२ के पावतो पडाइ
मूलतोमैं छाड्ण ताम्म जुगीत संजमरायें नीहगीर
जोति पावै सूर उत २२ काढूं कुर मसी माह
लोह जलतेडल सूर उत चरस्या कातो पाव
एक घड़ी थोधें नही २३ धारतके तो धाइ
पंजर पाछें जुगीति उजोगारुंगद जाइ तासें
तीयें सूर उत २४ इति ॥ चाचगदेवोचउतरा
दुहा :॥ ६० बालो वडहीसोह काहीमलोव
को पीयो गोरांसांसोतें सोह लार [illegible]

बांचउत १ काला मतार विलाह ताइ वाजीतो
जती मरउ उ अडीयातलो वांक विंगारगी
नाह नबांकत म्हीरां वांचउत २ आतप जतापण
हार जाइ ताचीज्ञारसुताधीया : - तठी व्रठे वेचार
तणी वठेवा वांचउत ३ ओकरम कुंभार रांमु
वा वृतन उइराइलो त्रिधजी रही चमार चाकचढंती
चाचुरया ४ ज्युं ही भमर भमेह चाडल चाचंती
चांचपु मन रहीया मुकेह वाचत म्हीराबांच
उत ५ वाले वावर ताह रल वली सु दोबी ताण
पिरीयुतें वांडाह जीवें तंतर वांचउत ६
काला ले कालधेह लाले लालवीयो नदी
... करलाणह वेठेगरीया वां... उत ...

करसरा कोप भडउभे थेला विखा ग्राडवें उगोंताह

वारूं लागें वांचउत ८ बतबोबस करेह जोत

जिके जीवण कों चिट्ठेरे चार तरोह: तिनडो.

तोद्धो वांछ अत ९ पल चरमण पीठोंरा माइज

के मेल्हें गयो: न विरह तें निरवांरा वांकम केहो

वांच उत १० जाती फूल फिरेह फुड उफर प्रिथवी

तांणों खुल बदलांण सनेह नाण न जाणी वांच उत ११

रलों ग्रास करेह परदल पें जत हाइली तिाधे जाइ

पूरेह वार नै जाती वांच उत १२ गाफाहली

कडाह लग मठों तूवे कों जूजू जरद तरणाह लो.

वलि भरीयें वांच उत १३ डुलरानी पुंडीयाह

वालो ~~पल~~ वड कवे तणो जेही वांम्फ विपाह

वांच उत वालो लागें १४ मूजाइ आणाह आतीत

आवें पहल करबड कामां गाह वांका रहीयां
वांचउत १५ वाचा जारसा कोइ गरढो उरोन
जाइगो वारे वडाइ होइ नातीन हुवे वांचउत १६
तेरातेग मांगाम हार विनडी तांइ विरचे नहीं बल देना
बलहार वदन तम्हींगो वांचउत १७ सूते
लागो सूत सूत सारत लगाथियो रजे नके रजपूत
जेवा लो विलासीये १८ वालो वाइ नहतेह नीय
तन जात नावे नही स्पंग उडे नरसींयह नडफर
पहलो वांच उत १९ तेतां पीयां नितक
वालो बगतुहो भलो वे नोसां जोवंक ननोंकत
जहीसो बांच उत २० इति ॥ ॥नागारजागसा
रंगतत दुहा ॥६०॥ भषरय भगवतराग्रह सुजन
भष सौरंग राव उत तेफल तीन घडाह मिलिसें
महांभ धरसी । राफ घरोह हों राग कीधां पें
... यान मिलीयो नाथा सरिवी

सारंग राव उत २ गादे बेजासं ग्राम कोडी
धज कनीया पबें नागर जगारिया नाह सांचोन
सारंगा राव उत ३ सभवड लगोत गाह धनीवनडो
अगोत ही भड भेरडें तराग्ह नागडो नीर वहारें ४
सोह कोम लोभ लाहं भलाजमुइ पडीयो गालो निवो
डरा वोंकाह नागडो निणोन आंला ५ सांपत समभें
नाह सोह को सारीया सगो ब्रइया वार तराह नागडो
नीर वहारें ६ दो रिनी तराह पारा धूं आवे वीयें
गोहा का गरीयांह नवेंत म्होंता नागडा ७ नागल
केहा नाग जाइ छावडें ढिवयांविन्नों बुधाइयो चियाम
रिसविंतें सानवतोगों ८ वार ताम वह वीर उजां
मतों उह टीया नाग गंगोदकु नीर तारिवो सारंग
नाग राव अत ९ सात श्री पातथयाह जिन्होइ वाले
अगत श्रीनवि मुंकी नाह तेंन विलहों नागडा १०

बजुं जे ताचार निकलत म्हीतों नागडा

आनुं उड्डाण हार जोड़ पृथ्वीयें नापलीयें

रल आपकाल लाोइ सरजी संभारे कों भइ

पीततोह मिलेह निबला घईयें नागडा १३

उपावें आंगालागाइ गलरि ततो गाजे कों

वरसे नेधा लाह : निवलीउपर नागडा १४

उनम धामी आतांगा; घर भीतर घाइ कथयो

विसर वाला रांगा नागडा कीयो निहारो

१४ नागडानवे यंडेह सगपण सांचन तोडीयें

शुइ उपा भमतेह मिलीयें जोमरीयें नहीं १५

नागडा थाई जो लाग कालो करंडीया मांहलो

मर आंपांम बल जो आग जातें जागवियो

नाडी १५ कांबल कमलो करेह उठेवी

अदलांतली नीगमीयो नवलेह जानी कुंजर
नागडो 16 धिगे थो वारांरा अनिनर
आंरीधित लहा लीयो पाग लीहवान दांरा
तिगाम नहो वें नागडा : १८ आरके एक जमा
ह नाहेत हाले नागडा डुरडो नहीं हीयाह
वह मंडे विकायताले १९ नागडें निघंड
कीयाह कारि नाही युं कंटारी यु ! घाएघरा
तनीह नागडा नमता विहारी युं : २० मीलाग
नगले मिलेह नागडो नीर वहारीयें यवतें
वनं करेह की कीही काजा लगो २१ नागनि
हांमी जोइ पल गज पाथर थां लगें कारन
पायें केइ घंघे पहले धमलजत २२ वालिने
वेगडीयाह क्यूंमतीं उपर मरिगचा वाली

जला ताणिजिहीम जोह नागडा नवली बातें
२३ नागडा नमीया जेह मरतें तालार लामर
सा तें मांनवी तिकेह बांधे विलागा धामल
२४ पें मद छूंण पांरा सींगालीया रसुत धणें
गा नारि लिरी ज्या पांरा नागडा नवलें वातें
२५ वय कल गुणें विलास नथी तम्हीणे
नागडा रहीतें की दुरलास सापें सांवल
गुणा तणें २६ धाड तोह पांव धवे इनागा
राजा णकुं जाचीयो लोहा तणीयुं लेह
धो कुं धोर पवीत्रीयां २७ इति ॥ कांन
धो ॥ ६० ॥ तप दाव
छत्रसलोतरा दुहा
कांन्हा किरसा वालि तणें वरियाली

यन होइ सूरज [illegible]रावउत: १ ज्योति

तोइ ज्यांक वारो वेगडहे धरती राधा नकाडूं

रांक सवलें सत्रसल रावउत २ जोसी लिजा

लेह जोइ ते केहांजके देव गहीहाउडे संचगा सत्र

सल राव उत ३ न कई न कम धज नाहमाया है

मागी जतां सूयता वटे लीपाह रीम तसत्रसल

राव उत ४ हंस लिये हर डोरा जाइउडतो

न खोलवे कोडी चाके कांरा रामपेस सत्रसल

रावअत ५ तोवि सूज संवाह वरिन कयुं वाचाइहें

घर चाह जांतराह सत्रपो सत्रसल राव उत ६

माटी जल मिल ताइ: ऊपर जो लिखीया

प्रबल चतुरन चलस्यें नाह सुख दुख सत्रसल

रावउत : आपणापो प्रीत आंणवेह
रीतोवये नही करनत नांगा करांन सारोस
बाहल रावउत ८ रात्रसाल सूरज काह
कूडांहि कारांगलगे गुरु पाटली मिडाह
रैही नारिडमल रावउत ९ बेर जमांह बलोह
डुई लाइ आगी डुई करि गज मारग लार
सांकला सत्रसाल रावउत १० कौन्हा कांहो
काह मातो घाव छांतगा पडीयो पंडू आंमांह
सौह कास सत्रसाल रावउत ११ चू नाम छ येजोह
डूंगर गढ दीजें नहीं चांगरसी पुरवेह
सोहें छत्रसाल रावउत 12 कान्हा [illegible]

धरेहै अगोधर सकांरावें भल उलीगो कोलो
हे सूरज सत्रसाल उत १३ नरिन्द नायाजोह
३ लि श्रावें श्रावरतरा मंडल कमरसातेत
सुतरशतत्रसल राव उत १४ कांन्हा कटी
कीकेड़ कांन्हा ही कै डैं करक नित मारःश्र
नित भेड़ सोहैं सत्रलल राव उत १५ दीना
पावें दोव श्रंगलावें श्रपजस तालो तेतागमाता
सनेंन सोच हरगन सत्रलल राव उत १६ श्रवकारे
ज श्रांहराी याह श्रारी श्रेरावत ताली मांलाइडी
यै मुकांह सत्रमल सालि श्रावें नहीं १७ बुध
कारे वाधार मेघारग तारों मंडल रा मडिनालोनह

…हेंन सातालल रावउत १८ कुंलो रहे पाइ सबलोसत्र

सल राव उत मांनव मृत मिल ताह सुसबद सरजीत

करे १० मुस मंडरा मनाहे : गारीअत नगजा ते

…चल राव ताह सत को सतालल रावउत २० ग्रपसों

ग्रापवाग्रांह सडीयां सत्रसल रावउत भूषरग मांरमा

ताह रेभाहे हेकद्रा यारा २१ तोनीजूजल वाह नीरन

काय वायां रहे घारघाह जांतगाह सत्रधसुलत्रसल

रावउत २२ इति ॥ ॥ मंडली कसत्रासलोतर कुहा:

ग्राईयोग्रपातीनाह मांडणनरमेलगायगा: वेदरबंना

हणरानो गमण गिनारे नाह : १ जो नेहलरविवाह

गाकूंगमनांहरघारों ताइरेहलकुरांह मायेन होवे

मंडली २ दूबलीयुंदीठाह पासलोग्रपाचारा

… मोइयणराह मईयलउपा मंडली

मांडली ककांमवेल रिणारहिस्पेरे रातांतां छूटी

नाहूं छेल : सुवचन सांपजतांनही ४ पांती तुं पाठेह

मंडायें मंडलीक लोग बीजांजिमबें तांह अंतर आरो

वों नहीं ५ दहोदिन माबेह मंडन वहें बुनीयायो:

ओलें राब अखेंड तूं मे वासी मंडलीक ६ तोविनवें

विण गाल आता आता उतारी: तिया रहीतिण

गाल सामी सत्रसल रावऊल ७ तेरा तोडे

रांगा बगा भरीया बालर लाग अजवील सत्राथांण:

मोदलो से मांडली ८ तिलही तिडकोनाल

चलें जचूडाहा घणी तिर सामलीइण लागह

माथी उंधा मांडली: ९ परीयां लग

प्रमाण रायवजेराबें नहीं तोगइतनाणा

सूनां सत्रसल रावअत १० पाबें सोभ

तारीर सुंदाहैं सामततणा: जोगा वासविहूं

णा वीर किरकी मंदर मंडली ११ इति ॥

दारु स्यांनलोतरा दुहो : ॥ बेटी देवै राह

दारु वाछा लोहैं दाणी कुल काचडीयो नाह

पैं स्यां पणा स्यांम उत १ जाहल बहल चडु

वारण पांगरणे पात्रां तणा - गुणि राचै जुग

जांणा धुल नरांवां स्यांन उत : २ पारखीयां

पत साह कारणा तो एकण कुंवा धारवो ढोली

मांह पिया स्यांपवो स्यांन उत ३ धारु धमल

होह कीरत धवें करावीस्या : काढु कपण

तोणह उचे स्यांनल रावउत ४ सगुणन लंमीह

ताढी चढावीया नांम निमूल गया है

तागा खदेवा खांनउत: ५ धार नाना धुंनेह
उजें खांधारो थियो जत्रवट तागो खेवह खाग
उडारे खांनउत ६ सिवि सिरजीयो स गाढ
दूं धाने ता धारुवा सत साधो धायाह दूंठा
डेवा खांन उत ७ धारे धू धूंकार खंधधारो
खाठे पोहर दूं दीनो दातार उंचो खानल
रावउत: ८ इति ॥ उंनडरा दूहा ॥५०
उंनड खासा ढाह पालउत पालर जेहो बीरो
दक बाराह मेले काइं मीठीयें १ उनड़ जीतं
खाढ उभो खोढा हाधाणी: कोइ न लागे काढ
लीछग लांमा ईतांणो २ उनड खारंभ रांम उके
भांजण दाल दहरणा खासासमे पुंजीयां जो

- ऋ म दीठा जांम ३ ग्याथांउनड ढाल ढाल
ईतो ढालांमणि सोना न्होनिढाल ग्याडी
गोलांडे कों ४ उनड गाम वा पाह पडघु
ढाला पाल उत तुसार म हुजें जांह हा बेढलां
हा घणि ५ उनड लयणा ज ग्यघ३ नारत्ना जिके
पाचंत चणा दीठादीह घणो जणा पाघ राघ संत घ
उमा इन कारेय ग्यलत पणों उघाविख्या जागे
जाचणा केय दं गुणा कारे भीम उत ६ देत
घणा दीठाह देलपति दीठा चणा सोहकोर
हीयो रमा ग्याले उमा काह ८ उनड ग्याघ
हार निज दावा का लांनवो दीठाडे दातार
[illegible] पहणा पालजित ९ तो [illegible]

जाउ दीह जदीवाली जि॰ सोमसुलं भो थाइ

सूं मरोति के सुहांमीणा १० मन मेरगिरत

गाह भमीयो तो पावल भमें पंथ न्यालो ले नाह

सू मरा घर वहारे ११ उनड. थ्रापण हार निज

दावा करस्यां नवो दीहाडो दातार थीये त्रुरांणे

पालटत १२ उनड उली सेह वंदण जिहीं

पकार के टूं धासीयो धाोह त्रिकूं राजो

हुवो तिलक १३ उनड. एकज कोइ मन

होवें मांगण ताणो जाण जाण तरसी जोइ

प्रीत न होवे पालटत १४ उनड सायां रतन

हो मुर मांगण केल भंत: थापत उपर थ्रपणी कीदा

उ वाणन १५ चढीउं चाउ संजोइ उनड..लोहडो

-ना ग़ाउ जल बज जादम राव मेहा मंगल ठौड़

१६ उनड़ मलीजनमीया कारण मंगण हारथ

न दि हाडो धन घडी धन मुहुरत धनवार १७

सुणीयो ताहरो भाग श्रवणे ताहरो सूंमरा परण

वाय धारीयो वालो डांगविलाग १८ नित

धुरें निताणा कुंजर मारसी युं करें श्रध

पीत तोन्हें ओलगे : सूंमरीया सुर तांणा

उमर जायो सुमरो लाखो जायो फुल सूरज का

समयजो ओलीनुं समफुल २० इति ॥ इन्हें पीउ

डेरा हुआ ॥ ८० ॥ मागलजाग मिली एह जाउ

उतरें इल्हीया । मुंहते मेला वेह पीउडा.के होचडें

... सगा दा तार-अभा पनराई लगे ...

नांमों चार एक एक तुहालोइ लीया २ लोह तां

वहिलर थाइ सरीर माचतुहाइलें सिलमिली या

तिल मोंह करि एड्रंधारे ईल्हीया ३ पडलीगढ्या

पापांरा उंचो अन कारां ताग पडवा पांडे निवांग

अपड तुहालोइ लिहया: ४ उतरचा गांद बेह कारतर

बें ठोर हें सकेनाती चढेय एक तुहाली इल्हीया ५

हूं तो जाइं लाह बोंतनर वारें जिही भा लूलबु राह

तूं उल्हांगो इलीयाद्ध राज कुलीरी रीत वयांगवी

बांरागा कां चोउ ओवड चित इल्हीया अपडा भोवे

६ जे जूल्हे गाढजात चाडालरें लें चढें रेयें वाल

बदोन लोउपगारे इल्हीया ८ फाडे फडह डनेह।

विचारे तीरें बांधीयें कांइं कृपाण

राते आंनल रावउत ए पुरी है पछतेह जगत

हा लो जेहवो दिखाडो दावेह एक तलाघो

इल्हीया : १० माछां नै मुगलांह अंठरए ताइल्ही

या कादमसे जीवाह जाते जलजीवें नही११

हीत ॥ रांगग देतो लंपरी दुहा : ॥ ५० ॥ आत

मथ्या आहलाद गुरु पडीया मालेडीया लोलावें

कोइ लादरजीयल रांगगदेव को १ बाकारीया

न जाय विखारीयो न विलरें मुंह आगल मुंधाय

रहीयो रांगगदेवको २ खुलेंज पछ पछे यतें

कुंहार वियोहीया मायातर खलेयरजीयलरांग

देवको ३ अति डाहां उचार अतकालाउल बांगल

पामेन प्याउ ५ सोरठीयें सावल साहतनवा
जुलों विचालीयो नवने वजाने प्याइ ढाके रहीयो।
घामल उत : ६ वाले वांगरायेयजा धारख
रलो नही रही उंरि घ मांडेह परी जुं भांजै
घामल उत : ७ पाच विनती पठांग्ग जे वडगोरी
वें लाग्ग कोइ प्राजापत प्रांरा परीयोनोयो।
घामल उत : ८ माथा घडे जुकाह कायारी
मांथे करक वेलो विरषतराह ढालन टूंकों
घामल उत ९ बीडा बुधाहलेह पाधांजुंढाल
मलीगा : तूं रहीयो रेही लेह किरी हलाहल
हरि घामल १० वलिबाघी बीडाह लोभी
डांगई कमाग्ग टूकाीाहे नराह डालीवरी

ग्रांमी अंबार मरेल मोमनत्यो मांने नही बडडू

बोड करे ह : सची यल रांसाग देवको ४ इति॥

॥ जनेहरि धम लौतरा कुहरा : ॥ ८० ॥ रावीदोस

विनोत मंडीयें दोसारी जिहरी जासमिली योजी

जाह घरनें उतर धमलउत १ उत वांग ओछी

नाह करमोकटारी ताणो वेलो बिरषत तसाह

छोलन दूको धमलउत २ डूंली डूंगडीरा ह

उडवीयां अहवी ताणा ताभासीगणा के यतेयो

कारें धमल उत ३ करपें काणा छाधियोह

लोषाला जालू जिहि रावें कुहडत गाह धजी

पराइ धम उत ४ जोइ बेधीज गवार थइ धूल.

हडी धमल उत मूछां आषराहार निजदानी

र धवल ११ इति ॥ उकारा दुहा ॥ ९० ॥

ाउवरी योह जो धारना चवी योह नारी सउव

ह धारि दिन्हो उवरीयोह १ उाउवरी योह

ीसंद फकीयो रात अंधेरा बिच मैं अटो

री योह २ उछा अद तारांह नाइन की उवरै

ा अनेरै वह बिलै नीरवी योनरांह : ३ लोधो

टंतरो इग अ वरउछाह सुइ वाग मलीन

नै : कुल विना मांग सकोह ४ उछा

ारा तना : जासी नांम निहर जांगपंकै

ा : ताली हडी नवट : ५ गुम परि धोरै

ाहा पारि बोविंद मुइ विना मलान

नै कापिहान लुरीन इंद ध इति

॥ बंधरेंरा दूहा ॥ पमाररा ॥ ५० ॥

रागमाजलारी मेह ताली ताकवि रयांनहीं

निवजकरी सेंनेह बांधराव बीजोंमरसी १

न करा नेहाचारवी जोरूं वेते करें रहरयां रांडी

पार बांमणा जेही बंधरा २ करें न बीजी

कार लोंछणलोंमाइतणा बांधरावरतो

बोलीये जे लक्षीयां सुहाइ ३ सीहलुं मांमदराह

वालम वदनत म्हीरांण पींचतिचिडी तर

बंधरा बोरहारे ४ दूधो दुहाइतेह पूरा रूरेउतरें

पांनपली रसतांह कांजन होवेंबांधरा ५ उलांमर

जुंझार बीजे जाइ कृपाण ताण काडूं ताहें

सियाल छुपकारीतो बांधरा ६ मन तणी

उबेल बंधो रुघो वं: रा: ६ दीहाडी दसबार

इह रारै सै ग्राडवी पछवडी पमार हूं बलहारी बांधरा ८

कुजळै सुजिलेय वयाग जंबा धोधी यो कुछिजन

कुह धरेह बांधरो तिन क्युं बोलै ९ इति

॥ वरनारउतरा दुहा : ॥ ९०॥ नीजालीतें नेंल

वीलीजिमवळीयो नही मुछु मरिरा यारेस : कांइ

वरोंवरनारउत १ वा स्री गहें विहिराउ पडधालें

पेडोरहें मरिरा हूं ला मापाह लेविलतौ वरनारउत २

ग्रामाक हुंचो जाउ करवाहें काळी धाती तारा मंडल

ताइलें विलायें वरनारउत ३ छिरीया जोरी का छू वा

जंता वरनार उत मिरका मधार तराराइ केरले धरीया

कमल ४ कडबें करडें बोल वर [illegible]

पडीयो कांन कसाव वाउबीवा कारतें
मुष कीधो मृगराव वलीयो वेल वगारउत
द समुद हसांक करेह ढीलर गुड़ चेले नहीं
मांरा कमंग्म करेह लेविलरयं वारगार उत ६
परबत पांडीलेह रांभी डेघ्र कीयो कुनी
।। तिन पाग भालेह दोई पष पुजाग सालउत ८
इति ।। जेते पुगलउतरा दुहा ।। ८० ।।
जेतीयो मदई मांह वाते चुगलांरगा वहे
तांनी रतिनरांह पिलिगांके ही पोढला १
लूं वार वीया वलेहरांघ वेलेरं आपरि रांनीषी
बोल बवेह वील वहारे चुगल उत २

रिा धायें राठोर पुगलां री तिरी थी थया ३

डे संगम पुगलां राठोर तम्हीरा जैसीया:

मन घरीथांह ते पीलेवो पुगल उत ४ लती

तोष गयांह आउतां रे झरपी लगे भागल

भडाह पहान कीजे पुगल उतर कैहवे

रेह उभा सीधे ओला वालीवे चूकेह वयो

उ वेवे नही ६ इलि ॥ अथ राजसान गरारा

॥ ९० ॥ अथ पर अजगो होय दालद दौन्ह

गो: लकरा विडुरा तोइ रातिन भाजै रां

तोने बीजा मेड अतरो काइ अतरस पा जितो

जोइ रीत दिवस दिरा चीर उत २ धारा

दीवां रा तो बोली तू गिमत तीजे ते लेंऊ नरांह

घडो कुहालें और उत ३ चेले देख लिया रहुऐं

जो जोला हा तोड़ लतो संसार घडो कुहालो और

उत ४ मिलमहारस्ताओंह रूपमी पो खोजा रोनही

पोरलताइ पतलोइ धरी दीठो और उत ५ मंड

प महारस्ता मांह कुलमें किर माला तोगा दो

रानरें पत साह सूद रजे रिसां और उत ६

ग यंद घडा विणाझांन : सोनगरें संचारी या : रोमें

पाछेरांन वीर धरा छोव जती ७ अबई आंहा

ताइ ऊपर दलउमात्रं करें मंगलम यंद तराइ

धका वहरे और उत ८ पीसो पिजरी पेह

अंतावल रुलतीअ बोध वीसा धालेह घरतो

सोहे और उत ९ गज गुडे विणाझांन रचांको

फलाफाटें रूपमो खूरो करें तनांन

तीरथ धीर उत १० तूंनां बेतो बार जरी फो
जां उपर आभा निगहिकैरन लीयार चतुष्प
विबूटा धीर उत ११ तूं चंचल चटकेह उभाडें
नांधें आभा: किलबतां करकेह चुकलमोती
धीर उत १२ में मछर पठेह काठे जोड
के वीठरा अधर असीया लेह तूं धारा
ले धीर उत १३ अरि महलां उपार आवें
कर जोडे अ बीता भोगव भरतार जोधीर
दीये रिरा धीर उत १४ कुरलंतो फोजाह
ठोलां गयंद ठंठोलतो रमीयो सिरसो
द्रोह धोकड कवडी धीर उत १५ लोभी
हिरसां लार रवंत रडा वें नहीं मुकातां मारसा
हार आहेडें अबेराजीया १६ पोठा मरसा

पलोइ आलीयालांरो नहीजोडे बेठोजाइ राम तरो

रिराचीर उत १७ अथा अजांरा अमेह मांगराता

आवे मिलो बालंतर बीजेह रयन होवे रिराचीर

उत १८ लो सरिसा तवीयाह अबइताअरथेअथाःवा

इक वहलतरांह घरनह पइयांचीरउत १९ अनिने

तूं आचार - रक कइथाइअथाः तागोपलोटापाइ

घावलिन होवे चीर उत २० वोहइनिदांरागीत कु

लमें जयदराबां करें लाहरेतुरीवमी रील जोदघा

धूसा चीर उत २१ तुरतोई जाइलिआंह दुखदोरिमधा

पिमजुरी जोवे दिसिजीयांह अमी मो लोचन अखो २२

इति ॥ ॥ गांगे डूंगर सीयोतरा दूहा ॥ ९० ॥

वेर हरां सिरनाट नाजंदवाअंग करें थहे विडंव थाट

जेगढ महल गांगड़ो १ भिडते नवली भांत बिजड़ा
मुलडे बुंचीया ग्रेढ रिण गलती रात जेगरा रांग यीत
गांगडो : २ च्यारे सीम चरेढ रांउ किरढीनसं
कीयो ज्वाडे प्रिसरा गलेढ जेगड कीयीत गांगड़ो
३ डूंगर उत दलेढ डाकी भाले डूचीयें बाटे
मांढ बलेढ जेगढ कीयीत गांगडो : ४ बीबी
लेले बाल विढुंजीव बता बिढती चाढी चांभरी
याल जेगिरवरेत गांगडो : ५ घाती उर बोडेढ
वाला तणी विढारयुं वांढ ण कुंवर गेढ जेगडडी
यीत गांगडो ६ जालोरे जम जाल रां राढी
ज्पाडी रहें कीरि साहे कर माल : जेगुजारेत
गांगडो : ७ मुड झालोरा भाज सीरोही सुरा चंदा

अंबर बहांप्राज जो गुरु लीयोत गांगडो ८ दीजें

बलांपां दलाह साकुर सुरुड तनाहजै डूगरफत

गाउजवो खिवसी बाग बलांह ९ खिजडाबेरुडेह

बाहाले बेसारीयाः गीम्हाग अरि गरोहजोग

हबाहंत गांगडो १० सं ब अलावे तरफेबाढगपा

गे डआं दालबीवरलें डार जेगडवल्योत गांगडो ११

सर पजिहीं सुह डाह वेंरीयां वीर महरोम्हडपे बाग

जडाह गुरडत जांरो गांगडो १२ मांराकरे मेंमंत

चढीया ताइ बंधे चमर कुसलन प्रायाकंलजे

गोडीयात गांगडो १३ कंता कुसलन पावीयाः

वहीपाउजरवर अरिनांबेउहालिजल बोलेजालो

रीयां १४ डंदवले आगगाल: जे गाजीयात गां

गडो १५ इति ॥ काछिबारा दुहा ॥ ९०॥

तूंबे गडो वागार धूर जु पे धनराज उत जुसर

ताणी जिम्यार काछवा कमलतहाले १ उचारें

अधियार जाइआगारें उपजै दिरणीयरचंदर

बाइ काछवाकांनीप्राया : २ रुपइयारन

माय कला आंसों काछवा तडकोला छोलाइ

बालीवाट तम्हीरी ३ पांसी मोह नवीत उजा

ले अंबर लगें : पछें कलीवड चित काछ

वा कमल तिहारें ४ नहनें काटेनार पोहमी

परथी पछे वाला राव विचार काछवाकल

ओं केही ५ जास कांजग मल कांह बलाइ बरसारका

... हरीना तांह काछवा कमल ...

काछवा कुलडो कोइ करतारे मुको करे

निजवालहो न होइ विडवालेहा वरगारउत ६

॥ अथ सुरें मेहाउतरा दूहा ॥ ६० ॥ आंख्यां

तरणा अहीर सेंनजिके समझें नहीं वातां

त्यां सूं वीर सदोन कीजें सूरउत १ कूप

डि कुरीया किसोर तल सीरा तूटे गयो।

मन में वाचें मोर सादत म्हेरिण सूरीया:

२ उदमदीयाउण देस सुवस वसीयो सूरीया

पंथी परघर हंठरण कलनें करज्या वेस ३

जोगी तणी जिंआर अंधोलें षप आवत्यां तूं

विसर लिसाआर मनरूप म्हीरणोमेह उत ४

राषडु ग्रविलरि सरं ग्रवली उपलताह

जीहनजाकोरो गाँ तो हुंनाटलताह मिरड

कदीजें मेह उत ५ कोही ताणि कलीण

तास जे हू ग्रंतलें तेलाधाविण लीण मिनन

कीजें मेह उत ६ ग्रंगुल ग्रंगुठाह हूंग्र

ज क्यु भेलां हुग्रां तोसूं तेति लीयाह मेलग

कीयामेह उत ७ जोगी जंपें जिकार ग्रां

गाण विचडमो रहें तोसूं लीणवि हिराड

मिले सकीया मेह उत ८ ग्रमांज

ग्रालसू ग्रांह मेलो मंदागिण ताणा

कौह नांमी बैठाह माहे ग्रावें मेह उत ९

सूरीया जां सू लोस मनि कीजे मिलवाताण

नारी [redacted] कवि थारोस माहे आवे मेहउत १

सूरीया सुगाण जहोइ होरो इनह कीजै

छिलो अम्हेतं म्हीणा लोइ मांरास हुंता

मेहउत : ११ हूंता वसें विदेस पंजा मां

यां बां नही क्युं कर मेलो देस सायर

आडो सूरिया १२ सूरीया हुंता कोइ

मुह-उपर मांमल करें सू आंनरो वें कोइ

सैण विहूंणा सूरीया : १३ मोमन मिलें स

काह- मिले समन मांनें नही सारीबं

साथा हता साधमरे वा सूर उत १४

... संदेसेह ... आयो नही ...

युं करेह मन उंपर ली मेहउत १५ सूरीया

सर काटुंह इटुं दीजै ग्राडीयुं: लालजा

उंमटी युंह बंघडो कोइ बामें नहीं १६ वह

अवीयो विदेस: परबत था पांणी जिली

मन लो मिलि वारेल सारीलेजो सूरीया १७

कुट का कालज काहनेह जफाटा नीर जुं:

फिर कालज काठाह रेरां विण खीजो

रहो १८ गुरा रस लाणो गुरणाइली घेजाइ

लुबधा नह पुंछा पखीण पाइ मिलिये करता

इ मेह अत १९ वीकम बाधि वाल मा वा

उपर मेह उत ग्रुण संचता व पाले संचणलिल

दे षेनही २० ग्राल वला ग्रघरास मन टूंतीण

मेह उत सासत म्हीरा सास भेदा लगर
लिया मिले २१ ग्र पर वार श्राधार मारण रा
मिले न सखीयां ग्रामीयां न तूं पमार
मेह उत तुम्हां मुहडे २२ वाला वलीज ताइ
श्राछे रंग श्रलजा तणी तोपूं पडी तिकाइ
माथा गुंथणा मेह उत २३ सूतीया जाले
सोस मीन कीजे मिल वातणी तारी आनी
चोरोस माह श्रावो मेह उत २४ मानिज्यां
दूज्यं जमार लोही तांले बेचके सुधा बाहरा
संसार मांचो श्राचा मेह उत २५ ते सुधछा
क जीयां उतरी श्रणीयां मुहे लाई चां पहे
न तांह मदही पीयां मेह उत २६ जुतेजं
बांधा तणाह गुगार महा मड मोडीयां: श्राणमर

युं करेह मन ऊंपरली मेहउल १५ सुरीया
सर काटुंह इटुं दीजै आडीयुं: भालजां
ऊंनदी जुंह बंधाे और वाभीनदी १६ वह
अवीयो विदेस: परबत घाघांति जिली
मन लो मिलि वारे ल सारीलेजो सुरीया १७
कुट का कालज काहनेह जफाटा नीर जुं:
फिर कालज काठाह सेरां विण सीजो
रह्यो १८ गुणरस ताणी गुणाइली घेजाउ
लुबधा नह पुंछ पखीन पाइ मिलियें करता
इ मेहअल १९ वीकम वाघि वाल माघा
ऊपर मेहउल पुण संचता वयाल संचगलिल
देषे नहीं २० आलवतां अधरास मन दूंजीतां

मेह उत सासत म्हीरा सास भेदीनजर

लियीमिले २१ अ पर वार अाधार मारवरा

मिले न सखीयो प्रामीयो न तूं पमार

मेह उत तुम्हां मुहडै २२ वाला वलीज ताइ

आछे रंग अलजा तणी तोपूं पडी तिकोइ

माधा गुंथणा मेह उत २३ सरीया जालो

खोल मनि कीजें मिल वातणा तारी अनी

चौरोल माह आवो मेह उत २४ मनिज्यां

हूंपें जमार लोही तांले बेचकै सुधबाहरा

संसार माचो आघा मेह उत २५ ते उधछा

क जीयां उतरी अणीयां मुहे लाई चांपहै

न तांह मदही पीयां मेह उत २६ जुतेज

बोधा ताणह मुगट महाभड मोडीया : अणमर

॥वीदे भाटी मुंगलीयेंरा दुहा : ॥ काइर
लिये सकोइ परसे पालत्र पारका : बिरिनबडी
यांसुं वाहरु जेतो कहेल जाइ १ उंकंधकार सत
हास वीदे नहवें सांम्हीओ कहु के के कांरां
तातो नल पारवेर नासर वीद विहांरो वातजां
जोपे जाइ स्यै आभा गतल गांभडां धाक्रपांए
हाइ धात २ वीदो वेरहरेह रुडौ दीतें कंधीयो
आद्ध जांगक ओलीयो रोवणाररसकरेह ४
तिर लेंह म्योमसार रोसीारो पमराबडी बीदडा
वाली वजवजी निकुंरायातरवार ५ अरधांग
पुछिम आध कसतुरी कापुर का तोड्पारि-
वीदानतां पधारे सीपाध ६ नागर वेलने
वार निडरीनार निरे हतां वीदडा वालीवज

वजीत्रि हूंरा या तरवार ८ माता पर्बेह
माल में लो कुपो सहसमल वीदडो लोहे
वाजीयो ७ करीयो अवदाल ८ वीदडा
तो सूंवाग अरीया आया आवधे सुह-
वाता सोहाग पलंगे पाधारी नहीं ९
वीदडा चाव वहतेह मिलीयो जातूं मारका
नारी लीह नरेह विलसी बोलावीनहीं १० ॥
राव गांगेंरा दुहा : ॥ ९० ॥ गंगा गंग
तरगाह निमाल नीर वहारीयें मुष दीठा
मिलताह वो पुंचुडां हर धाम १ दीठो
परतष देव जाणांग दूं जोधा हरधाम:
गुरा राजें गंगेव : विडंबन राचे वोधा
उत २ कामिया कुलीं लरागार गंगातो

ज्यांरो बाघउल ३ दादर दूरन होइ काहूं
गुल जांरो कमल अलियल अलगीतोइ
बासन गूलो बाघ[illegible] पछे जचो रंगवार
करहैं कुल कामण लाणे तूं जांरो ले
स्यार वसुंन जांरो बाघउल २ दिन
पाषें हीलोह लिलाजन होवें बाघउल तुल
घी तुरकुंतोह अांगण कोइ अादर नही:
८८ ॥ [illegible] उक्त : ॥ ९० ॥
मेदी मेद मछाह जोचें जीवे कुंपयुं तें मरण
हैं मुरअांह सोहलूं सीधल रावउल १ सी
धल सूली दोय चल हूंताबाटीबीपुंपीचर-
ले पाछेह नीकारो नेंनारणअल: २ सीघल
सुभ व्रहतांह अाडुं अोडनीयो नही काही
ज्यूं कुदवाह नाग [illegible]

चार पुराल पासोहव पाषंडताणे मम्कलांछु

मिलतांह सुध कोव सीधाल रावउत रहीया

हूजा रांण भावनरे समाणवतल गोप्रछतल

पुरांण सूधा सिधाल राव उत ५ धूंवर धरा

नहोर नेपतिहेंनव षंडांलीण वरधारितवातलोर

समीया सिधाल राव उत ६ पीहाणो पाषेह

प्रवरेनह सीमें प्ररथ रहीया भोज माणेह तव

केती सीधालराव उत : ७ वाधारे वापार छो

धम ठावाजी ताणो गोप्रछतल पमार सासत्र सी

धाल राव उत ८ काठ सारे काज सीमेंनह

ललिहर ताणो लोप्रा धमीयो प्राज लीस लीधाल

मक्रिलामें मिलताह सुधि कीव सिघलराव

उत १० नाघ सतूं निरलोइ कलकलतोलेवा

कथनन चवन मेले कोय साढुं सिघलराव

उत ११ मेले मेलाण हार विहा पतूं विहरे थयो:

लिखत्री लषदातार सरसत सीघलराव उत

१२ भोजज भाग तागाह राआरे पडीयीवह

ण वडह थयो विवनीह सुतबद सीघलराव

उत १२ इति ॥ अथ विक्रमसीघउवोरासा

दुहा: षेत विगाइ षाइ रांरोग रातोनाली

ख्युं डैंचो विक्रमडो दले घर हरीयोचाणघाइ १

इमही दाषि अरोदाउ नादुलानीम जिनला

वीक्रमडावयडा तणि देघड मंजाण घाउ २

जोइ कूरा ओसर जाइ विकमसी धाइ वा
जीयो सूर कटेर घ सारही सुसतोवागस
वाल 3 रुकां उतरा नाल रुकां आडांआ
वतां वाजें विकम डातणी गयंद अडावें
गाल 4 तिजडें छर तिलमाल: कुंजर
चीकर तो करक वन घंड विकमडें तीगै
गयंद आडावें गाल : 5 करतणी मुंकर
माल धापोरें बीजें घरस बलके विकमरागी
युं। नह सना घत्र माल द नांमालगन गहेठ
सीधुर घातेलाल्ह उल दीन्ही बीके डी दले
दोहें आजी देव: 6 जीव अलावे जाल बीक
म लीवे ढीमरोां कीधो करड घडा दिले लेक

रि कंध उपाड़ ८ इति ॥ सांगो जांगीना

दूहा ॥ ५० ॥ मउजाअीठन होइ सांगरा

जों प्रथीवीत घर ताटी उपर तोइ काउंकं

लेर चढें । ते कस ताके कांगाउपा घर

आपपतणा साल सलीया संघांणनाम दूहा

नीगांताणा : २ ढम कोठी लीकाइ माथे

पोल मांडव ताण चढतेंलो चढीया हरेवत

रा यां माल अत ३ सांगे सतरताणाइ मेवा

डें मांडव लाण : सठे रायां मालअत ४

सांगा तें सुरतांण बांधे नेली धाविरद बां

भीया बांभो तांण मेंगल जेही मालउत : ५

तें हाथी-घोडाइ भिडतें सांगा भांजीया ।

तेचूडागरचाड. मेल नग्रावें मालउत ६ ॥
सांझै ज्ञान परा छुडा:

॥ ५० ॥ सहनकताणा सआंणा परीसा पातल ताणा

तें राहवीथा रांरा एक कुग्रंताउद अत १ रहवी मेजें

ग्रीता ताल लीमति होदू तणे माथें कर मसीत : पर.

साद के परतापसी २ चोकी चीतो डाल पाताल पंड

वेसांताणी रह चेवा रांराह ग्रायो पिण ग्रायोनही

३ ग्रति सै ग्रनिग्रांरा पावें दोगद गावीयें बन्नजोएबु

मांरा रांराहनि रावांताणे: तेंवाही परतापसी

सांगज सुंवर रांह परें प्रजडी कुंजरां करवादल

कर रांह मगुर धर गेंहलो लांताणेचेला वंसछतीस

रांराराजारी सकहताभत कोड़ करो ६ पातल पाघ

प्रमाण साची सांगाहर धणी रही सदालगरांरा

माथे मंगल षग गोरी साबूतं तिजिम: वांट

कीयो जुह अगा८ पातालरांरा प्रबाड़मल

माभी लोहमराट दलमेगरा पाराव ताण:

जुहडे कीउं दह वाट ९ सूराइच कहें चांपा

चित्रो डाह पोरसताणे प्रतापसी सोरंभ अपक

बर माह अलीयन अभडीयो नहीं १० निगमनि

...ांरा तराह नांग द्रहानीरह जिली: रावत

वटरां रांराह पिंड अराबूट प्रतापसी

११ ईति॥ रावल तेजसीयोतरा दुहा॥ ९०॥

जरडी जगिदातार रा उलीये रूपकताण

उंची आगलीयार लांगी तेजसीपाउत १

साकुब सूरज काह आउ ललजेतीइला: रूप

क रावलीयाह तेतीजै तेजसीमाउत २

अंबी अभीभरेह रावलीयेर लीयालीउंभा

तंगजिरा मिलीरह ताढी तेजसी हाउत ३ अमी

अनेरे ठाह सारंगा काहूं सो भीयें मीटतुहाली मांह

नेपतिनव कूंडा तागा घरारो राजाराइ मिरम

विगरकी मांगीयें रावलीपेरि धराइ तूं ठें तेज

सीयाउतै ५ ॥ जिडेली दुहा: ॥ ५० ॥ घार

घडा संघार घट रूपी भागो पडो विजमलवीर

तिवार पारसी तोइन गयो पुरांग १ मतवालोमन

वाह धारा लीधातेघरी फेरी फारक मांह कीरवार

रा विजीयाउते २ भव लोह भार मरेह पोढी पुरसा

तन तीगी - के घट कूंति-चढेह: तें विसामोवि

जैसीया ३ जोवनजतन केरहवर सेवा धायोनहीं

मांजायो भलेह वैसीतो विजीयाउते ४

सांप चवी सांलगे वेल विलाली थाइ विलरें

तिरिंग विजीया उते घट उडबीयां ग्राल ५ गजा

गजंदी तरोल ग्राठी सिर ग्रावाडतो घडवीजी

घडकेल कांरती जेम कुमार उत ६ सिंधुर विहडे

सूर घजवड हैं ग्रांकी घरा: किरिते हथे सिदूर

कामण वाणें कुमार उत ७ तिलवट उपरलां

रा वार छीतुं उपर छत्री: मोल वीयो भुज ग्रांणः

उणें ग्रपरसीया उतें ८ वाही वांम भरेल: कूंत उभें

कुमार उत वलियाते विजड लागी कटक कला

ली लेह ९ घाणें घाणेरो थाइ दीठे दल दोखीताले

इंधा कंयुं ग्रोल्हार वे लंनर विजमल राव उत:

१० ईति ।। सांचालगानोतर कुरणः ।। ९०।।

सांगा तूं अब जांगा बावन अपबर बुझणो:

एकणा वात अजांणा नाकारो नगराज उत १

सांगा सारंग सोइ: कीव रूठा राबै कन्हलि

काजल कलंक न होइ नेत्र चढै नगराज अत २

सुंकीव तूं सांगाल साकुर दिये संगारीयो:

कान्ह क्रिपरा तरागाल घाड चूजे धनराज उत ३

सांभल तूं सांगाल कालरी नाकारो कों तो

सांम्हीवै [illegible] राल घर छोडै धनराज उत ४

बीहा रजत बाल लाडरीजोल [illegible] कोट दिक्रांत

कवि अंल धान ताणा धनराज उत: ५ जमवारा

लगजांउ भूथाणा ले बाधा भिडजलारन पलडी तांह

धनम ताणा धनराज उत ६ लिखि वातणोवकेक

(इउलांसं अचरज किमा अकबर ही [illegible]

को लीयें धनराजउत : ७ घर पार के घरे है
गा किम थाये सुषी : मन बीजै मनषेह चीरें
म धन राज उत : ८ रुडे दमां मारो ड. लाहु
सांभली वै लगो तै जो लरगना वे जोड. धडता
के धन राज उत ९ : ई // मूल[illegible] दूहा :
०॥ काला ले किलवेह साले सालवीयो नही
जवो मछर तणो हु वेढें भरीयो वांच उत १ भली
भलां नरां ह लां मड्या लीवांनरां मूलवा डूजा
हु वाला रहसी वांच उत २ मूलवा सहू ममा
ना षां सांमा ननीरद उत रूके कूं वार
जे हो लारे पितर ३ गोवे करु वहेय पांणी
ड वेला तणा : मूलवो मा लुर ले यह लिलवट
चरीयो नही ४ पिंड अुड बिरद ए गार गाथार

डुइ पड्यो नही घसीयो सांम्ही चार मूलनो

माछ वहरे ५ मूल वालो हम राड् मलांज तूं

भागो नही भागो भांगा चार पुरषां वाटन पदम

उत ६ चत बोसरुं करे ह मलांज तूं भागो नही

केहे कंसारे ह पालटीय तले पदम उत ७ ज्ञा

घसीयुं रुकार मूल बाजाइ हेमरे बीजे जोकरि

सबीये सर बोले संस -२८ पिंड पालधी करेह

सतनायकतो बलतोगि हरिजिहीही डोलीये मूल

वोमोड बंधेह ५ मूल बोलो हमराड् चलीयां

पांइनी करी भागां तागा भार पुरषां वाटन पदम

उत १० भागो सुजि भारथ पुरषज पाटलीयो

चमें मोभागे मुलक है कलिकां सारो नाथ ११ बेड

हूं बीजामरे मूलवा मुहरथ कांहज्ञायगा

आयो का : साथी डोंनहि लांस है १२ रीत ॥

॥ पलें सूडेरा पहो ॥ ६० ॥ माघे मावि ग्रोलज

न्म लागा कघी वरजिको सूडो सद पातोंह

पालागा हार प्रतापती १ सूडारह सोम्केह आसा

तर उजेणा का वीकम पधा वलेह पें आवीयें प

तापती जें तो गाड जिहाज : सूडामार समायता

रतो अंतर आज पनवीयां प्रतापती ३ पालल

वामी पास जीमरियायारो जगल रेरां वाली

रात पोले नो परडाउले ४ अटकु कहें आया

कटक लपा बोहलेलोइ सूडा पातल सारसा

सुराषा न रीम कोइ ५ पांणी वीयांतोइ वेरी घा

वीजां तोणां वीरत के कोंनोह तें पाताबीचर

उ उत ६ मह महीसुं महलेइ पोइ विति

इहीलूं सूर सावर वासस जोइ चंदणा जेहीचरउ

उत ७ ईति ॥ कांमणा ॥ दुहा ॥ ९० ॥ वारा

बीज लागाह अब कामां मणा सीह उत सारी

बुलीजाह परीयछ तूं पेरमघाणी १ चारणा

चालू कराइ उप्रांगराजिणा आठे पहा

त्रिणलेल्है तराय को द्यो कांमणा सीह कोर

तूं देता सविदीह वीधाउव बांराग त: टलो न

टालुं का री झगडो कांमणा सीह ३ मांनें

लो मिलीयोह विलगो वालीमातणो जुगेन भाजे

जैत त झगडो कांमणा सीह धमांमणा सीह

जुगेह दांन न जावें डोडीयो : लिवर तणोजाण लां

... वाडी थूं वगेह ४ चो घडीयोजकताह

करि दिसी परसा प्रबीया मुं दी ओमिलता हम

हल मंमाण सीह उत ६ ईति॥ ॥[illegible]

हा कट कर साछे : ९० ॥ वालोर विसहर डं

णो छावो साट लोइ लघुवेसा इरह ओइ हर

जिन जाणों कोय १ रसा रह चीया मरो इरो ईजर

छाडे गया : इरा घर आगा ही लागे मराों

ंगल होइ र राठोडा ह कुलत्रियां सयल

पग्रव वहां मरतार न भजाण नह भजाण जाणत इ

इणा गई अ पुत्राणी पुत्र तरा ओडेय विरत्री विहे

पराइयो : विजो जायो जेय ४ फासूं कुं

इल पहरती बाली रह सहाव पंचइ

दीनी गेमरा तू टोलं कम माह २ सील न

छेहे चंद्र बलो न जाणों घर विध सह सांझे
एकलो जाजा सहस तां लिध ६ सीहां पाधर
पोढी या पोहरी केन पडंत आपणा सुए नि[illegible]
हुय लषण तोइ जागंत ७ सीह नर तोइ गणि
लें सहस सुतां को तोइ तणां छवीडा चाल उत
गरवाग डुबन होइ ८ छोटी कोतर बहोत
गुरा मलें गयंदां माण : लोहण बडाइ क्या
कों पुरषा नक्षत्र प्रमांण ९ कोतरि मसं
कलाई यी हीहा जरत इ यांह हेकाण हाथ
लगेहणों दंत डुहथा जांण 10 साइलो अपह
सभो बियो न कोइ गिरांति होक विडांरणा
[illegible] 11 [illegible]

डिमतगें गाजें गरब निसंक लोचंतांपार

घोडी तोइ केसर मन रंक १२ राफ महा

कह नीसरें रोसचठे अहराव घव पंषीमनको

परो : कीर पतंग हराव १३ सीहांलाहन

विसरें जाइ वाहीहि स्रोह सीहलकाइ मांगस्यो

जो रहीया कुसलेह १४ वीनि जिण केहरि

वहिगयो : लागी वासह तांइ औषड

औहिज पनडा : नचीनोहि रांगह १५ जीनी

जायत जाणे जस जाइ तडरीये : नाप कहें

विक्रम भजीये श्रीभगांमरीये १६ हूं बलहारी

वेलीया : भजेनंगरयाह : छीनामो [स्त्रीयां]

हुं तीहारज्यं पाले हुइ १इ याह १७ कृत

इकेलो तूं फिरें किसो विडांराग साथ थारा

साथी तीन जराग हीयो कटारी हाथ १८ कंत

पराये गोरमें न मजीयें गिमार लंघणा लागें

कुल कुला मररोग रका वार १९ कंत डान

ह मजीयें तो मगामो बोड. हलती मुन्छ सहे

लियां: देताली मुह तोड २० सपी ग्रम्हीणा

केलडो लाहू खोमंक मंडीह ख्राडो दीजो जेम

रां उरमंज सुहडाह २१ सहीयां मो नी वांसीयो

लाजी विराज करेह मांरा मुहड़ा बेचणा:

जीवमुह गो रेह-२२ प्रदिठा जोन गया तो

सीठा नही जाइ करस्ये कंत मार पडी रह्यो

वासणा मांह-२३ जामा वेरी वह गयी:

मांगरा जमी निरास तो सु जोगं मारें मुर

पेट वहे दस मास २४ रीत कुआरा

॥ ५० ५ — चंडां लांहन बीह डो रिणा मुईउ बाणाह

मो प्रीबीहे मगियाणां निवरो धाडगवीह १ ना

टह भंजणारि पुरसणा: सभी अम्हीरांणा कंत

घर पढ़ीया रिहचा वेरीया: मिले हसंत हसंत

२ कान्ही काइ रडां थकां कोसूं धाणजाणाह

हाकां लीया हुले डूब्रें पंबी जाणा बिडाह

३ हाकली या पारथीयां: हीयाइ मकेंजांह:

ग्राभरणो रन बंधीयै मोरी काल्हो डाह ४

सभें सरीरा कालजा: जीवस मांही जोइ

कर कुरके पग पागडें धडरि आंया धड़

तीण ४ कं तो बेली धरिवें न देवें आपांसाद धर
घडती पग पागडें अंत्रावलि गिर आह
ले साहब धन आपरा देतो रज पूताह
गोठडें कलियल हुवो : ताजा घो पंच
जरांह पूनें म्हारं कंतडो देवर बिहूंजे
डाह ३२ मत वाला घूमें नही धारलान
ग्रीराड़ बाल सभी लो डेगडो जिणमड
बपड कहोंड़ ३३ श्रीनीयां रुहिान उवरी थीह
कारूं का उरि सांमांह पडे जिमल हलही
यां ३४ सभील म्हीरां गोठमें केती सूटडवांत
पंच कर दुड़ रिजती तीननि वार गोठडो
कढ़नगंज ही उआसीट दुवार ३६ धाय

मुछडी रसरा अबके रंत सूतो लेलो धो करे
मन सुहावा केश : 26 फरीमर काजुलहै
ही कजआ गंता ह बिरतांही घर बंधडी घर
रानिन का छरि राह 38 मालह लोधा
आंगरां सधी छुहे लो ग्राम : लो जासूं
प्रीमलता : ~~धार आंगमों सधी छुहे~~
~~लो ग्राम~~ : मालो [illegible] 39 काले
पा घर जिर हगत लांम जात धो जाइजि
लनर केरो मांसडो कूकर कागन
फाई 40 जे भगते आवीया: [illegible] हो इन
राह मो प्रीमजन आंराडी बीहे मेहलीयां
41 भजो जे नर भंजाला जोंभा गानहजाह

गौकुल को भागो नहि हूं भजुं किम आज ४२

घोडें पाषर जिरह लगा सामजाधोजाइ कड

वो लास करंकडो गीधाण मांस न षाइ ४३

मल पथेपें वोह कृष्णाजे पाछें जीवंत : ओ

बलती ग्रह कहीयो तोहि जागि रांड कहंत

४४ भालोडी तुं भंडाह : इंनी फिरवरीयो

नहें निगुलथयोन रांड आलो आल्हण कीह

को ४५ आनो आलाण कीह वारंगण भेलावली

दोहल सोहलो दीह नाग मस्यां मेळान डे ४६

हे कहीयो बेहवडा समांही मुगिण साह : भागां

पूठी धीरवै सोगो सांइलाह ४७ [illegible]

वालां वागा वे करें ४८ सखी अम्हीसा कंतरो
सायाजेवड चित: निरधन घडोन भरावीयो:
सिरि धनवंतरोदित ४९ गिरजा मदू उतवली:
पलांणां लांधीर कोइ वे सांम्रु सु हइ तिरी का-
ग्रापाौ सरीर ५० हंसहि लोजेइ लीयो धावां
भरीको घट अजेन मेल्हें साहबो श्रद्धांतामम
रट ५१ मूंछ करु केवान सू रसरा मच कें दंत
मालां धोकर पोढीउ मन सुहावा कंप ५२
मोती अंबीर त्रिया: रीरा मारुणी कहोह:
पीयो रात करारीयां वरीयां मांह थांह ५३
राठाले मूंडरा भले भागा भाभर इर काइ वि
डांणा जवयनें हाले उमें सूर ५४ [illegible]

पंचायाण पंचमुख ठाजा वाजाणलगजोइ

रोतो उठ मिडें जो कायरतो भग २५ वंजोवंजो

बपडा: ख्वर धुरो निसांरा: माउग़ाजोवज

सी सेवगग परमांण २६ छापरत बलतडकी

यां: ख्पाडुडीया रत कज सुरा डूंमरगोडुवो

डुजां केही लज २७ डार सरुं धीडिगव

ले गिडरु धीवें न कोइ सुरो जथीरोडीयें क

लीयलतेथी होइ २८ जव सूके डिंगे तब

मराडिगें भाजेडिगेत बलज डीयडो पडो

चितो मतें ख्पैंडुई भारीकज २९ मरणासं

रो माठवां: सूरां साफुर सांहन कंधुं ख्याजे

मूमीयां न कंधू भाजणयाँह ध

रीवत वटताम: रााचास्र सहनांम जारै वैरी

या नबांरीया : तार्वषांरमा प्रमांम द१ सिंघ

सूर तांम तोणह रारमा रली याइतथयो कांचालो

करकेह उप्राए उजन मलउत द२ गांजो रिरम

गलीयार कुडीमलगबेतरीयो मांमी मारह

मल हाथेर महमलउत द३ वतरं वेरवमाह

वनतायोरायांवर्षे उरेगडवीयाह रंगीवेंराव

निरालउत द४ फर् खडे बडकाह : समतर

के लागमों दल भीतर दोह लाथीयें रथारमा

भरीयाह द५ तालग तडफर यांह जालगावेम

न वेधीयें समतर के लागे तरें पग उपरपदमा

ह द६ तिजडा तागें तलाच गंगाजलते गरीयो

दूं गिमत्रि सीयें ताइ लेवड वडलेवं ...

हेकांश्रावो हार हेकजजी तरिथ हूडे भवेंत्रेमं लाकी

या: वेध लवा दूंकार ६८ जपीयाजैजें का

माला निमजीया भुजे दलपैहला दूदाउते तोखी

या तोबार ६९ बेरी गर रावीरजेह वाहुवेजू

जिवल ताला: वेकरा सीया केठोर विठवा... जां

गोविजो ७० ईति ॥ देसल दातारां ताला:

सामाए हस हाजा विनडीता विरचें नही

लोयपा मरीयालज १ साकर श्रावें साइ कडीया

लगाक मंद पल: उपरि नथाइ लेलडीयां तिव

दासउत २ श्राषु इडरीयांह कवीयांरी ठरीजं

कला: देवंगी दीठाह नूंरू पमागदेरा उत

उरा आबटतीड तोर महर कारु पवत ४ प्रबल

रसी प्रन राग कलियुगंते आवें कलावत हल

रि वाघाग ग्रहीयोनह कमलाग्रही ५ बाडं फ्रे

वी पीह वेदल बांगतीया ताग प्रीरिहर प्रांपां

रांह प्रापाग हिर प्रीयाग ताग : ६ प्रीस

म उपाग ताह माड कमल र यो मले काग

लूं कावलि प्राह बाडीया बुरीन मेलीयो ७

म पवन प्रीरिमार : प्रनि पोहत नघाइ उड़ी-

यो : कागपीथल रही यो कुसल : धापे घट बिडार

८ कपे कुटे कर झड पडे चतीव मांरगां वन

तोड कलहै भगवंत कुंवर हाम संग्राम कान ९

पे तूटे का झड ~~रकलहे~~ पडें पलखंडे रूप डंड:

तोड कलहें भगवंत कुवर डोलें मांगन

उउ १० रिषलउउलउपं वमडः केधउधउविम

गग ऋगार रहें ऋाचररा ला वहताश्रग मगा१

माषो ले माभाह पेंजि मतंकर वुंजी घउवि

रा घउल लागाह मांगाउत मांगान होउ १२

उतीनुंर छोहि माघें माघे गाघेा माषीया : लागुरो

रिरा लेउ पेंजि तंकर पुंजीयो १३ रिराघरि

रेंगू काहे लोहीधर लागू लागा : पठियो

जाय यां यो नही मांजु हारादू ऋांह १४

हा हा लेमा ऋषीयो घोडा विछु ह मंग

पडे हल मजगो गागा पउम गाह १५ वेगि

डंउ कड जाह तो भेताइरातागा धजवड करघरि

नाउ घउ माघे फिरे नही १६ ते लोहा

लीयो: आषाडे आणपल: देताली अपछरह सी

हाडा सूरजमल १७ वाकर धारे बंधाइ सूले धा

तम वेउ: तेज लपे होवासरे प्री मीठो करनेह १८

मोज लियो भवरे ल सुसबहज्यां संचीयो नही ताइदूरा

परदेस केधा धारी कानउत १९ वोजगा यारस

भार वारंतर बोले नही विहंगांने तावार कोइन

जाणे कानउत २० जलकां जगमल कांह

बालीइ लवराार- की नांम हरीना ताह काढ

बाकंध तुहाले २१ काढ बाकुहडो कोइ

कर तारे गुको करे निजवाल होन हो बिड

वाला होवणार- उत २२ सील डसानो जांह लं

चीयो भावे सांपला: लामेल गांडू लगो ७

बांराण कोइ रोवें नही २३ जांघांजबले छोड-
पई युं पा बासर घरीा : गोर दसरि बीवेल किरकी
कालो कवार उत २४ पग पडीया पिठांण
रागसीया राउत पलो संभालीया संग्रांम
बाल पणो नगड उतें २५ आजूणो आण
काल्हो कोल्हणी कहै पर हाथे परि-यांण
माठआ मरण न देषो २६ बुगनाका रो बांध
पहरण कज मेल्हीया : दो॥ लोल चतणी लु
आंघ माडु आंमाण न देषै मांनव को मताह
संवगनर संचवा तणा लेठपरली तांडवीदी
जें वनरार सूं २८ मालतल मरण तणह बांव
रे बूझे नही के हे गुण गुझेह लेपरठवीये
... वांछ आंग डेम गिर कांरा

जिही काचाह तूं भेदीजें अमउत ३५ बा
बो धरा बोलह ग्राधन गाडे ग्रास उलनि
ज दानी निरबेह पंजायपोट जिहि ३६
बां बो बांडा धार ऊपर पोले ग्रास उत मोह
बीजो संसार इबें पिण सीबें नही ३८ बार
न विलते जाइ लाधीलां पालर थिया: [illegible]
तुंच्या ताइ मुरडे मोकल रावउत ३९ लखण
सीला धाह वारो जाय वें वें नही धासते हाथ
धरण ह पंबण जेही पालउत ३९ गलगज
पात ताह बीसोगां काय सेगह गढ जाकण
जोलेह पछें न नीकल रावउत ४० जुते जबाध
ताणइ मुगट महामड मोडीया: अतिसर ग्राम

किसा वखांणां तोडें पाली बंधा आलांरां म...
सांसा २८ जेत जडा लो जोड पिडितो सूं रजे
नही नीडि निसारन होइ सायर आधो सलज
उत ३० लिखांण सर सुकवि लाोह : आवर
नही आले अवर अंगसीतंग अछेह लागेलो
रध लागो ३१ राधव वरेसु केह पठीयो नहीपो
आखरे लत किणा कि टलाते हे जां लिण किजूरे
बेम उत ३२ प्रसिधन करीण जाइ चुंरी
विहूं आखर तणा कवट कुंवारा घाइ भ...
सगलो ही सीव उत ३३ करनन धारी
कोइ सुलबदलीह आचारीयो थियो हूं पलो
हणलोय मांसै मुहमद राव उत ३४ धीर
सांम चा[illegible]ह वीद पुडं गवे पैन ही कूंजा

लाह महके अजेस मेह उत ४१ अपरवीर आ

धार मारुरा मिलियो कडी प्रांमी योनदूं पका

र मेह उत नम्हां मूंधाडै ४२ नाडा कांकु निगाव

आडा उलाडे कों बीलालं बकु विपातन इराल

आवें नीब उत ४३ मिलितानदि अेमांड हेतीरथ

हुईया तालो आदर पोष अनीज करि उतारवा

आरोगीयो ४४ वेंरी इरवालराइ माथामो र

वहारीयें तोकर लाल कुवाइ फिरीया बेमनरि

ह उत ४५ दूहो रन पाबेह इहगमुष आवें

नही छपई जुं छल छेह: छोसं छल रमीयां ताला

४५ नाक निलोम गिलोह सीससलो भालारीया:

यां मंत्र वियां मिलेह राम डोरवा छोडें नहीं ४६

घड वड वहती वार लागी पिण लागी नही पूलीयां

तणी पमार रजी जुगालेरा मडा ४८ गात्री

अमाराव दीन्ही जूंतें डुंगार वा : डुइतम्ही

रो हाथ खाई घा खरीयण तणो ४९ बेटी

बावरीया तणी : बोले खवड गाह

कायर केतन संपजे भागल भाउम खाह

५० मिल तांमां गण हार बेम राव मनरचे

देस्ने किम दातार सुवसात सामंतराव

उत ५१ खारी सो खाघोह : राष वजो कर

देव उत : जुग जिमार लगाह मुंह खागल

ले मांडजे ५२ सो मडा लालगरांम जोहा

री तोजेप किण तेघ किलंकना [illegible]

मालाउत हालीया ५३ छायल कुल हुछाइ नि
समतो तोबर जांगरे तिया अामास अडाइयां
रोंवर जोरीरा ५४ वाग वीरो तव वांगहे माला
उत मन हूखो मिजडि काछे बात्रियों चलाग
रीदंपे चउ वांग ५५ सोमडें कीया मु गाल
मुहगा रकग ताल : पेतल वाहगा कउबीया :
चडषे चांमरी याल ५६ उत्ते जाए कवाग उगा
अवगुगा कुगा धीयेग : जोउं माधा आापरी
गंजी जे अवरोग : ५७ लागूलोह मडाह
अाधक अमित म्हीगो जावो जिग बीजोह
धनपत हैं छांहांधीया ५८ कुल जोइपें कुरांन :
अाचारे उत मतागो वीज अछार वरान लारीबा

हिसरा गारीया २९ गडारीर जारीया : तीह-
रीव डांगी अथ तेंजांगी नर पालदे मांराी त्यांरं
राग ६० चितवाती वडुआर निषम चीरराषे
नहीं दोहरं जगदातार तोजि मक्कर तांतेजजा
६१ साहवेसमञ्जतीयाह सागें नंची योजेतउत
चीरें चीरें चीरडा अवरादे अबराह ६२ साम
बीयत लजीयांह संझीयाम सांमहीयां नहीरह
ज माल मलांह चीरां होवें चीरडा ६३ सांह
दे सांह दाइ करतरिमुक्तो करें टालेनातेपार
तन आंरांनो आातरा ६४ पांषं पाग दीन्हाह कर
हडीयें बेलें कपग सावजातह जवीयाह : किरि
... ६.५ मेघा मंडल ...

नांम न जांणीयै : भरतीण युं पाणी स्व करतेता

जिम कुंभउत दद छठी यु छत्रतिहारअपर

ज कोई आपणी जसर भजाणण हार दं

पारकीयां पातउत द6 सोह बीयुं तंणार

भाती भाती लुहाइली चीत्री चीत्रण हार वीउन

होवें बीमरा दट पिउन ग्यांत ग्यांह मांतरयुं

ही युं बुणण : रावल रंगाराह ताइ वणांरां वीर

उत दट वांडे बनेकीयंह नह सारी बो सहत जे

मुह मंदीयालाणे मुणास वहेरो वाही तेह 60

भोजन भराणा थाइ स्कण ही आसाहुयां : जिणजिण

आगल जाइ उणां तिका हुय बी 61 वंयुजो

केइ बीयाह वालो जोभरताण ...

मांधे मागे वाह इंजीपी झूली दीजै ७२ आंबी

आजू शाह : रावतीपा उतरातीयुं : कोपी

युं काढे वाह दालद घर दूधी ताणो ७३

उपरतो आसमांन जाये वा आवे जगत

बीडी तडी करांन हाल आहार विहारे

७४ तर ताइ दुध ताणे ह : भीतर न होवै

माइ पी : मूल लागे मुली सेह पोषजभीआं

हेतली ७. हे आसता पग हाथ कुलजा

म्हो सूरत कन्हैं आंगीतां भिली अलोप

सक ज्यां संघनरीदउत ७६ पांपाचर का

जेहे वमीया वरबो लांत. सुघाम सिरा डोजेह

त्यांह पाचरी पुंगरीयां पुहविजी हूं जसबोलीह

लै वांक मुहावे वेरउत ७८ हाथी हाथो

हाथ दीन्हो लाखे देवअल संचीयानावे

साथ जांसे लोजांगो मखिल ७९ हेइ

रंडाग बोह फलाहिजेयाजुलिधर पन्न:

गेह लोलाजेसहो सेरतरवर उपन्न ८०

घर खोलबीये घाट: सुगतिजेतंग

देव का: पे पालवीयें घाट पीरतोइपा

लदीये नहीं ८१ हिलोलालायर तागा

जोवाह सास हंत बुगला कायी वपड़ा:

पहली लहा पडंत ८२ रांमडारेका लीह

ह कहर वहार लकोन्ह उत: बरबीसेवेक

सांवन सांभीरा तणो ८३ मरिचे मेडती याह
मुडीयल जाइ चूकामते भवतोइ ओपती याह
हंउवरीयो ७२ उल ८४ दूहां यो दातार राहा
वणो रांमाउते जस काली जगमार मूरू
मलो इधाणा ८५ कांने कलनतीणाह
कन कज प्राये कोवियाणां रतोडी बीरत
सुणो बगलो बांभणीयाह ८६ जाइ
ते सुजाइ मारथि भोजासी भाणां सांकल
सनास तणाह बडीया पमे पमार
नीयल तेन लणाह नीयदल नैणा उलतारणा:
विखरि युं वढताह कुट ककडी युं जेही कु
क्रठ ८८ हरुनो हिय डेह: हर हरखी
यो हमीर उल: सिरजाइ सांभे डेह:

चइनो कोट चडा वतल ८८ जेजे हबू जांरोइ
तेलेह बुंज बोल हो मांगा हमोल कोहआर्गो
आपागा पातागा ८० जोगा जागें नाहआदि
पलनर आंधाथगा: संपें सोतगायोह पगें
विडांगा वें उत ८१ जोगाजीते दीहडेयागा
सोघ राबि संत बीरतलागा प्रसाद डापाडी
लान पडेंत ८२ जोगाइ तीजयार पांनो उथल
स्यें परम तोनें बीजायार विहरोधास्यें वीर उत
८३ कर कांविगा मिलियांह के सूरो कागा
हरसल मुहडा विगा मिलीयाह विगतिनला
में वेर उत ८४ आप आंगमीयाह कर-
सारो कांइ करें हल बामसीयें नोंइ सिरज
ति पार्वें सांग उत ८५ राबे कुमह करांइ

१ हकर टूंरा बरहे मलवासीयुंमराइ सिरजित

पाबे सांग अत ८६ रांगाचरवांगाट दूहा:

" सुध पढे सूरत्रांगा केटो कोलाहलकर

क: कारूरी सांरोग रांगा : कार मेंगल बं

ध मेरो डीया ८७ तगोन जोगें ताल : सू

रब मछरि कां लगा कारसा किगा कबोल

मारें कर त्रायगा मां ८८ रांगु वारि

मममतेह लो मावरीवे पाल उल नेपुरनार

तगेह बीहें सत्रबी हाडीया ८९ लोचल

सांमलीयाह ग्रादीला ग्राला लगा कर

पितिगा काटा काह वेडुक कधारी यो वारि

उल १०० रांगु त्पारावट लागा :

इति ॥ करमती लक्षण करामातरा दूहा : ॥ ६०॥

जराततो मोजोंह काया भीतर करमाती त्रि
टी सारीका तांह लिखमी लूरा करामात १
पारी रहीया बोज पाथरनर बीजा पुरष
हीरा लगा हे कोज लाधो लूरा करामात २
मुगा गाडनें मरेह ज्यांरो कीव लारीयां
तन त्याग करतो लोह लडरयें लूरा करामात
३ इति ॥ चिडीनं चांच मरेह ज्यांगा त्या
लारां तातो झाझा भीगा रेह महल तस्हीरों
मेहपरा १ नादज नीपज नाह केरें कागमांडें
नहीं : जाणे जलस पीयाह नीमो ध्यान होवें
मेंह दरा २ ज्यांबा तूं उठेह लांबल बांह

लांछल छांडि काइ आवीलो पग

काइ करघात करारीयै १०१ जम

जार झुवती उणें चोवटें आफुरन आ

रांणु वेरालगें विषे १०२ चोलवनी

करारी दिठी कर गिरात विलाइ रां

वै लंनर वीर उल १०३ रुलबद तांणि

चामिरि तूं बैठो पठे उपहां सलाह

आराजान होवै १०४ रांणु वालगा

राय अंगाम रमीयो नमीयो नही प

नाहे लेवं डनें वीर उल १०५ रसारी

रांग त्रिजटी आंहडीयो तमो

लिगा पांगा का लिज निसरीया करं

यै मन मलिदरे मिलोह मनजाइ बीजो हैं मिलै

३ मनमेरवी तोरोह हाटे हे डाअथयो ला लूसाट

वतेह मिल रुपाये मेहदरे ४ महागां रीयाम

धीर मीठां बोलां मांग लां : रुपे पहले

सरीर कालिज काढवा कों : ५ महागां

दीया ममरेरीत मरेत मोती नीपजै कारी

सोरठ देस वलेत वालो वीलजूं : ६ फाडे

फवे बीज्रेह सहसारीका लहलजे मुंहम दीया

लाभें मुगल विहरो वाहीलेह ७ महम दीया

धारें मारग्ग हूइ न जांगा मन किलूं कथीरो

संचीयें फूटि जयो सोवन : ८ मुइ मंद

मोती पाइ गुणवीधे बाधू गले सारी [illegible]

मांड हार कीमोहि डोलस्यां ९ वालो जमो

विदेस ग्रबधग्रो पालो करें : सारी सोरठ

देशिवलेंत वालो वीलिज्यो १० इति ॥

विजें देवडेंरा दूहा : ॥ ५० ॥ अठे भी

कलियाह विजीयेंचा वेंरी तणा : व

न मांजारां वाला का बाद् कीयाह १

मेलीउं मरे मरेह पग पारियें ऋण भंगवाण

हाले किमहर राजउत धनयोकिहंधाेह :

२ लोहांताएं सलोह घूमी मड माथें विजा :

त्रिपान भागी तोइ बलतल बाबहीयाविदी

३ भांगज सत्र भागा ह दोमजरिठ दीवांगा

जित उवरलें ग्रागाह वलेनत्रे कडसें

विछटा ४ विजमलवेरह रोह विछंतेजुते

विरांमीया: पीरहंसपेरांमांह ऋजऋाक

रांनउलों ५ रोह विजीया हरि राजा चाथि

द्रीय उनांटा तामुजछल पतसाह कोबेमगा

मुर रांटा ६ मेलीतुंमने मरेह विाटा परीया।

ऋटा भंग पाटा चानीयो ठी लोकरेह हालें

क्युं हर राज उत १ ॥ [illegible] ॥८०॥

जिमयानी जगरेस: जगहें लाटा जिमाउ

वी ऋगनि जटूं ऋहनेस राके हें नरांमरे १

उविर ऋावाटा हार मलांज टूं मलोनही

रामटा कीरिटानार बलिबंधन देलोत

ठिन: २ पतितिहूं मुवातां मांह तिमुवातेलां

गे दते आगामहेतरपाइ साबडा सूलीकाइं

३ साबडा सोरठ तगा: गरवा गुजर हें ताली:

नर वाठी यो घतांह जीहो जीह मातांत ४ परत

तीयुं पडहार वेदनवेइ तो नही साव डास

पुवीवार मेह ठातत ड्रावें न... : ५ वरता

रघवीताइ वलेज ठाइल्ये नही तोनलतोलि

लगाह ड्रागात अगले धयो ८ लिख सूर

मान जोर ड्रंब जेतो सूई ड्रगर पिंड पाल

वीये रड्रार सरवर सूको तो ८ घरंगी

ड्रांहडेह बाबांडो जाछो लीयुं वांस विड्राले

छेह नांन छुडें नवगजो ८ गोल इरियो...

गेह चुंथी ते चारसा ताणा : वली चाते व्रजिह
नाचवले वाकारीयो ९ गोळ्शीयो ग्रिह
जाह परती तेहज चुंथीयो : वलिहोनारी
विनडज्ये संघेरो हडीयाह १० गुच्छां विगीत
मिलीयांह सुलवदज्यां संचीयो नटीयाछ
पलीघ ज्यांह बीकरस्ये वेरी कहें ११
ठावे कडीयें ठांम वंतवरगीर वीये ज्या
परें नागम तारें नांम सा चोड रनाचे ताड
उत १२ दीठा हुईज डाह ज्यागे ज्याए दीठा
लीगी : कदही कहीन जाइ एकता जीहांज्य
पतां १३ सावल सीगब डाव बेरवी युं थोड
हथीं : ज्य बीयो दीन्हो ज्याव पिंडलाज १८ग

उलें १४ वसतुं वेंर वराह : वनिता वेंराया

पपैं उांगड ढवी यांह रंगीयें सावल रास

अल : १५ पांडी सापडीयांह नवल हलान

वलें नदी चडतोर चायोन्ही : वडवानलजुं

नाघ उल १६ नावर ताव लोस पांडी लाम्हां

गेफनग कीन्ही तो कविलात : वाली वाघ

ला राव उल १७ दुहाइम दीधाह पेरोजा

माठां पहां किरि कामणीवीधाह झांघा

झां ~~नीधाह पेरोजा पाठां पहां~~ भरण १८

वाधेलाविलरोह दरियते हरें कीयो : कुटंब

कुनार लागेह जिम कहीया गरी करन

अल १९ नव धरी यारोनेह : बायेबूट

ती कुये त्रेवडतेह जो [illegible]

न तूटतो २० वलो ससबालागहारजेमी चपरा

क्रम जोइया : न वधाग के छंगार लीकर

छात्र गयंद भड २१ वाजयो वाज मिलेह मारी

जाइ मारी मिले पाछै खुगा देवां लागा नव घाग

नांम रहेय २२ जिन सन जांणौ जाइलेंमदं

ती लारी धीगा ब्रमां हरे ताइ भोपत भरह मील

उत २३ स्यांघांसाख्र सांह दुहां स्रांरत क

स हाउ स्रास निडांसान क्युं करे : क्युं

सि तुदिन जाउ २४ लिबीया जिन जाइ

स्राण लिपियो लाधो नही : काहूं पंडव द

दु गांलो ला ग्रह ग्रबीयो : २५ लोह मडारी लाज :

जाडी पत लाहांजगे अकबर जाणे स्राज :

तुंवर दाइबीर छत : २६ पित बेटी बंगार नरलो

नद षेवातणी: परमो मीपमार दीलैं नहीं दीप उत

रा निमरा ग्रागल नांम : ग्राषर ग्राढवी कांतणी:

सो ढा सालगरांम किर दर वेसांघेप जत २८

माषर सीह मलीह षगमारगा षंगार उत जि

नायें जा णी लाह कछवाहा जेही कान २८ मा

सीह मलीह षगमारगा षंगार उत: पूरव

छाई कोगाढ वलिकोगिरवल कोहू ग्रीह

वल होय: तोजिमव को मांन ता पाधर बीयोन

कोइ ३० रांगानर वोरांगी यी: मालीहरह गोह:

घाण देखो दातार घाण बापरीयो लोहाह ३१ गाय

संघ विषमजल मिलें तलि लंगार तोजमत घन

[illegible] डोहण उदार ३२ तूं [illegible]

वार हुंतो तोन हुंवत हराम रामचेति वार
प्रम गुर ताेां प्रतीपाली ३३ ब्रह्मंडजेते वीर
वरषे वरसारित करें रतलडें प्राहीर रंजीया
प्रतिपा तुहाइली ३४ प्राहत प्रतपाला ने ह-
प्रा हत प्रहीरां जिहीः छाडूं केहो छेहः बाल
ही धुं बंउं विधें ३५ रंते हषोत्रीलोई श्राव
कोइ लुरतीयो नही नीरन पहरे कोइ दाब दु
गाइ पो कहें ३६ गुला गारडीयां नाहः गुला
गारडीया हीवळे छोइ ग्ररड बियाहः बीलंग
हू प्रेति बीलजे ३७ जालपीपा जुपवार मलो
जतू भागा नही : ऊंची भैल ग्रपार कायर पोां
जकुडीयो ३८ वधीयो लाधीनार मांगला गी[illegible]

मोहप जे : दीवो किरि दातार वाये बिजड
रा उत ३९ मातरो काभी कहे हूं लोलाडे
ले सिरे वं तरा हो डा तरा तन स्रावगुं
स्रावेस स्रावितेानहि उवरे ~ धाइ
रोके हे धायः सगि लीजै साकुर
सुहड: पृथ्वी यूं इरा पर जाइ म लो स्रावे
मातरो ४१ लख जेंता लल होइ मिलीया
तो मे उग्रां पालप्रवारे कोइ स्राग
कोइ उद्धिजीयो नही धर के प्री स्रा मा
रीयो के प्री स्रावेमार बिहुं पलाडे हे लषी:
मादल घूमे बार ४३ ॥ लमाइचा पत साकुर

काछी कछीयो नाल पैसो पुर घालनतोगा
४९ रती माडें सीमारें ऊपडा : जर दीन्हा
जांह लाज परि मन खोलमाजेनें सही यातांह
५० खोदकीयें खपातार ऊले बोहदी ठां
मा लू दीजै त्यां पातार बलीयाम मालु
हाइली ५१ गुरा हुंलाम गमाल : गंगा
जल समपे गया कीन माथे किहलाल
रिगा की धारु पाला ५२ कर बोली कुरा
साबधा हीयोतथीरो जाह सिरउपर रंठा
फिरें ५३ उरपें ताह ५३ साह बीया लह कोइ
हालें डाहो हांम उत करें नितो जम कोइ
कालम के कांरांगलागी ५४ नाहिउब जीवो

~~आगे~~ ॥ भंजाग दलिद रधारवन मलक तमाय
चमगा आदर उनडहा तोगा: जोइन बीजीजग
४४ मलकत माय चमांन सर मांगाग हंस मिलंत
पीत सुदिन जल धरीपा ओडिन अलगा जंत
४५ बिधुर वडाले दीहरे बीया ठरके चित दूं
झाली बीयपंद जिम: चाढे मल पाग नित४
सांढो से ढेलाइ मयंक जुता पुको नही दि
तो केह बिधाई अजेव रावे वाच उत ४६
मेंतान जेवे रूष: चीबतुहाली चाच ठत
के तिके तलीया कूष: वीबांलो धन उ: डै ४
काटरी ओकाह काढतजो काढत नही

कोट वमजिणजीवें हम ज: जबतब देवु
लोइण सदा सुरंगोरज ५५ गले वोकूपा
ल: काढे लोगां गोकुली: जोइ हण बेले
खालि तोइ वडा बमेवो बाघउल ५६ डूहवतां
दातार राम्बवरली पीय तधयो: अगार तोण
उपगार वालिनथापें बाघ उत ५७ लाचीन
हाले लाख का ल्हानर मेली करें त्र उवारे
खीच वादली याबेडो थीयो: ५८ वीदल वादली
याह: जीव तुहारो जीव उत वृम्बणवर संतोह
घटे नही श्क्रा घडी ५९ करणी कलजुगकोइ:
निजबांभण पोहचे नही वडी तवादलीयाह रतना
रिल तुहाइली ६० जीजवडा जडधार लाइला

तवडी सुकवि वेल वधों वडुवार रुव प्रमाणे

रामउत द१ अकरी पडीयां आप पांचाप

डिंगाहे सुपह धरणीयां विण धणीयाय : अ

वर न होवेंउद उत द२ प्रथीराजजी करे :

॥ रामईये मरिउटही : जाणि मृग णितपास

बापीका घर छाडतां बाहर गयां तस नात द३

नींबडो रुपनारा ह आंब होइ मिलीयांअमां

टविचें वेहतांह लषे वालब चरि उत द४ भागो

भारथवार आपे दल असपति ताणा पाइ नहीं

पमार हाडे भागो हांम उत द५ बीजें

बेला हार किरि बाप हडो षम उत वायक तांण

विचार : आण लाधों आपे अरथ द६ वड [illegible]

वांक धावाहि दोषे कुहल रांक कजारां

क किरि आलीयो कालीया गरा ६७जी

वीराइ जेहवी अति लषवे अयांगा मररगा

न देषे मारीयो पिंडिदू गरा प्रमां[illegible] वीकड़ा

एहैं वांकल षमीया लांमां तीं आदे पाधर

आंन किरि राघो करांन ऊत ६८ षमीयुं

थांपणा लेह जेथी कोइ जाणों नहीं : एक अपवर

तो एह तन धामेतया मापे ७० तेनां बीयोति

पार मांगा कहे थाटां मुर्खे समहर वागे लार

लाषांनरे बजालले ७१ मीले मीले कोइ मीले

विरा मीले नहीं : जेथी दीठे कोइ मीले मिळा

वाहरो : ७२ गुणीपाल गुणा लर तां हु : [illegible]

पाग लागो नही : पगल गया कर जोंह

खाडी खजांग ताँ ०३ सर नांबी पोसु

ठांम : लाजालू लांयें नही : बोजा माथै

वांग नांथे नीगमीये नही ०४ साह कुली

कहें नवजोवनरि तमांनजीपड वीयाज सूरत

सुराज कुत्रम कंमल ... भमर लिटतन

खावत लाज ०५ संकर बारट कहे वारसा

संगनि जीवत्री बि के वरा नरी होय : खलीय

लकुल वंली जिही प्रीतन छोडे लोइ ०६ सुखी

या सर गत गाह : जो पा यत छकीयै : जा

ए वड जीताह के ही पविखाछे परे : ०७ आते

मोल वी यांह : जुज वीयां जग नाथ के कला

तोरे लूगड लोर पोटलोल ८ रुपरी

उघी देइ परागे पाल वरये नहीं: कायुं

कर त्यें मेह: मूरखां मासां मांउमरा ७८–प

रहे कडें सजांगा: वेधा बलोबान मों धाके पडे

खजांगा कायो मायो बेरीयो ८० भीवडिमा

जती योंह: भीमड विणा भाजे नहीं: खप

पूं छापराीयांल विडि धावते विग्रवर्ते: ८१

तेंति वियो जुंलेल जुडिड पटि उरि हबतीतां

तिणा हुई पालल तागा: ऊइंलें दलउवेल ८२

कटारी छुंड मांह लागी लायगातीह चीनि

काइ देवोह: उवट उवरीयो नहीं ८३ वानकु

फेर लागाह: मूंछप्रोज मांडा मेटतो: उबकु

सांचो हवो लागे सील सीधाह: [illegible]

तिन्हां माडुवां गलदे प्रथम गुम्ह : प्रारीका
पारी करे ते डोहा दिल दुअ ८५ वरजतवा
ला रा(ग : चूके चाउ दीन्हा ताणा : विरचे
लो वाबांरग राजो घर छोडे हरग : ८६
बोले दूं बोजांग सुसां नम ठांते व प्रा
जा लीजै प्रांग : मंगल पाबे मेह उत ८७
विलगो कहें न वाल तन को वाल विलो ली
युं : देता हैं दीनी नही : गडवी गागें गाल
८८ मांगें ख्यांरो माल नर संच्यो त्यांरो नही :
जाग दूं जग आल इपमान जांगा किन उत
८९ आपे उमेंबर बेटीबो राडी नही : पेट
हूंता पेट पेंवाल्हो घतापती ९० सलबां मणी लदा
मूरत मोकली लीह की भ्रमलोही आजे नजे

मारो जाचीयो : ५१ मोकल सीमा ठाह : जुग
सांम्हो जोवै नही : साम्हो जोवै सामुहो आ
पघ अपा गाह ५२ अकबर आसाढाह :
डूडर चीयर आ वीयो बिढीयो विण वीराह
डहमहीयो डेडर जिही ५३ हांहागीयां हूतां
जग बोलिए वांजोगडो : रूप करो हडीयांह
तू सिरालां ही तेजसी ५४ डुंदहीयो देलेह : बा
नालों कुंनाडीयां गाइल्यें गीलेह अधिक एवाडे
आलउत ५५ मुइभीतरे करेह : राणगराहा
विनही : माया कीव मिलीयेह : दियोंग डुंद
हीयो उलें ५६ लूं हिज विख। विचार रूलां
रूल बीयो लागे : देषण देररा हार आंधारे तिक
आतमा ५७ आग काउडललाल गिगन
कान्हा डूला गिलि तिके लांका गढ लेलगेर

कछुंगा समालदे ९८ नित लुंचीयें नि वांगा

जांगग हूं जीवी तागो: घडीया सूंघन दांन

मरीयी मार हमाल उत ९९ डाकल डह डही

याह : पाकल पारह दुतागा: छोकर छलायें

नांह: पेचर पेमन रिद उत १०० दीहाडे दीनाह

दिदी हाडे दीनो नहि रामाग पातुली याहमा

ण समंदो वरिजास १०१ जाबी रेखारतीयां

मार मतीलानैगा: लेगा मिलंदागोवमें वीया

न जै सैगा: १०२ वैहरो जिको जवास

वीप है कोई विहरो नही: लासतम्हीगा

सास मेदालगार हीया मले १०३ गुणरस

लागों गुलाई लाघों जोइलुबधानहीनरनिस

वाडुथाइ जीवेंजग मलरावउत १०४ कूंपा

काहूं होइ वांकत तवीया उताणे

कोइ मलेतम्हणे मेल उत १०५ जीबालडी

बुरेह : आछट आगणा ला मुहे धाईवाजते

धागेह नगर हीयो नगराजीयो १०६ कालेकल

पकरे ह दाढी दरसावीनही : धारा प्रिलामधू

वेह नव रंग की न [illegible] राजीयो १०७ नगनांबी

यो निश्रीठ माल गुछलि कटार मल अरक कहे

भउए हवो देवन दांण वरीदे १०८ नगीयो कालो

नाग गारुड वें ग्रहजें नहीं वालेज्यांदि लवाग

प्रितारा जिके मारां पडे : ११० नगीया काने

ठाह : नीय कन वसह लीताणा : गुडि आयो

गज गाह मुजलो भारह माव उत ११२ पातल

पुण दे यांह : नामरहें नगराज उत मैणलालरि

बांह : सब दीतल बाहर धणी ११३ जमीयोवलती

आगा : ऊपर घर अबेरी युं धाड हइ लागोइयाग

बिवलो लिवालो बालउत ११४ वीकमणाँज काइ

उबेलाम खलजातीमा : ताह्न पडीति काइ :

माला गुंफीम मेह उत ११५ पहलूं पाटलताइ :

सोहलूं धरतीदीलाणो : गूंदूमेलाराइ रलग

माडे मेह उत ११६ कायुं सुहड करेह : वेत

विधीन्हातणा : जाति जमांणोजेह : रुले भरेह

मालउत ११७ ॥ कापडीयो कहे . उपज

फंडी होय : राइण कुंतारिगणी : रीझेनहीर

सोइ कडबी कापडीयो कहे १ बोले मोटा

बोल नितचें निरवाहे नही : माणसलिणरो

मोल कवडी कापडीयो कहे २ बोले थोडा

बोल : नितचें निरवाहे घणा : मांणतीण

रो मोल : कोडी कापडीयो कहे ३ राती

... रंग लागीलहरन उतरें साइबलि

रो संग कीजै कापडीयो कहै ४ वारु वेचा

लांह मीठां बोलां मांगणलां : सगपण धांसेराांह

कीजै कापडीयो कहै ५ देतां स- देठ देतां

सूदे यें नही : ले मांगणलिसल हेठ कीजै

कापडीयो कहै : ६ ॥ सूरजमल कीवा

उतरा दूहा : ॥ सूरजमल श्रवणांह : सुजस

कुहाले सांभले निरबेदाने णेह : जांति वि

लागी बीम उत : १ सूरजमल श्रुमराज :

सुयण लोयद गतवमल : एक नरे हण श्राज :

बत्रीज आछे बेम उत : २ सूरा सामहरवार

कर भागें भागा करक : लीजै लोह पगार

चली कुहाला बेम उत ३ सूरजमल तंलार एके

की मरीयो अनंत धीमोजगा धातार बोड विवर

जत बेम अत ४ इति ॥ फुटकर ॥ ७०॥

दाबवीयो दादेह दांनज मग सीगो दसां औरत
नाचा गा केउ धोग जदू धपाए स्यै 1 अर मांडारक
वेउ : करठा ले मिलस्यें कीव कमरकमाल
करेउ : विगा सहदूं वहारीयें 2 केविनक
लीयल होइ पंबीया पेपर रहर धागी सुवि
ब लहे वा तोइ ढबो लीतो धानीया 3 देबेजा
उ दातार निज बोलानमीया नही ताइ पा
लीया पमार मेला वां दू जेलीया 4 गेयी गेद
मनाह : आयर आला ऊतगा : मुह ऊपर
मुंदाह किरि पारीसा रंजीया 5 मेहाजली
यो मेल्ह : नालो विसारी रें करे संभारीयां
ललेल : आहगो स्यौ अल जातगा : 6 मेहा
जीत मुकाह : सुगलाए लापहू लागा : आ
आवा है [illegible]
[illegible] आरगाधीआह

मन तीणि जुं मोह दूर मुष तीणि जुं वीजें मंडल:
नीकोरुं नीकोर नाता तो रूं वालह : हवोघा
नातां वलही : मरणी तीणि मुणि लांह : रहें जताइ
रुंधीया: तीणि न छोयो तांह ९ पाटी पेर जिडेइ :
आवे वामिलो अरथ : संचग सेष तोेह माथें
मातंग राव जल १० वीज विमृत तागइ से
जां दाषें सुगण उत : आवर जे आमांह
मुकामं मंदिर वहारीये ११ मुहजे माछांह:
पांणि पाल्ह ण लीह उत आछे.आ.वताह
गोरीगर तिहालो १२ पगलष पावर जांह
आछे आण जांणा लौ स्रमसिंघ सता ह आ
रधी पडस्यें नहीं १३ मारग भाग जाइ तो मंत
जुग तिहाइला : ढोल नघोरें ताइ पाबरीया
अंपाल उत १४ नीदाउ वड नित जाल्हा[illegible]

काइ परवड जाइ प्रवीत षेम ऊत षेमन प्रछे १५मा

ऊ मांपरा मांनरी पसरें जोपंडवेस: भोजें पहली भा

षीयो : माथें उदकमहेस १६ किरि बरत हंबलाह:

उधारो आावतै मरह थां मिलीयां हू मेहरीयै दीधो

मरा।। १७ रजा पहलूगाह ग्रहलूंगा इंडर घाती

रीठे तो दीठाह: नृपति भारह मालउत १८ वारद्द स

हन सरीर लायो म[illegible] जीतांहरें नर उतरीयो नीरजी

वे पाग जुग तोनही १९ जुध पेस ताजु ग्राग: सारद

दूदे जुं सहै कमलतीयां पहलो क[illegible] उलसयैग्र

हनांगा २० रावअपम रोड़ कांज तूं दिसिकरम

चंद ग्रापी ग्रचकरा उसी अती तल थाये सांगऊत

२२ जाएवुंज गछेह नीचें ग्राएवुंनदी : भली युं भला

[illegible] २३ [illegible]

वागडलया बोलो नाणो : पावस होयद बाह हउ
गा [illegible] नमल रावउत : २३ पईयां झीलतिमेह
उदे आल्ह गोती हकेते क्रम कीधो कांठेह सांठा
ड नात बीये नही २४ मेउलानहीनांह : पगजा
परीयो वटतोणा : उदमउजालांह मेहुरराम्रिलि
यो कही २५ मालीयो मनतोणा यांह : कमधजके
आगल कहे वाता पिचर हीयांउ मरणतम्ही
गो मालउत २६ जेजे वडजल साज मधतेते वड
मधो काछे कुल लंजाउ माढ़ मूंहगलडाउयो
सेवीयै तसमंद मांणक कीजे । [illegible] श्री आदवीयो
हीलखलहमल बांधियो पवत्र २८ आवन कहीयो
एम : अेंतोजी आवे नही : जादम भ्रातांजेम :
राह विलंगो रतनीयो २९ मूंडी कीआराह :

काहे आवत कछेडे मदां कर मारा ह देवांगा

ही पलीयां ३० जेलल कर दिीगी यर पमर है

फडगयथड कान ह सक ससबाद केही घर

विघाट ३१ बाघल बेर विभाह जाइबेस लीयाल

३ बालीया: वारन बीपर ह वारन लावेला

३२ संपलि पती तागेह उलाली आयांजि

मईयल मेछ तागा: मडेन मेली मेह अत ३३

आंथांदे अंघा ह उलग आगुराइगा तागा: करगां

मांकां घाह इम ही रावे उथ त: ३४ लोजा की

तल जांगा इन बेडीतल वांघडी: रईयी बस

रास घरां तागा करबेबे कुल [illegible] गा ३५ लोह

व जो [illegible] ार माहे मातंगा व उत: इयोनें

दातार जो सिम छ [illegible] जेठवा: ३६ त [illegible] लो

ह कोई पथी समांगो इजउत केहो [illegible]

मालुम्पो मि वहारे ३७ पूले जिके पग पांम

धुलि पुग जाइ वेहलो पियै पांगा पांणि छांम:

मोटा प्रावें मेह उत: ३८ हाम वंत हीयातोम

ह: मि मो जाइ मामोर हा: मोछां मेरु ध

मांह पैंलारी मा पम उत ३९ उठें प्रे

हमीर तोजे हाल मछा घणी वालांणी घरबीर

वीडरा वांमन होवो ४० माछू लेही मगाली जो

मगां कुलवट: जो मगांचेह राडू प्रा: पांरो म

राम निकट ४१ परबत जितो परमांण नका

तरो प्रंजलान्हो तांलह जांमुर तांम: मांम

मांम नीर उत ४२ रुक प्रपंच मो दो ठमे जल

धारा वरषंत साजा घट री तांपि प्रै कु घट

मरंत ४३ प्रीसए हवा उन्हांह प्रापें तू शीला

सीपा: तांगवजुक बितामाउ हां निलो

लै ४४ गुण रस ताण गुणा: वे मोत ... रा

व ऊल: तोने तांरगी ताउ कुपति कागवहार

४५ सील सामोमध सुजड हथ: दीठांनेजा

णोंह: मंजीराचे कजिही: मंडे ढाल पाणह

४६ जेत सीउ वन मा हूठांवलीनीकले: तेत

णीउत तन मांहउ: कुंपे पिण दा बां नही: ४७

पर हरीयो पतवांण बल माण चलाय हीयै

रहीयें मन माजोण नाउ बोल विणसीयें

४८ केलली कुं केवार आवें आण कडीयकि

ही: दोबी लोणी दलार वातन मांनास वीमरा ४९

बोलूं बन लागह मांहन कार. मांह ऊल: वि

कमलीजो साह वांणी लूं विहराउके ५० थें ठो

थीयें अबोर नेवजनी छोर पडै बाल तांणकोट

अमेलो पायें अंमउत ५१ मूतें लागो मूत :

सामूत लागो पीयें रंजेजकेरज : वालो

जे विलारीयो ५१ जग जीजोजे छोल वायां

सुंवा वालां करें बोलें एकज बोल : रांमडो

रांम वहारे ५३ संगन जातें लार छोडीन प्यारी

लातीमां तो छ्वी पडहार रत : प्यारा वतरांमरा

का : ५४ के कार्ये कल हेमां : के रागालां

रांमरे वलेन आवें वेंम तोजे हीअरमालउत

५५ वंबयधर वाकों काह : गीवार तोल पोडीयो :

लोहीयो लत्रतमायाह : नारी लीह निवातिकरें

५६ तोसूं मिलें तांमा : पांम दांनी एका घडी : ताइ

घडीमां घाम जांमा मांमाउत मवलोह जितें ५७

आहारें अनि आउं आवरीयो [illegible]

जात लेवाउ : ठाकुर हेठे ले ५८ पेलतुं

री चढेह : गाढ लियो माल सघाणा : वीजाण

दी : लेह सेणाल सां पजस्यें नहि : ५९ ग्रम्ह

णे अवतार वीजाणंदे विणखीयो : बीजो बी

वार पंजर पालटस्यें कहो ६० लाबे मिलि

जोइ रांणे मनरी मै नही : हूं बलहार तोइ

बाइ लाजी विजाणं ६१ किण कुमरित कइ

आंह : वातां विजाणंद सरत : थावर आधि

धोह तिघोंन चढीयां सूर उत ६२ बूमांगां

रेह वेवण रां विजांणंदां पोहतो लूं पवार

पीा : लउ लूं नरा लगेह ६३ ला आंगणे

अढेह : धुंमलीया चिपल थयो : बंड पाल

बूटेह : वड घरला विजाणंदा ६४ मिटे मेलू

: जोवे जीवी जुंप ऌं : किदि

वी लागाह : वीम रावेत वहारे ६५ लोगा
नीर तरागाह : मोमन मीनवहारे घडीयो
घागा ने हाह वीछाडीया विजागां दाद६ई
ती ॥ ॥ मांनसिंघ अखेराजोतरा दुहा : ॥ ५० ॥
मांना अरि मिली यांह कीव मिलियां कागिया
मिग्रा घरवट वडां घरांह इमलामें अखेरा
राज उत १ मांनडिगेन हमेर डूंगरली सा
रा डिगे सत्र माथे समसेर आवाहेंच
बेंराज उत २ जाइवाम लै पुजाउ तीन गरो
रहली लहो मांन उत प्रंस उत मांडीया : पोत
प्रमांणें पाऊ ३ ॥ जालंत मांन संघोतरा दुहा
॥ ईल हूं उफाडेहु : रील सांम्हे नाबीर जीवा
वी ऱ्यार पडेह मुहडे पोरें मांन उत १ सा
लर मकर उफांगा : कीवरे सेहे बेकरा मांरा

उतेता मारसी जातवंतीयो घाताजांता रज
सीयें जांमलीयाइ पोइवीजा इजे नहीक
व काछीयां कीयांइ: मोटाउपर मांनउ
त २ ॥ कमलापाउलरा दुहा ॥ ५० ॥
ग्रांबी ग्रणी भरेह: लाइ कीयें लाखाउलें
कानें कला धरेह जोए बीजाचाप्तादीसो
उचरीयल ग्रसमेय: तिल: माजीपेंनत डा
न घातें दीह घाताह लोहां लीयो लषाउत
र जग जग बोलथयांइ काढांतौ रांता क
रन पुहिन हपो भथीयीइ: पात्रिजउवरी
परम ३ विक्रम हेंववततांइ: रहीपाजगते
सिरसिरातां दुप ताइ दुनी लागा तें काछीया
करान उत ४ क्रंन कलंकीयाजे केइ तीरथ
निज डाइ ङ्गा तागा: तिम गंगा जत जेइ जग

वी लागाह : वीभ रावेंत वहारे ६५ लाजुग

नीर तराह. मोमन मीनवहारें चडीयो

चाणने हाह वीफाडीया विजाणं दादद्द

ती ॥ ॥ मांनसिंघ खवेंराजोतरा दुहा : ॥ ६० ॥

मांना खरि मिलीयांह कीव मिलियां काणिया

गिरा चरवट वडां घरांह इमलामें खवेरा

राज उत १ मांनडिगेन हमेर डुंगरजी रो

रा डिगौं खत्र माथे समसेर खावाडेंस

बें राज उत २ जाइवामते पुजाउ तोन गरो

रहजी नहीं मांन उत खंस उत मांडीया : पोत

प्रमांणें पाऊ ३ ॥ जावंत मांन संघोतरा दुहा

॥ ईल हूं उफाडेह : रीव लांम्हें नाचीर जीपा

वी खार पडेह मुहडें लारें मांन उत १ रा

लर मकर उफांणा : कीवरे लेरे वेकल मांन

उतेा मारसी जानवंतीयो पागजांग रज
सीयें जांमली याइ पोइवीजा प्रजे नहीक
व काछीयां कीयांइ। मोरा उपर मांन
त २ ॥ कूमलोयाउलरा दुहा ॥ ५०॥
आंबी आमी भरेह : लाड कीयें लाबा उले
कानें कला धरेह जोए बोजाचागदीसो
उचरीयल आसमेय: तिल : माजीयेंनल हा
ल पाले दीइ धागइ लोहो लीयो लपाग उत
र जग जग बोलथयांइ काढांगौ रांगा क
रन पुहिन हथो भथीयीइ : पानिज उवरी
परम ३ विक्रम हेंववतगंइ : रहीपाजगे
सिरहिगां दुपतोइ पुनीलगा लें काठीया
करान उत ४ कंन कलंकीयाजे केइ तीरथ
निज डाइ इगा तांगा : तिम गंगा जत जे

निजेठीरावउत ५ छत्र तोइ ३।। गज छां
...वें नविर षाहें वराइवडी आजें आटके
मेहे करांनउत ६ कांव कल कसटीतां ह
देषेतूं अगो दलद्र प्रीत प्रतिप्रावकी यांह:
रीत किरि कुंअकुरकरनउत : ७ सुकरांन
।। सुवां।। : मांडिज्यो आंबा।। दीजै आं।।:
काचांलो डांकरांनउत ८ संकेलारा ग्रहा:
॥ ९०॥ नमी यीर रांु नाग : सादज सांगरी
यै किया : काहूं तोछत अराग : मतजाय
मां।। हलां।। १ पडयो पावर राव : अडअ्लगो
कर भोजलो : जोइयें जाडे योह : गुरत महे
सलुहायली : २ तनसें सजती यांह : पातां
पुजे नठी आमी [illegible] भोजली यांह मुंहत
महीं।। मालउत ३ जालीवा।। जोलं...

मुष पावर घणि : उंचारीलऊपल गांह रेलू

एप मुकारांम उत ४ विहलूं भडवाकेह वे

डवीयुं षारड घणि : षलसू षेघ करेह

षोडे दल बेते सघा ५ सारीषो सुं दाहलें

वलवट [illegible] कडो : गढणि गांढण कांह :

डूले कोइ देवीया : १४ तूं जरीयो तोड़

जग छत्रबार बरडा घणि आगें कहीन

आग जुंनी जेबल राव उत : १५ माजेजीव

भीर तूं दीपीयो जुंताहरी किरि वैतंनर

वीर राव रंलंतीरांम उत १[illegible] साह बीया

संसार रवडी कीयें थायें अधर कितीवा

ह वाली जल हांस उत १६ रीगसीया रंड

ल सोहा सांम्हो लरणियो बोह भूषाल वा

... सेमाल उत १८ लिलजेव ...

निजेठीरावउत ५ छत्र तोड़ २ल गज छांट
... वें नाविर षाहें वराइवडी भाजें आटकें
मेहे करांनउत ६ कीव कल कसटी तांह
देषेदूं ऋणो दलद् प्रीत प्रति प्रविणी यांह:
रीत किरि कुं ठाकुर करनउत : ७ सुफरांत
ली सुवांण : मांडिज्यो आंबण दीजै आंण :
कायांलो डांकरांनउत ८ संकेतारा प्रहा:
॥ ८०॥ नवी धीर रांु नाग : सादज संगरी
यै किया: काहूं तोढत आग : मतजाये
मांण हलांण १ पडयो पावर राव : भडआलगो
कर भोजलो : जोइयें जाडे चोह : गुरत महे
सलुहायलो : २ सनसे सजती यांह : पातांगे
पुजें नहीं भामी भोज भोजली यांइ मुंहत
म्हीण मालउत ३ जालीयाण जोवंता ...

मुष पावर घणि : उंचारीलाप्रल गांह रेणु
एप मुकारांम उत ४ विहलर भडवाकेह के
डवी बुं घारड घणि : वलरू बेघ करेह
बोडे दल बेते सघा ५ सारीषो सुं दाहलें
वलवर ... कडो : गहणि गांडघ कांह :
डूले कोइदेवीया : १४ दू जरीयो तोइ
जग छ्वार बरडा घणि प्रागों कहीन
प्राग जुंनी जेबलराव उत : १५ भाजेजी
भीर दूं दीपीयो जुंता हरी किरि वैतनर
वीर राब रंलती रामउत १.. साह बीया
संसार रवडी कीयें थायें प्रघर कितीवा
ह चाली जल हांम उत १६ सीगसीयो रंड
ल सोहा सांम्हो लरणीयो बोह मृषालर बा
.. मंबे पेमाल उत १८ तिलजेब ...

१९ ईति ॥ चां... ...सांनोतरा तुहो: ॥

८० ॥ पवंग अलगे पाग: सींचर तोष्ठ चीन

ही: भालो नीजै भाग चावीयो चांधल राव उत

१ कल हा कोल कोइ काइ कलहा कुछ

खेतक सोहें सारी बोइ ठपक चाचाल राव

उत २ गल्हा सुा प्रकार गायं चीत्रह केस

मन उंबर वा आधार रहतन चांधल राव

उत ३ पोबू ३ पर जाइ पीहलो उठवतां प

वंग: करिवें संतर वाइ चामीयो चांधलरा

न उत ४ पाबू पीडे पठांण पीत कमल पडी

या पछो बीलक जुं बोइ जांण: रीब चांधल

राव उत ५ ॥ ... ॥ चरवें हररा बाला

इ उठा आ पास नाप बनो तोइ अांचू अांवे

नाइ रोय तो छी ओ दुगा मजा १ लि...

बिसलोर कलघ्यांफलें नरिद उत मीठपतागिम
जोरु अ्रचरज अ्राली सीरकीर पेलंतें पमगेह
नीलरले कुर हीनगें भुंराविया बरेह गोधानजि
म गजसी हों र पैहलो पारगतार कुकबी
यां सात्रवनागा: बाधर बेचर काह रछेही
ढाली अ्रदा धबाजूं बीत पया ह: जाईलि
हा लाजेलीया: धरपीत जासा ढाकें नीह:
कासांसारी बाकमत ४ वारी विढगातागाह:
वारा वेधायें तागा: बीजो बीजेनीह: अ्ररजाल
अ्रेहमद रावउत द गयोजु गयाग करेह
हेता लागज्यां सू हूता: कुड कीधरख करेह:
जोलवाया जोगीपयी: ६ उमद अ्रलगोजार:
गागा नावें गांच्या लागा: मेट मिलावो पारु
... अीयमालीया: ८ लहर ...

जूज रैप न हुओ जुवो रमजक पधारोइ तो हूं

रकज आलसा : ८- राबाग रिदेह : की

डीला साम्हीतेा कही : थांमें थांम पधेह तो

हूं आंबर है आतमा १० तुह विचार बिचा

र हलां भूलवीयातां ११ दोरता हार आंघा

रे केते आतमा १२ तो हूं तेवड करेह मव

तांतर भजीये नही किरि प्रसताव पधेह उच

रीयें आलावीया १३ वाडूवो मांडेह मुंहपें

सुन वन कीयो : वड हथांं बीतेह किरि-

सुकलीणा साहबा १४ तजा दोहल आयतो :

दुजां केधे वदलाइ संग साबवड कीजी

ये कीजें नायति २११ १५ ततीयां नाप

गयांह आउजो लडूं वीलगें भागलतांगा

मडांह पहरन कीजें जुगला [illegible]

उघलीयो असगाह : जोषम तूं जां.लो करें

रीव किरि राठ तामाह उडाउपर आजीया

१७ मालो वारामा पाह लागेंलोडइयो नहीं मुंह

यै अोमडतीह : आपछर तीगा मुं आजीया

१८ विहउडीतावो ह वार पालपे बेलारा की

यो : विषवाती बिवार खियआध केरे आ

जीया १९. नमा ममे आोजोह माउपा आह

मद रावउल। प्रमपद आाताामुंलांह : आच

रिज आोतातामुं आमर २० ॥ फु॰ ... आवे

आवारा हार पैसूउलीने प्रसरागाव हे वो

वोहंवार पोषें हूं तहमीर उल २१ तासारीस.

साथ उडागा हूं ,आगल हूंपे धावां आगलं

...के लोवें मांन उत : २२ ...

लाभाइताग वेसाबी वेंर ७ल: सोठा संभइज

थाइ के हे वेसाले करन २३ जूंजू श्रोजा

ताह परयो पांन वडारे वाणि पुंवासत्र तागह

जेहि लूं पापरे जताग: २४ लूंलोहलूं धीर

देव... नदीपक जिडी साबल बया सरीर

गरबोगो लहगा रावउल २५ पाबें वाग दीना

ह: घर माहीर हीया घाणा: नर नामरद

तागह काग वहारें पाग उल २६ सुसब

साहत धीर लडीसुं पेलें घे करें प्राघपत

हें श्राहीर जेंत डाजाला कुरो: २७

महीप्रल पुकांह: कादुबल कन्या दुगाय

वा: गुंद गिलें वेंजोह राइतन सांगि तालूं;

२८ ईनि पहउभेवाह फाजनरी गावें नहीं

ऊंधीरांम इथांह सलिखलि सुजस लिहायलें २९ कोलोकु
वरियाल : जेवारीयो त दांसीयो : नीचे नवरीयालवा
ले गहणा पेहरीए ३० कीरत कु कवि तणांह वांणवीरा
वाच्चे नहीं चोरी चावली एह मोरी न होवें मालअत
३१ लिख मीलीला रांम वारेंज्यां विलसी नहीं नास हं
तर वा घांण : सरबोला होली नहीं ३२ ऊलपं
तरजोइ केस : रुके कोधाये अलग रखेतर हवरिस :
मेलउत मंदीन बांधी ३३ वाषल वडरां गांह पुडीयं
पुडउथल थयो : धूजे ढली ढुंनाह जरधर जे
सिघराव उत ३४ सारी सोरठ तरगांह जीण मुकां
जोए करे कोइ न षजेवड नाह एकोइ अपालम पांनकां
३५ हेलवी युंहीरे हाह डेरे खाणयाण तोगें फि
टरे फिटक तणेह मिणीयें [illegible] मांने नहीं ३६
जल आसंना गोडा : मामिअप धायो झूम हूं लो
दूधू हे सखी केता वासर तुम ३७ फेरे
रहीया फुल दे सांसण दूहां लागो : माषन
जांणें मूल भमर नमिलीयो भीम उत : ३८
भजीयो भाइ उाह बालावेस तिहाउलो नर
सोना चेवोल पुडि आयो सिधली तणें ३९
वीलाणों मुंह वांद नर बीजो नयो फिरें :

आँ रवडो उं इक जोइ लागे सलोडी
यो ४० आपरताों अडाह माले माउ
पछाड्ये काहूंतें कलियोइ: कंमिकां
नहा नर घणी ४१ वीरा विछ्या लागाह
वाराव्वे वाये तोगा: वीजो वीजे नीइ अर
जज अरुमद रावअल ४२ वालिन वीर
लागह आवे मन अंदेयग लागा किरि
कोयल कालोइ वाए मारी वें ऊघ ४३
ऊपे पांऊणी लागेह आघुड्ले आयो
नहीं मुंह मंद का मावेह उपा असली
राव अत: ४४ दो बी घड देवे हमुरडै
मोकल राव उत: लोंलो कीवलागेह
राखां गुर बांधो रहै ४५ बगो तग्गो
मोलीयें कोडी धज पटेल कीव अरं
में टुं कों मीन नरबे मेल ४६ बगमहा
मड पत्नी यां पिंडि मंजै पतसाह लोपें
नह लोभा हरी रंक अुहाइ राह: ४७
लिखमी लीला रांगा वारे ज्यां विलसी नहीं:
वासहंलर वा बांगा सर बोला होसी नहीं
४८ निधि गाडंलांन रांह नापा उगीजनी

त्यागावरी सगु.थांह साइज मुहडे सूर.उत
४८ रामेरिदे जकाइ गुल जेहें करियें
गरघ: मंडलि कमर स्येंताइ राफ
वहारे रांमदे ५० हालेघर इंताह
अंतर आरोगे करें नर तांई लीजेंनाह
राव कहावत रांमदे ५१ जैतडा जन्म
लागे ह-उातर अबज लहाले. रावान
करावे ह: मूंह डुंता मुंको नही ५३
आंबी पुंप वैरा ह: रांम डारां कुंथ पुं:
घवी पुं धावें नाह नीयतन ने नु
म्हां ५३ पियेन राहे पाइज डाजे
लारे अरघ भोजी या मुला ताइ संदीठ
मारग देपउत ५४ रांनावत रीठाह विल
कुलतो विदा उत्रा: काला कुली कुमुणाह
मोली वांटें नागजुं ५५ मीठम लोगमजाइ
प्रचरज आली सेर को: विणतेहा
विण लाइ फपरा फतेमरिद उन ५६ ला
हबी या संसार कोडी मारे वाकरें भी
[illegible]

जांगा सामा अनिहाले सचंग: नह देषे निर-

वांगा: पिड पिडलो पाकां जिडी ५७ सन

हर सूरज काह माथें उभां मंडली वाद्धे वित

सचताह अमर रहे वाउदउत ५८ अकहवे

कहीयो जेह अंतर आरोगे करें गढपति

सुंदर तेह वैसनर वाबां गाजे ५९ बंधव

विचारेह सूरां दूरांग ल्हडी: ६० तैजलन

हीयो जांगा: कांचा घाट हूंता कदे अपर

अमली मांगा: सूरत केसात तोकाउत ६१ बी

कूंजर सूह मुंह करतो राव मारचा: सांग

कुमारी सुंह सोभानलहें सूर उत ६२ तामगा

सुरतांगा: रांगा पूठरषें पतसाह: बीडीऊपर

कटकडून कर मुरधरनाह ६३ तनकत रंगनित

र कि केलौ डोरे गहतीर तऊन मीनहि नीर गल:

सगेन लीधो सांव : सोंकन कोंमानीस
वैरी हेम विख्राव : घडा जूं तूवि ख्राव
५८ मगर पचीसीं मांह घर मांजे मांजेच
कहीगन लागी काइ पाछे ही करीया वे
५९ तक पांभदे तागाह ख्रेघागवीभल दे
का : रांभरीयें सगला ह चुडरें चोटली
मरें : ६० कन कोह वंध कितेह : मेवली
भागो गुवाग : लैता हरे तपेह नकीयो
जडे नाचउत ६१ जिम गोरु गांजेह हा
तो हाले नही : मोलो मन मांजेह : माल
या मांदो चरीयो ६२ वेघघ खांहू वार ख
वी पुं जाएन्ही मूंगल जिही ममार मालीय
ख्रवली मूंछी ६३ माहरें रं महलोइ क
तीह हलें तोजे वहो लोहे पाइ लोह हू
डे डुंरी सली : ६४ लोपाग दाढां लोई :
गमें तीती लगें : वांनर रवि ललोइ पा
उहीलो पमागउत ६५ धीरजा मांगे च
कोन्हेल कीलित कुवारीया वहेंन वीजाव
तोवर त्रिवरीयो लेज उत ६६

पेंगीरें हि नैकन गीर ६४ काडुवे चदे जारदे

यामें कछुन लाज: इहै ज्ञन द लोनो कहै: तिन

कूं काचके काज ६५ हरत स्याम ज्ञान

रित सित: सबंर गन ज्रधिम हकाउ ६६ तं

कर काइ बंसमें क्युंकर उपजें सूर धहर-

धहर कदलीवरें भाजत फिरे कलूर ६७

समन पेट परबीयें पुत सपुत कपूत उन

की वरीयां बर रुचै : उनके बटरस जुत: ६८

जग मांजा कोजन ककी नीरनपीवत कोइ

इह दुरव हीये सपूतके क्युंन कालमा हाइ

६९ मंडाडीया मारेच: बितने सोच बंचारी

या: अमरन को अगोय: जुगेन हुवो जैत उत

७० ॥ कान्हडदे लोन गरेरा दुहा: ॥ यलीयां

सुरट धाइ लांप सलाम ...

मरा सालन थाइ तिणा भलहेत्रां भीव उत १ सुंदर
जल प्रसरांह : दल : प्रांहनीयो वयणेह का
छ्रो कांनड कला हकर तां नारी नेंणेह : २
वाधो वंगालेह : देवगिरो राउ देखतां तिण
उलटो न आवीयो कांटर कांन्ह उदेयइ
दे जिम देवगिरांह : कांन्हड देवकूं आरीयां
नधीयो नाडुल धणी सुमरो सेला राह ४
इति ॥ समरसीनाडुलांणारा दुहा : ॥ समरें
मरण समारीयो : चिहुंवो केच उवांण धरर
वोजस डुंगरां विरद पुत्रांस सत्र हांण १ करतां
का बलकाह करकांकरीया गिरलाण उलीले
आ या इ : सारन छछे समरीयो। २ समर मह
मड मेरवड जोड मोवरीयांम सीरोही सुरतांण सुं
... संग्राम ३ समरे उभा मिल ...

बोल व केम : त्र्रालांतो मांनो नही : कुडी गल्ह

कहेय : ४ ॥ में जगरी रूप रूबतीयां माजें

नहीं जोमडो जाणि तल मिलें राषवज्यो ला

१ वेधक त्र्रववलेह : मिलिज्युं मनतांणि जुं कहै

नडीया छान गुणेह जडंगे जोगी दासी या : २

धार सके ता धारू पिंजर पाछेही पीलीसि : ३ जो

गाणंद जाइ : सालें लीयें सूर उत इ ईति ॥

॥ श्री रांमजी सत्यं : ॥ ८० ॥ जास तुरंगम तास घर

जास घरतें सतो बार घरा तुंरगम तास घर जो

नर छें निर्भै लार १ हेकणि ही हरि हंस हय :

त्र्रांगण बंधिय जास परघर हरि हर लाढि घूय

प्रीति घर करें निवास २ कीर घोडा रजपूत

कर त्र्रवेसांचै कुल : जहांजाणें डां वासक रज्युं

जांणें तूं जूल ३ मोह दीठी फल पीघयो : ही

यो न कीजै सोस : हमें वजदा ऊछरें चढेंर हंदासो

स : ४ लाजा काजां चूकीयां पढिठ ना वां पड्यां

ठ : कीला होजी वंतडो कीजे हो मुइ यां (: ५

मैनि मरठ चें रीस सीधा जीयां सरा पीयां

अछरांरी आसीस : ६ मसीडे वो अमर सीप ठकां

गांधार मन चिंतन पिता का होइ यांनु रबे सहबा :

हरि जिम गल पाइ ६ दिसण आद को मिलबल :

भगांर घण पुठ : यांनुं मारां साइबां आदर

दीजैं उठ : ७ सांमानुं सिर छत्र पागेरा पुरष

कीया : गठजनु हिजै द्रगडे अचें जाच जगत :

८ लाषा ते कर थिर रहैं : कांण जकपणाहा

र नागर जाण अजेनवा : ढहीयां ढी कवहार

१० कइ कलि थीयो न करन : कड़ू तल बोगाई यें

॥ ताजीयें गइलरा दुहा: ॥८० पोतीदे पातनपम
रीयें पुरष नीयां: ताजी दियं देंला जीया: लोयाा
तोला जंत: १ चंदाा छद्धे वास जादम दिंडें जुगमें
है अगमरो ज्य डोंरीागयो: सम्मो सूरजरास: २
सम्भों नीया घाांह कोइन लुलें ताजीयो: राइ
घाारे हार तीयो ज्रंघी ज्य हरंजा ह ३ मेडे मेड
नंदजर में: वाों जंजीरयां: ताहूं ज्ञााता ताजीयों
रोजी रहें न बंद ४ सैनाघा सुरंग: गढ्ह घटो
न कहें छडे वयंदो छों हजों: पहर एकडो पतंगः ५
॥ इनि नर एके काह: जुग सोह जीवे वाकरें
देंषो दस माथाह रावाा हेर हीयां नही १ कोडी
कुल सिणंगार ज्ञापें ज्य तंजीयें नही तूं पाव

बालीलां बोलें नही : तै नइ सूनीलेगा : कूंकें घरमा

यां करनइ जमि सकि जंगमलेतिह : जंगम

ले पाछें जिसी : नीकडो विकेह : मिलीयां

चाछें मालउत ४ दूं व्रतनात्रीलोइ वीकम

विचारणनही : घड भड बमीन होइ भांगो

भारह मालउत ५ पोठीयो पुरालेह माद

गा सूनो मेलउत ६ अवसर इदं घरेह : अपछर

मन ऊंगां दइउ झोपडीयां ममछेड : मादगा

कंठे मेहउत ७ माया सूं महडेह : धीयें

ओधरि जें नही : वासी तीवांगा राइ माया

मोर वहारीयें ८ कलयुग लोगां कवाइरे

पनीया खेमाउते : नागरहां निरवांणा : वालू

ले लेनी जलतोगां परबत कर पीआंगा बले

बेग नरिंद उतं १० कीलयांगौ क्नन ... : मे
रीग पुं माना उतें साजें सीलसकाज: दांतज
दे बाली दिया ११ म. जमूडतांह : का...
कीवि कमल : प्रजूंस उड भमरांह : मेह उत
माला हरीपुं १२ विस हरेग मंत्रप्रध विास
हर उसरगाग प्रधास : प्रंध कमल विलंग
प्रध सोयधमंगीएबील : ।। सबड पोयरीगराहुहा :
कुंगेसर गिरनार जांग्रओडे मेहजां : कडीतहजी
जागीया : कोडी कुदातार १ रीगेनड दातार :
गायो गाल्ह डीयां समे। सुगौ कीग दस पाथर
धागि पेरे पंधप्रधार २ सबड सेहरांजड धाग
गी धार हरीये। धरो : दातारे कर कंपीया :
सुग तहसाजड ३ दड्हयं दु दातार सोन्हे

काढेला सुयाण : पाइन पुंजे छडीयुं मेला दे म

तार ४ होले होलेंज बिलाची विघोडीया : डी

हां बंधे छाळडीरते पंथ करेज २ घोडा मांइ

यां तीरें पोहता पिण घोडेह : एक जाता

कारालीयो : तरे मांइयो पारता कहे द तेहो

इके काण : धुर लांघो के कांण : मोके

मुं को धर घणि : आव होइ मांइयो ते होइ के

कांण ७ ॥ ताको नही कुरंगज्युं धूं धूं का

सुरोह : अर सीडो आपाईतो : अडचीनो

अडबेह १ मोतउधर दल मास दिन जे आण

दीने गया : सूर समो अम ते समस दे दे रा

घन रास २ देदे देजे संघटे आयो तो भग : कोड

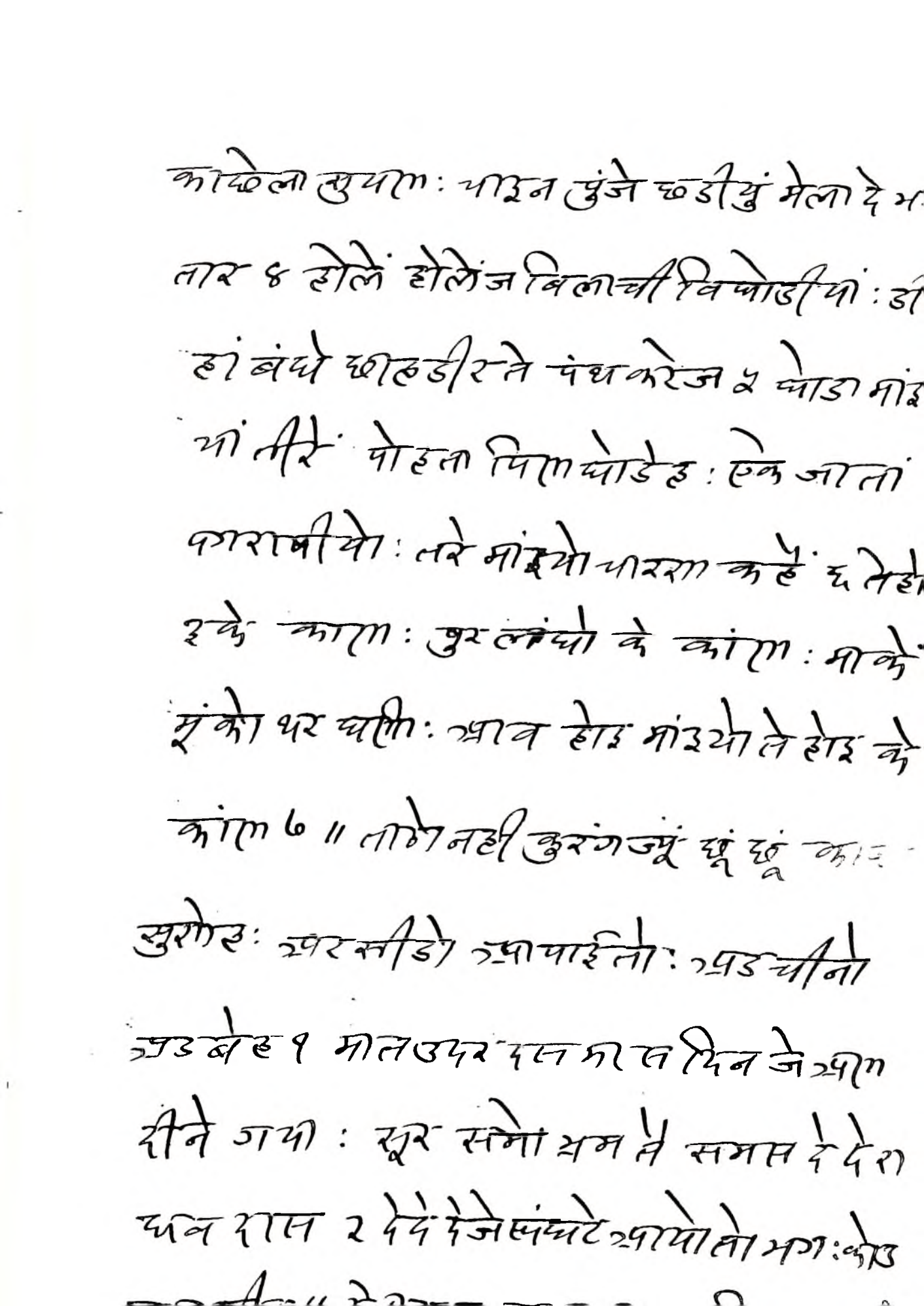

ग्माउ परडे ही मगिये मंगार वेडवाइच : दिंपोल षकिरोड

१ वडीवेर रसूल चाररा धोरे किनरे बीयोनमें गैमूर

सिर हंदी सेवा करें २ कहवट लगोइ चाररा हिंदी त्रं

दिसूं वेरी संदो मगिगो : वडे संषें दोइ इकि

जीना कार तो कुल लगे जमे हगो : ग्प्राज काल्हक

पंच दिन : सिरथईती बारध सिरसाल्हार कीयाम :

वडे छोटे हथ में दीदे इच इयांम : लालाइ किनमं

गाम ५ वढे दिन्होवीर लजें हथी सिरषणी : कुवार

कडपीयो दातारां घर घीर ६ बीयां सबांही गिल्ह :

दाढी डेवाय वमुइ : सिरसूं पीदेम गिगें दीदे की

धन झल ७ मधो मुषा बोलीयो : लेहो चाररा

लेह वडे छोटे हथ में रावडे वाइ पडेल ८

फिर पाछो गिरनार आउंन फिरतूं फिरी तो लांइम

वलहो मिलेंन दूजी बार ९ ॥ जगमाल गाल

उनरा दूहा . जांणों कर जगमाल : ठंराणगम

गमीयो गुरड. काली देष कवलीयो : ठोयो उपर

ढाल १ बांधजपमीं पाल मैंगल माथें मा

कुंदा वेषर ताल २ जंगम पाड़ जगमालीयो संह

सेल्हार आयो पाका उपलें कंदोइ कलबार जांणों

करि जग मालीयो रूपग पग नेजा पाडीया : प

पग पाडी ढाल बीबी रहे षांननूं जगके ताज

गमाल ४ राजा भारमल प्रथीराज ओतरा दुहा

॥ दूदो कहै : काबल हूं आवें जोडे : करवा

पर हर विना वहै भगता मीढ मा एह भारमल

कलमो पढे १ सरांम कहै अकबर वस जिलोंक

यो आपरे वंस सेवगां विसो बावीस सीहां जुढफलो

ग: सहावें जिण आपरां काज जगदीस रहूजे

जिण पहलाद प्रतंग्या धू लारषा: अचल घरसा

धोतांणा: सहास बदी कछवाहा गोपाल कवे इ

॥ राजा मांन संच भगवंत स्प धोतरा जुदा ॥ ४०॥

बेताती गाडण कहै करनबीण किण कितैनु

हुण उतपत कर बले गोरष पबें कवाण सोम्हें

विसर उधाध हनमंत विणां कुभेण कूंदे अबर

मांन विण रांण रोवण मारे मछर १ हीर प्रुहणा

कनक व्रव: आगे अपहोरे। हुबै तिषम छै दरोवस

रिचीचर सुकै : अंबहर कुंदीये। : अंजणी सुत

उवै. भाजीयो मानसिंह रांण भगिरे भुवै - २

किसना सुत पेषा किण पेसै रथ किसन रो जोध्रै भ्रो
धाउ धर कुंवर जोगंदरो : वांनलो भीछदधि डा
गो वांन रो हाकीयो भार मल हरे कुंभा हरो ३ भल
भगवंत सुत बोलीयो : वल भरे बीडो पत हाथ
आगे लीयो वजेर धुण पहाड मेवाड. घटो धर
रहै तिण रांण जीव जीव राषीयो गिर वरे ४
सलोक ८ राव श्री जोधा रि रा मलोतरा दुहा :
॥ भुज भार संबाह निडार रा निभै मण हार सिं
रविसंभ हुआ धार विहार करेता भ्रीर घड एक
तार हजार हुआ १ आहवि अकल अटल आण
किल : मामी धुंपल निभै मोणो जुध पल सब
दलें बीजूजल तूंग सहस वल अचल तोण २ को
वहर आभरण संकर निर षरि अलिमरि कहरन
...लें अमरपुर आयो हूओ नीडर न...

सलोक ६ ॥ जगतस्यंघमांनस्यघातरा ... तोउ किये

जग आज ही लू यांमन लल भा दूजा : धरीयाग चर

आरा : उनित प्रतिमांन नरिंद उत। हुगारा प्रसाग

लष हाथ हे काक विदाल दहरगा : जूं जग

ताज सरात : नमिधे मांन नरिंद उत : २जात

ग्राहग घाग जांग : जगसो जोवंतां जगत : रीझवीयां

रा जांन : मोजा न मेरे मांन भत ३ रायजोधे

बीहरंग जग उपम जगत सिंह : मोजा देउग

... उत : आये महलि अनग घजजगतां

जांगग हार तत आकर धीग पग ताग भा।

मेलगहार मोजा मांन नीरंद उत ४ जगली जोवंताह:

कूरम राव क्या कर कलि ... इन पोह उठंतांह।

मीटन कोइ मांन उत ५ जउ उच्याउनि ... :

जगतालीत दति जावतां : पोत नहीलंपार ...

पोढचै मांन उत : ७ कवि कहा त्रीत कुदा :
हा बग : कुंवरां गुण जगते कीया : जीति हुंबे
कां प्रथम ८ बेवे पख विन्हे राव सुहडां जां
बा हूवै : तीहां कुल सहाव सूरां हुवै जग
संध : ८ पाघर इंद तागाह करि बहै ईसर ता
१० वरदाइ सेनरो दुहो : ॥ वरदाइ सेज कथां
पहिजा समर प्रमांण : संग्राम नृप समथ बलि
कोइ न बथी १ ॥ लोनगजीरा दूहा । ॥ बग
बर में पांन गिण : सीत रांम फिरंत : मुण
बता लग्गा पाण : हें दर मरण न करंत : सीत
सुधम मह । जें पें डारणा जंग : नीह मिले बो
लट : सूंवर तारीण प्रसंग २ सीत रांम रावण रा
इविजै पंजर सरा आथां मरणा ताबें

वां का ६ आपे एतला राउ जीनरो भरतार ३
बगो ग्राइ जोडे चसूं : सोल की पह गाइ लीहेला
यो मारीयो : सवित के पतलाह : ४ लीइंलीरु
ल थीयो : पचारे गिमार : तो किमत लघो
मारीयो : जे भगा लोवार ५ तिनहिंडीओ का मन
सरें कनोजी पाक कमधज : वां हे सामरंग
निमडई सीता रांम अंगूर द रांमजं पे जस
जीहा : कोलआचक पूर कोप कीर मार बल लीहा
४ - ६ लोनग लोनै आग विली : त्रिइू आएक अर
ए : बीजी कडकंठाली रडवड : बाहुल फाडे हाथ
१ लोनग लेनो अपाग : जोधाो बैठो पंत : मांस
म : भडर ढवड तूं ही चरंचढंत : २ सुंदर
सोने चितमधर करदूइ संतोस : सोनगका

घुड़ बिणा कीत ता ऊंचा मंदिर लोइ बिहलीत

सामंधराग : वंत कुंवेरी जोइ४ तानगा सहिरा

अजली हाउत : अमसथांन सीहाउत जिणा मे ला

जिणा सघण जिणा पद्दणा जिणा [illegible] : ऊनम

थांन इर जोइजें तेह ठांम : ५ कुल कुटंब

काज कोधा धक-चलन नीधो तूछ होयन इत

दाऊणा वलाहीणा नादि घो गज डंबर पवरे हल

दम तातोंहणा पा पुरग पा लाट [illegible] पार

घोरसा सूरव हुंत आयो पछम जांणा गर

मेघपर कीव कह लिगोल आसण कमधज

मालन तुम्ह कीरि ८ फासथांन जीरें चोबीस

दूआ : इहो : ॥ तामन वूटे वरलर लंघे ता

नीर पुठ वहे जूं मारका : घुड़३ थांचल की

धूहड धांधलजा सिरें रूरा पाडें ... तांबे

वा वोवजगे वरनारीयां ग्रवय : २ धूहड धां

मतगे ग्रीनभूयवेंवगाराय: बलिधूरो सारीर

दिग्गज : ... दे पा ... रायपाल धूहडीयात

दूहा : ॥ फिर भंगार पदणा तिहर : कोइबलरका

हे ... धूहड राय नरिंद तागछिलं इंद्र जकार १

धूहड रायन ति ... ताग तीहर तिवरि ... ल: ग्रीत

जातं ग्रा गंद कर मेहे रेलाग राय पालर —

कन्हैया ... पालात पराक्रम साध रूप ॥ कर

पांगां दमिला कहे लाखा लाखन होइ रांजे तिहत

तीर में वंजे मोर वाकारीयो पांगां पांगां जाइ

... गा पलांगीयें तैगा हटे तुरंग दिवा ... ल

मजीठ जिम दिठनी दखें रंग ४ जम सारी कलै

: करडें कोड कडाह मुंजाइ लषपततणि दाकुरम
वति राइ ५ जुग जाये लाभो रहे सपरंतर जोइ
विना करण कुलउत : निलनवलो धाइ ६ हे जो
जसी जुपण पंथी पाण : बोलो वीयो : लाभा जेहो
रजीयो : लोकोइ रंगो कुरांण संघ समे पो
ऋाइयो वातो वलीयो रात : लाषें लाष मगप
पेम हुवे परभात जोली बोकें रीयां ऋवरस षेज
डीयांह लाषें वन ऋोढनीयो चुणा चीयां मडी
यांह : ८ फुल सुगंधी वाडीयां भाठी कवलो
भांण : लोविन सूंनी संघडी नालिल बामैह
रांण १० लषपाति भलो पधारीयो : ऋालो णी

महारांणा जाणघर आया जग वोतै दीवारां

दीवांणा : ११ तोरणा जुडा लाविडंगीवर :

वीड हथायां यांइ : परणी तै लखपत राणउ

मोकल चीवडीयांह : १२ जग जायें ला वारहे-

कुण कहै डोएह वृशो घर वहलां ताणो : तीतन

जांणी तेइ १३ इति ॥ रांणों मोकल वीरा दूहा :

॥ चांदणि बडीयो कहै जिम सुरीयाण मर

मेर गिर लेत जाते घर भार रांणो तिम सं

कर ब्रीयो मोकल मन आधा ॥ बलचुकां

जम राकसी काठी कारणा कसता मोकल

प्रीहिराज सरस : सुमेरगिर तनरस समाण

दुजाण हुइ मिले लेन भाण कल लगा : सफि

जमद व मोकल होते समह परहे पग : मूमलो

याण फण मुम्फउर कमधाज दह कुल पत

मोकल दषे संमुहा दृठि न दषे सत्र ३ एक

कटारी रक भुज लाषांणि ऊरि लष : किरि

संजोइ थाट विचि हुइ कचंदर सप सुक

डिमो कल रांणा करि परउर ग्राणि कराल :

लाषांणि बिणा काबिवी किरि कलपतर

जल : दूर कटारी सांमला रा णा सधिको

किध उक्राडे संनहीयो : मोकल ऊरियाणवि

घद द प्रीत मरुप्रंग पवंग रूपरि हिओं फुरंतेलषि

मोकल विछा विसेष कीउ बांहा भारथ

७ पडीयें सिर नव पाडीया : नव [illegible] सिर

नांम केलपुरा सरि षोन को केरन पंडव का

म ८ हांत हरखुर पंथडें सिर संकर गलि

बंधा लोर करारी ऊपरि होगे मोकल रांण

क मंधा ९ हांत हरखुरगो ठडे . चडबोडें सिर

पत : मयंक करारी ऊपरि होगे ऊजुल हार

न सत १० सांत कपल टलीया पडें एक पोह

रांण भंग : रसरजीयो मोकल तोगो सहीपिया

रो अंग ११ सरसति संकर बहूधाम : प्यारे

चिंता साथ मोकल मृत कुल वेगिगो

मुष तीणा आस मीर हय १२जस षाटे जमा
छरंगे पाडेपल तुरंग: मोकल कलपति रछले
श्रीरंग आप्स विहंग १३. तास आणवे पगडे
कय भरिनिय भरि रुन्न धाणी आयो तिह वसि थयो मोकल
रांणा पवन्न १४ सुजिही दु सुजमेदनी सुजसु भाषत
तत्र : गुणीयाण मणदीण यर थके मयंक विहूणीरति
१५ सोढ को आणा डंबरे मेल धड काण लग्ग: गुणी
याण माणदांण दीजतो मयंक विहूणी जग १६ पीछ
गिरवर कीर सदडा मोरा मांमण काज जेपिण मो
कल अवतरें वले इणीरां राज १७ सिंहणसिंह
गा सिर चढें कीर सरला सुर लीण: जेही मो कल
सबले गुणवंता घणहीण: १८ घाण मोकल
सिवपुर सीहड रिहूं आंएक प्रमांण: जेह

ो सदा बले जिम जल हरति मरांगा १९
ारी मोकल नानीयो : मोरां किधक ल
ा जीहा चाग सघडें : लाकांणी जगि आउ २०
ाउगा चात्रग मुनि ...गां मन धारोला पेष २१
ाग चात्रग उदमादीया : सरसरिया जल मोह
ीव तसीया बाबी हीजिम वलेन मोकल
ढ २२ सिहड कविया गन उचरे सरग
ासुर न सुणंल सूर संदेसो कविया ां : मो-
ल भांगं नमंत २३ दियणीयर-उतम मधिम
: संभाषण जाडु तोल : कवि चिंता मोकल
हा : तोसारीषो बोल २४ सूर संभाले
व घर कवियांगा चिंता जगा : करांगा
करे बोचार सुर मोकल मुगे सरगा २५

नारद लूं वर जब गिए: मयंक मन बाओं
ए॰ लाखांणी कज कीनवे राखण सिव
आपांण रा देव महेस सर बंभ हर रंभ उर
वंस रोल हरि लषमीसुं आवी राखण मो.
कल मोल २७ कोण तुरंग मइवाहणह
ज्यांजां नीत्यांदिघ मोकल सरीग आगछलि
लाते उरण किघ जगिन मोकल अवतरें म
लिवजगि प्रवेस पुत्र कीरत लि प्रीत
कर कीवे पियास अलेस मोकल रांण
कहीर मीलि सती मयापुरसत आवे अ
थिर चंद कवि पूरब छाडू जात संकर
सत्र विहंचीयो कीव सोभें घर मगग:
उगांणी तो मोकल सरिस: अरथ विसेषे
जग्ग सात वडें करसी कवे रांणा हर
डी रीत: पोह वीतें बलती पछो चोपन पू
ली चीत ३४ पांच बो बल पाडी यो: प
डुं मले सी पाल: मिलेन मरिय पमार
मन नारें न दूजा वास: ३५ ईति //रा
णें हमीर रा दूहा : परमंछ माय पइलो
मंत्र वें ठो मित वलि वरतावग
कोइ जो ईये जीव ता लिताणे कोइ मोढ

०

लो मूंछ्राल सूंयाग पछे जी सोदीयो प्रिथमी
धगावे चाल हेके विगा हो वेन ही बोलें
सरगल बार दातारां प्रति डांगरेंआवो
कलि अवतार हेक हमीर हलारजो वि
सभी भुइ तुंवाढ पहलोइ परम प्रमांगहें
कान किया वर काढ वारो हो ... रावि
पान : ४ हलीसुं जग हमीर आढ केहर
आगो ही करग : त्यागन लीमें तीर चिंहूं
पडीयां चांपा वहै ५ कुंडल कवच तनाढ
डहोन पडही हेक दिन इल अवतरवा आल
मूं को मेवाडा पछें ६ पडीया पछो पवाल
... हमीर बोलावीयो कोडी विरदकाल
काल तेंमा लीयें तियोग छल: बोलेबोलें
दातार विसनह ब्रासीग वाग: पोह लो
पूरगाहार आरि सीह जत आछ रहा ट
महिग रंभ मीधवाल वाछा चाति आवुंपले
हीयो हमीर ताग ह चरचत दांनन घात
हूं : नीचो बिहूं नीरि देह जोयो जग नीच ह
वचन्न दांन दयि वतदेह हे कोंगवे हमीर
जिम कहा पंचल कहांचीर तोनाक

हैं सू पास हित हाडे दांन हमीर हाथ
दधिचन हाल ही अपत बिनु उषेड. तेत्री
लांकोडी निहस करें दधीचन केड़ अलग
ताणी अरि सीह उत दरसण पति देवाहमे
वाडाहांमू मूओ उठीयो हथी अाह
तीजा निमरिति आगीयाः राम विमरों
लोहाग पछ हमीर न पेषीयें ताली योधाण
लियाग अ. किम उथोलीये: अरि सीह
उत आचार सीचाण बोले समं पोतां
पूरण हार प्रिथमी पेठन परीयें: निमि
रि हती अलीयांह जाबो जीबा हण दिती:
प्रिथमी आणे पाह हेंके विण होवें नहीं पे
बो किसो प्रमांण. जीबा हण हमीर जास क्युं
निर वहे निवांहण महिराउणाठ ठाहि मांडो:
बाहण जीव सुजबार हण जीयें हांमूं पछो।
पांणी डारीया र रखमर सिर बीजे नहीं
नागारा जाणनि तीः बेलि मरण मांणचे बेठो
बाना व पांचे मेल्हे पांचमे चारीया जाण
थिपातीलतरें जाईत आगछल मांडीये।
नहवे मांन रांणा व्रत रउ निधिलाण पंच

विधि दोन पगार नागार जाण न उपजै:
माथे मांगणहार किम करहे केल वाडीये
बोले तो बोलेह नागार जाण निछेली:
उठै जाण सकलेह भर मूंका जागेंसो: हेक
हमीर ह थांह मांजे काइ आगे लग्रा: हेर
चंद जागे होच परम बड़ो पाघरी
ग्रापो हेक विचार वे पोलेवा राण सीमां-
न न मांगणहार - चंद भणे हमीर का:
दांने दसाण थाड जाग विहां मिरीजह्री
परम पाठवे उपडा कलि मोकलि पोकल पतस
पोहर विफल पांनेह व्रतपाल हमीर विध
वले विम्राले छेह कुण मावा कल पतकै
रांणा ताण मति रैन पारबती वर पारधी
देषे दांन विडूंण ही कोवयांनु काम चेन
पारबती वर पारधी: पलें अव्रत पइलाइ
प्रमरग सरतीह उल लाभ दुहं ता लोर श्रोच
ला उभ पडाइये वादेसरग वांणा चमल
खोसूं तर घरें छूलो म्रित कुमांण जुण पड़ु
प्राण पाडु प्रल लगे: वेल नरस विल
लीत्ति गुडे बर गवरी ताण विश्रेन बलाड

डांत आपिन अवतरि वो हुवो आग छूटें
आचार उपर अमरा उरि हुओ दोव्हीते दा
तार मुरके मेवी डह चाणी दांन न्ति हूं दिस
डाग : मूंको मुंकीला लगो नाड लुहालीनाम
वरती रां गावर तिस्यै : ३२ इति ॥ राव
जोधारि डमलोतरा दूहा । ॥ नारायणति
विरोधा रांणो वंक साथीयरयण जुधतिण
सूतें जोध वैरां अगो वाहत १ राधव विक
म रांण सेबजोत वीत सहित सूत्रीयो जोधा
सांमहां पांच कटक दरीयांण २ मास
गुजर मोंह सीसोदा कीह वाडीयो वडदल
आवें वाजीयो जोधो सूं जूधवाहरणची
लगां चलांह जोधोजे वहां सीह ३ जनेलम
सम लोगो दीठो दूठदलांह ४ आवध सम्हे
अगाधि विधि वीजोधें विछणि मीन बोहा
ले बोलावीया : दलबापू की जोध ५ राति
जुरोहथीयास जगम गीयो जोधा कीरगदी
दो लीगला ही दले आंवर लगउ ३ालद
अरधि तिनिस जेडनांण दल मिलियो चिवाँ

जस पांडा बेडे चौताणा बडके सरि घुमांणा ७
उमटीये जस मांणचो लीज चारां ताणो
झाले झलांझो नहीं बेडे पोखू सांणा : ८
भींकी भोलापोड. बेडेचे बांडां मुहे माल
लोंगां मारवाड भावाडी जोधें भली ९ माषर
लाग ने जीत गयो। ज जोधो गंजीयो १०
जोधे ऋावे जोंह चीत मंडोवर चौकडी
परबतलांचे वापरत मास्य मेवांडा हु-
११ चाटां ताणा चाणा चाइ जोधें उतारीयो
जुडे जिकुंल तीपतलाइ रस लहल जल देष
त्यें : १२ भागो मा[illegible] और रे जोधें परिभ
वियो। जुमां जल पांबें जोल्पंचादे लाजेग
यो सरी १३ जोधा विढीयो जे घणिहुं
काकोप्रु चौकडी रहीयो शघावदेताणा
ढीला होडा तेघ १४ सांभे कूंभो लाघ
धणा भागिलीयें कोइ नहीं जो इवे। मुह
जोधा लोंगो भले कवाणा भाराच १५ गहो
घडीयो। बांणा जिजि मल्हे तिति मारजें
[illegible] लगे उभारीयो। कीरजोधें केवांणा१६

मुहतुं मेवाडांह १६ आरपजे आंजत नही आं
मलीजतमसकत केरावतराठोडांह १६ वातुं
वडीयो रेस के कीये कीजस्यै जोधा जेता
लू कीयो जोगाणे जागे ... ख्राय मंडो
वर-चोहटें जोधे वाही हक ख्रापो ख्रापे म
जगा मोह मेवाडा कटक १८ हीत ॥ दुहा
तो षग ख्रहिज कल्यां णमल गयो जडसण
ख्रगाह : लोधे ख्रिरि उलीया नही : ख्ररपज
दोही मांह १ मोती उवह मंझार हीरा वेराग
डुवे रूं की... करतार जोधा तोणं चर जोध
उत २ ॥ हेम होठ डोह पडगज ख्राढं त्रो
षत्री ख्रलारां आंजेह कुंभे कांणे ठेगड १
चाणूं वाषा... चाव कूआणें भागे कमल
मोजिण हाथाह : ख्रड पडीया भर वछ रिजही :
॥ दुहा रावत वोधरा देवलीयेरा : ॥ ताड-चीताड
चहेल : वड रावत विढीया नही मुंह रायस
मिलेह वीलत कहाणुं वोघडा १ गढे न पेंठा
जोद हाडाज्यू डुपो नही चितोडो-चीतोड

वहि लो आयो वाघडा : २ ॥ जगत सिंह मा
न स्पं चोतरा ॥ आरिष इस तणाइ आरि
षहें इसर तणा नर किम उणो नोह तूं
जोवंती जगत स्पंच १ जगतो जोवंताह
जाडी धडपें ठो जुडणा मो धारो भगवंत हा
डगा मगीयो जुर सांणा जगत सरिस जुध्धवार
मा मी जाइ धाइ मिलें त्यां महिलां चे मन नाह
मेला ढूयणा मतार ३ उर बीयें स्पन रा ३
~~मिले त्यां महिलां चे मन नाहि~~ धात नीवें जे
ही धरट परबंत भवंगापाइ मुल मदलीजें
मीन उत : ८ पें आढू ओ बांणा कुरसांणें
धीसें घडगा घंग धारें जुरसांणा जगतोबा
धाते जग ४ एकलू सोवणा लास लागू मिल
लो हां लियणा रूब दिसा जगास सूर जड
दीयो जगत स्पंच ६ ॥ सोनगरा ॥ वेरज
आइ पइयडे से मे मुके धाय दम्मण लागी
वलहा : मेंजालंदी माह १ सोनिगजमोधुं
कहें आंजी बुजां जालन न दो एठी यो आ

वसी न तूं कीरत दुवाल २ तोन गमीरे सांच
न जतूं उरकदे पिसुराांह अंगगा मेरे पा
वलो तोनगा प्राज डांह ३ सोनगा संग्रहीयो
नही म्हांसुं म्हीता हड. पर दुषे पर वेवाने पर
कामे पर जड. माता चूकी हड ५ मूंकी हूं
ली मरगा की नागो हार थीयो प्राडुगा डांघर
आवीयो : तिन चरचरीयो : ६ ॥ जगतसंह
मांन संहोतरा : संबे बीये सवार क्रम कललल तै
कमल : दीहाडे दातार सोर सकीया जगत संपच १
दाता सो सूं नर नही सूंदर सोनही सूर जगत संह
पीतीन गुना : सूंदर दाता सूर २२ सूर करम्मर हेसु-
कीन पुलीव अपछे विणपार प्रांचि हूंघो कांमांता :
जयो परषाणहार ३ कीव पिछल रसरवर करण मंदागर
छोह भाव : इंद जग जग उपरें एकरसो वल आवध
जाणि जिसेंजी आर क्रम राव बीजा कवर तूं
मंतर स्यातार मोजवरी सागमान उत ५ ॥ दुरु
राठोड रामदासजे मलोतरा ॥ लषभडा सिरवगली
राम कमंध जराइ वीजन मयदन पंछवर तूं गिभल
जे ताय १ छांटीतो वीजू जलां : उफरीयो सूरत
राम कमध विपन दिन : विठे विभंगी भड २

रिणवर बंधे रांम : तूं हाथी धाड हेडवाण वड
दाने वरीयाम जग छेलण जे मालजत ३
जावो जिके सजाव रांम सेटदल रांणका:
औरं वीयो ऋणीयां मुहे कमधजकांन्ह पताव
४ रे मुडीयो मेवाड धर लोहाजावो धरे तूंने
ठीह जे माल तण कोटांन वांकि वाड. ५ जेतूं
रांमाजात : मेवाडां वगले मिले खरकपछम
कि लउ गमत संमद तरा कांघांत : ६ बअवरवा
बाधेह : पोछ थका पधारता : आया आडा देह
पोछा थका पधारता : आया आडादेह स्वकांमु
हडें रांमदे ७ रामा रवदालेह दीठें डिग मगी
यो नदी धण जूंझार धाणेह जुध फुगों माल
उत : ८ झल पालीज लहरज लण : ठहु जूंझ
कें न छडें ठांम : फोज परें विण फुरतां
रहेंन विण ही रांम ९ गिगन भमं देघे
रणी जाण परे वर दिठ : रीम पडें सिरर वद धर
जें मालो तन त्रिठ : १० राम कमंध लवेा
डीयो कब हिन डोलें मन : जाणें चकावो हमें
कर पेठो ऋड वन : ११ राम कमंध लकोडीयो :
कुल हित सणा कज : अरि मारउ थे होडओ :

आडा धूंमर मम : १२ देपंतो दत देस : आई
चड अकबर तणो : वीदन कोबी जोव रें राम
वरण राजेस : १२ वरण कुमारि विंद हथ
लेवें वीर मरुरो अकबर चडवरवा अभंग.
आयो राम अनिंद १४ जुध विसमो पेखीयो राम
करारि पित : गो अरिनायक अंत में : भाज गयंदा
छुट १५ राम कमंध खरसर लल केवा हणोह:
फिरि उडीयण आका सडुं : छूटा जांण छछोह:
१६ जम दालदी पुंगरण : थीखी आपड छे अंग:
माल.पखें अरहर जिम : चूमें राम अभंग १७
घासेंन हिते उत सैल सेंन एक लि गार राम गिर-
वर उपरें धार पडें जिम धार १८ आरें तीआरा
स परग हरामें वाधली किरपा बांण न कुटिया :
पडीया देवल पास १९ सम्हधलेवें सार दीण
चवरी रामों चडें. कान्हें आगवर कान्हीयो :
वीआ उत तिण वार २० चपीत तणा चड उपरें
कुटका कांन्ह तणाह वपवीझल वहतह लोहड
तणों धार तांचाण : २१ ऐंका जंघां वाडीयां : चड
जो धार पछेह : कान्ह वीरी करीयो कलह का

कान्ह वाका तरीयो नही : उन्हो करने ओरीयो काल म
ातें के काम २३ बर लंड बोजा बांन : प यंजा
पा ा सूधाडतो कलहाम पुंजो कान्हीयो : मुगा
रा गुर लघमान २८ बदीयाने हवीका वतो : व
घीयो लगा बड मंड वार कांन्हा कलहामकड रोव
भडें थीया विघड २५ ॥ पोल्हणाकमारउतरा
दूहा : ॥ घर अंबर धाधार पूडबे पूरीयो थको
वातांबेवीर किीर वांघाल कमार उत : १ तिल
वट उपरतांम बारहीयें मांत बत्री मोलवीयो
भुज वांम : उंगो ओलपराणावतें : २ गजागजे
दूत रामह : आठी सिर आवाडतां घरवा जी
घडकेह कांसी जेम कमार उत : ३ वीइजले
वाइय उभें कूंत कुमार उत : वलीयाते वीजल
लगी : करकोह लिलेय ४ ऐंन परीयो जोह
लोमो रात कमार उत : पाल्हण वांणीउतरें
मड भीडी तांरफांह : ५ ॥ मह पल लाइरा
दूहा ॥ बाडे बेवकी मह मोह लारीबा सल
हीयें : महमदीयालामें मुलिम स : वडेरा वाही
तेह : १ वारा बिछाम लागह : वारा व्रेवा है
ाम : बीजो वीजे गोड : ...

राव उत : २ ॥ चूंडे डेरा दूहा : ॥ तत्र पंमे
तागारह : नयण कवि जल देवका : संभारयाल
गला चूंडरे चोट लीया लें १ मराण मनूरे ज्या ची
त न वसीयो चूंडरा : तीसोसू मुत डोंह : विण
हो वीरा रस ताण - २ ॥ जेसल धमल उत्तरा
दूहा : ॥ जब गलो सिर वग लो राम कमंध
जा राइ वीजन मयद नपंछवर तूं जमलजे ता य : १
छांटी ता विजूं कलो : उफणीयो रूरत : राम
कमंध विधन दिन विढे विमंजी मत : २ तिरा
वट बधे रांम : पतूं हाथी चड हेडवो वड राने
वरीयाम : जग छेजाण जैमाल उत : ३ जा वो
जिके जजोव ॥ जेसल धमल उत्तरा दूहा : ॥
पैगुं सिड पेलेह वोटजो यो जोवे वा थांडी त्रि
यो ताोह छाढ रामैरीयै धमल उत : १ कला पर
कल सधी योह लाषा लो जा लूधीया जो तौ
जेसलोयोह : धजा पडाली धमल उत : ३ ग्रहण
दुंगोवेह तोड छलली जु धमल उत : लांमा लो वजके
ह : तहे वतेरो दावीयो ३ सारठ लोबल जाह तोड
वीचु ले विटालीयो : तूं नव नेवज नाह : छोकेर
री यं धमल उत ४ ...

माजे धमल उत: ५ तुल मल हले न तो ह :
वरोतें वीरा रत तोगे जांम घडावो जांह लें छो
लावीयो धमल उत दृ आते पावजी पीछो
ला जज घड जोरी उवे तोगा : को प्राजापत
पांगा धरीयो लोषो धमल उत : ७ पिडतो
सुपे ठांह : वारडीजकेरोवें वरां : लोहे लीयो
तांह : छ२७ रामवीयें धमल उत : ८ ॥
दुगाइचैरा दुहा : ॥ घुरा के चुधालीयाल
आहेडी खाडो रछे मारावमोडालनगयो
डार दुगायचो : १ मांतन जोमा रेड : दोती
तोगे दुगायचा : सूअर सांमें डेट आहेडी
आयो नठी २ नगा विलग लिवार दाछो
तोगा दुगायचा डाइध वडी ये धार ओह
दर कांछा वेकर ३ आजूलो रकार डोली
लरिस दुगायचा जोतो तोहज मवार ला
राधे लेली पइ ४ मातीजी मारावधवीनीजतें
दुगायचो २पवीधर आरियागा तोगो डुईलुटो
लो हाथ ५ ॥ दुहा रावरिडमलरा पमा
पतहें वधवांगा वाधाणा कोमारी सरसत की
रिरि डमली करां देवी देह सुमत १ परदेपाल
ला वागा : गछ मैले मले गिरंद लोबडीया

पुरताणा गहलोतां पछोयो गलैर पिंड कोना
पाड कलहैवा कुं मैणा सूं मालवीये मेवड
मोरी कीयो सरबगिल ३ अकतीणा असरेह
पाड जिम डुंगरवलो पीछा कीयो पगल पछो
यां ऊपर पंचलो ४ मीलकालो केद माल
छोडो बोकूं मै अणि बांधी बांधे बंगाल:
अगामेगमे उतारीया ५ कोइ जन कुलह करो
त तिण होनै रिडमल कनें लाइ रायलीयो त
नास पैसै मांडव पोल्हीयां ६ मेछो मेवाडाह
कठीयां कान्हा हर घाणा ऊपर इम असरांह
उडउली घर आपरी ७ दीनो कुंभे राव परधा
नां इम आपीयो रिणमल आये राव छोगा
लोंहूं छूटजे ८ किल बांक कालेस कुंभ
कूंन कुहाडीयो दाधा छूटे देस: तू आयो
ती डोहरा: ९ आजूणा असहास: हींदवा सु
रिंर महरो बीगहीयो बलास कूंभ कूंन असुरा
करे १० रयण प्रवाडा रेस: मोटा मेवाडे
घणीं चडीया पत्री नरेस: हेमर ऊपर हाथी
यां ११ मालवराव वेगोवीयो खिल चीयत पछो
येह रिणमल सुंवा तांकतें छिली पातणा बे ह: १२
अभी पाथि विचारजे कुंभकरन इम भीज: हुं

होइलच्छवत कर रिणमल पार पीराज:
13 रिणमल हुवो पीरथीराज कुंभ
करन न कर अोप्पीव ख्राज 14 ॥ बाघ
ठाकरसीयोतरा दुहा : मांडण वीठू कहै
तो काइ सिधी तीह तण घाण देया घन दत
जाते जग जाये नही बाघव चार वत 1 तूं
जाचितो सिंह तण बाघ सची नीवार जीव
जन कुरस कहो वतै गोरत रमण हार 2
तूं जाचितो तीह तण दिन देय तो नन देह
क्रिपण महतो न करे करे तदन न करेह
3 बाघा जण विसरांमीयो : म्हलां भलण
हार विहूं तिहूं वाए वंदण इह पम्पा
दातार 4 मेंदाने मिलि योह सुपहां
हाथे साहीया ऋत तै जु तुरंग क
वि वध लैवा बाघा तणह 5 बाघा
जिण विसरांम तड. वोलाए वलीयोह
म्हेमन तेथी मेल्हीया : लण विछुडो
यो तांह 6 वाघ मरणा विदा उवां

डुंई एवड हांम : विरम गारु मैहं रां म विच : नेहथ
 डूं डो जांम ७ तूंपै हतासनमांगा: दाषविकै विक
 ते डसाम जमरसी भनी कुंडें जांगा विजली बहार वाघ
 जी ८ मल लोडं भटनेर वाघ पषे वैरी हुवा : गा
 मांझी गिर मेर सब लोग हांम नीरु उत ९ ग्रावभट
 नागाइसां : ०१० जैंप गुहरेह तोसाइ मोसदेड माता वाघा
 तलाम करे ह १० तूं भटनेर भडांड तड बोहपोह तूझवडुठ
 वाघ नरीषा रजवी तैको दुजा दिस : ११ डुंग भटेलें दे
 षोवा मा हुवा भड मल : दातारं सिरवाघ मल मूझो रो
 षतल १२ ॥ ॥ दूहा इक भटीयांणी मारवी : इक मारवी
 पमार इकं जाड नी मारवी चोथी सती कुमार १ साल्हे सा
 तंकी जीरम कमंध पेना जात पहांम जोत जुग न जाइ
 नी ढोला कुरम रांम : २ ॥ दूहा - कविजन निछरा
 वल कं दे षेहितषित दउ रुठे केसचउ परं तूंजही
 ग्रनिराउ : १ एता हेर विच त्रिक तल धीर उपर जा
 धार जेता केसरि मंह को सो ब्रन छल ग्रछेह : कमधज
 मोडवधो कुंभर माडताणी घरमेह ३ दिसे सोनो इन
 दांनक विचारण वेला करें कि सनो दरसाण थान पीह
 रावें पहराजा उत ४ गुहि रुं किसुं गजाह नीब वकाइ
 नसत नर ग्राबा तके ग्रजाह केरन होड किसन उत
 ५ कण इसचं रचोम नहरचे सिाम गार कल ॥ डुंक

म कवाग भड: कुंग जीवता कुवागनार छ दूहा:
भीम करणोतरा: घर साहे लाहे चमर नर सूजेंधरनार
भीम न वंद करमरो जा हथ तरवार १ अकबर नृप
अनक: काजल मिल बना कीया: टीक महल्या एक
रहीया भीम करनरा: २ जो अकबर को गोलह कन
क इहांणी करन उत ३ अकबर कहीयो एम: माल
चमर कर चाकरी साहि असमर उठीयो भीम लगीर
पर भीम: ४ दुहा: कमरी सिंहरा: ॥ गोंतमी हू
न पलोर नरजोया नव खंड लाग राव केहर समो इनकोइ
भामलें भूपन आलीयो: १ के छूडी छड सुहडके हाग
विद्या भूप अनेक: राव कटके रम उत अणी टेकहर
एक: २ ॥ दुहा केसरी सिंह भगवान दोसोतरा: ॥
चघवाया पातल मूआ: तहर बंध रुघनाथ गासर
अगपुर केहरी मिड जीवे भाराथ १ माम पथे पातल
मूआ: रहे रंक रुघनाथ गासरआ केहरी हई दिवो
ले डाथ २ पातल ही जुलीया करता रघो ली
कुटीया: कलहाग केहरी याह: भडतो [redacted] भग
वांन [redacted] उत: ३ भली हुई दि बी.
लई भगां मुीह ओरंगकेहर जा [redacted] तो करजरी थई
पारस रिण जंग: ४ लडवा कुंहें केहरी भाजणग कुं
रुघनाथ साह जादें युं अखीया: ओबा पडो रुघनाथ ५

जो तूं केहर जोंत एकां जुमलीए अपणी चोके

हरा - पोंत : अडोंतणा भगवांन उत : द ॥ गोयं

द जात उहडरा रहा : ॥ माता वाकूरटीकणा

हैं दाना वात उहड जोयंद सारबो : को दाँतो

अर बुध । नारवद बेहिज आवीया : इन कज

सूध अनेक : तणा वरचण सूडो पतो : उहड

गोयंद : २ मारग जाते चहरीया : उजड

चलाण हार (?) हड देवा सूध तण वध नहु करे

विचार ३ गोयंदरीणवे चाणु इन पह सुणे अरथ

आयाणा कजाती अला परकजे राम रथ ४ उहड

गोयंद ।सरा : हथ नडा लादाइ को आकारन

बुजही कलहिन पोहचे कोइ ५ नाजी राखी

पांन नी : गाजी गोयंदपास : उहड मेलो

आधारीयो : एके थांन आकास : द ॥ दूहो

राठोड किसान सिंह उदे सिंहोतरा ॥ पडलाइ

लागुं नाइ विचादेंण गलेश्वर सुरले तीसेपक

वेपुर सूर राय हुवो राठोड । जाणाणु वरबीर

गाल हरा आभादमल कोटां नव मोटां करण

नीयवंस चाबणजीर २ उदावत उधार अपसमर

ज्यां भटके अगोन : मीडम रके तिणलामने

हलत पछाडे गाहार ३ फल पारी राफा न
केरव पोडन फलो हीयो : माग तो वल
ओगवे : राजा है कागवा ज ४ माल ति घर
माल उरहि के नेएकलो सूरज मल आया ७
सुध : एक अतहां उर तोल २ कीर काले के
वांग मीहवां टांवाग मारके बीजे ग्रही ये बंधवे :
देली वेदी वांग द पोत गरीयो पातशा ह
पर हथ हेतबलापत : पाघतीयां ले परतीया :
मात्रेनह उर मार ७ वधतो देषे वीर सूरज
मल मन तोचीयो : कीर मर हथ सजडा
करे सुंनव कोटां सीर ८ झुको जसमर काल :
रुठे जोधांरि गमलो : वधतो वीर न वांछीया :
मन मही सूरजमल ९ सूरजमल लाल पोह
पाडे वाकज पीतलो : ले मर मार मलावीयो :
मारू माडेयोह १० माडे पोत्रत मोन मीडो
धांमी मोनउत : जगह खागावीजोड़ लगाह :
जोगो न जोड़ गांज ११ वांसें कांहीवास के घर
हुंता कागदीयो : एह मोटा छोटा पटा : दी
न्हा जो पंदरदास : २२ मोरां दोए मार छोटां
उपर वट हिवली : नव

लोलै भुज तरवार १२ जोधा विरामल जोधा
लै सीह खुधी कीयो सांप लगे सुरतांण
कुंबलधर वांण कोय १४ योले घात नज
राजारे कर राषीयो : मांहो मांहे मांन उत
ता बेबे वीर १५ कीर मोलें के वांण : बधत
कर तेर जै : बुरो नधीरण कज नौ - सुला
रू सुलतांण १६ सुरतांणीयो ततोल :
नो उतम्भाखडमल मोटां जोधां रिडमलां :
लै मोट बोल १७ कर मोले के वांण
वाको डां मांन सुत : नारद पोसी नीपजै : लि
बोले सुरतांण १८ कमधां मेरे कांण वरद
नां पकडावते : खोगाड खाग दहे : सव
लु सुरतांण : १९ छठवो मेले छेड : [illegible] लो
रा उलते डीया : गाडै चैमारण मतै : कीबी
पेषेड . २० रूक हथो रिमराह - कीलना
द कलपांण कोहे कमनो मेलो हुवो : नर
यौ नर नाह : २१ दल सिणगार हुवो हे
कील चालण भगवान को : गोपालो
आयो लगाड देयण पलां उप दोह : २२ एकां

धोले दिन भलो : सुरतांणा लिखतोल रहू
जोधा जोध जुवांन हेकमना मेली डैमे
तिता ताखाडी लीया : रांमको सुरतांण
२४ माटी कविलो आंण : लिखकुलतो
राजतो नयज : रूपायां जोम्हे कावीयां :
गाहिमांणां जीहमांण : २५ जूटा जोध जवांन
गोंकली धूटा लोह जिम सुर बिन्हे लागा
हीया : सुर ज्ञाने सुरतांण : २६ दोमझ
उंदर वोरा : रांमा वत माचे रिमां : वाहंते
वाघांणीयां : बांहाले बांणात : २७ नर
तेंघो नरनाह : पगाडे लिरतो पलां : पग
नारांजरार परठीया : सुरज करें सराह : २८
गोपालो गज गाह : करबी जोइ ध्रायो क
रांण : तक इयां भगवांनरो : राहा वेधी राह :
~~करबी जोइ ध्रायो करांण~~ : २९ पनाग तोां
सिर पग गंडीया बेतधे मुहे : लीत पडूने
वाहीया : वारबंधे के गीह बाग ३० सिर
सूरा सुरतांण : वाहे साहे पारीवाण : रवके
उकलते रियें : जूटा जोध जुवांण : ३१ तूं
भोले तरवार माटी मुंहबकते मरां : सरग

पाहलो सुरतांणीया : मारयालारांमार ३२ कीर काल

कीर माल : तोड सुरतांणतणे लोके बडेलगाड

गोकुलले गोपाल ३३ मांन उत जम णांण : प्रात

उपावणा : मिल र ठाड मारीया सांभलीयो सुरतां

३४ [illegible] कर राम राम [illegible] गायंद र स ठो

घालोंतण कुंरंव काले : मन धरता गिरमर ३

कर गनालकाल : सब सबल थक उरालत

मितणा बले राम्यो गोवरधन गोपाल ३६ सां

लयो रागलह गोपाल कोटे गढ माय घाते

रांग मास माड चाल ३७ काइ न मन मांका

गल धांधा हुवे कामधा सुं गादे [illegible] वातां

वांण ३८ घा इक जावे घात नीहक ग

सुं मास उकलते मने : उबारण [illegible] त २

इरक तीजा मत होइ तिण गति चाल वे मां

[illegible] काला जुग वतरा [illegible] सद्या

काइ ४० ततसं सूरता तोल : [illegible] मा

[illegible] सुरतांण रामा लिखस : बोल [illegible]

४१ [illegible] लगा ओल : सुरतांणाराम सदा :

वांता तोइ प्रमर सुमार मन्हे वमल ४२ प्रम

उरि पुर [illegible] नाहि जाद सूरतांण र पडले

देस जाइ तबलों अकबर । ता
अगजहीं कुंवर कै राठ अजागर
उगतीं बल बज । उ अरि अकबर
तो माचलें और मांडारें : रेडोर २ नर राज
४४ पछवें बोलपात : कुं या राठ
एका लाग उतार जे बाजें एका दल : ४५
नवरजें नरनीछ रीतें वात ह जरत रमें । गाले
अकबर के तिर वर हां पता : ह ४६
मुरडा अंगे मांग पसजराजा पर ढवा जी
देख लें वडा जुर लाग अंग अग ४८ पाता
मर हथां अदूर अत मुरादे उत तल तान
दियानन लेवडे सुंपाल साहा दूर ४९ अ
मर दूर अपथा ह विचित्र सूरांही हुव है :
तबलों इन ह सांसने तबदी लगायत साह
५० राजा सोरी लोइ पेल कोस थोड पगा :
कहीं यो लोडे कवरने मेंगल नेग मंगार
५१ लोह कहे गाज लोह सूरतों कलोह
तल अखा एक अंधा रीया : ऊचारी याअचाहि
५२ तंभ लाया गाज लोह केहर यों दुरा कहे
लोपत तोह लगाती या : मारु मालो माह ५३
वह लगाह वो ...

एका करोड उपरं देंके गायंद दास
फालो नार खोंज माड जंगत मो
ख्याप उपहरें खबर गिोंन काइ गां
लोह गहे रामतेर केहर तेडावें कारज
जलवाय पूरण मरव निरमर हद
मुख कहींरि मांह : कमचा तालान
मार लोय : बरभर कुंभाल माव मांह
मोला हरामन मोह सुणे दवछत, रादा
तार अरतनोंया सोमलतांग जसाह १८
ख्रजोंग जसाह काकं मोतीजो कहर तेड़े
तणत्यां : बुंहडे कुंमन मांह १८ गजसोव
गात कुदरात सांभलत कहे कमंचा
जो करा : वेगा पायर वात ६० पागम
खुरांह वाने राहा वधा दो हथरा
लो हुव जुध एक जोधा पुरांह द १ रूपर
वांनो स्याइ किमचा सुरत कमधाजो :
सो पहरे गातडा मरजो तेल मांह द र
वातां सूर कमधा तिसि कहावांछे गादे
रैला गिया : दिलहुं नहतिल हुर द ३ का
[illegible]

विग्ग का कमंधों ताणि चलै न वीजो चालद -
सबदी वंस सहीत : जाणां जाणं बेला : मार
ग मारग न मांज यो कमधो सूर कहीत छ
होथी धरती होम मांमद धारण सुरधारा :
रचीयो सूर रावत सूरां सुं संग्रांम : छ छ
मणि डूब डुवाढ हे कमनी कमधज डूवा :
तिल हो तम संभाल, ये वाढेलां मुंह वा ठहठ
मकरि दिन गढ खाइ राज तिण बंधराधवा
मीत कवी समहेस डुसह भर भारमलोयवाहट
मंग खजी पट खाइ कहर कही यो करनाजु :
पहर घणा हो पडवीयो मास घडी ते मांह
द [illegible] वायक जुडि तोण : तकतावत
ग्वाबाढ सिधा : खांबर लागे उठीया : कान
गहे क वांण ६० मास सिलह मंगाइ ग
बेतासिरागारीया : करना जल खर कहरी
मोड बंधी रल मांह ६१ लघु वेलोलंकोल :
चाहे, भारध रांमचंद कीर गरहध भूया
लको तीतो मेलीण तोल्ल ६२ भाटीयलां
विमाड : लोहे तोण खाबाढ सिध वर्ष
उलीगावाधड़ां पिंड मुंड हातल पछाड : ६३

आंबेरा उतार करि नर हथ हमर को
रेरोमाण स्वरमां जोड़णा कोल्हणहार ७
ब दोतिजातिनीच दो मक चांदो दुसरो मा
घाव मधु करो राणा उतारे गराह ७५ ..
जड़तार जाणा लो मचतां गहणा पाघाल
पांधाल हर: तेड़ जीणे संसार ७६ ..
बार जाननाग बेलो नोप सबद छोडे
ही कोटे नार ७७ जोधो जोधा जुवांण: ..
नाख्ता जंमल जिही एक कलाउत आज
मन चीवें आसमांन ७८ चीके दुबे तुड़ित
वीका लाड़ लाजीया: मुंडरे घाणि गनोह
आगो नवलो मांण ७९ मांमा सुरजमाल
दीपक हरदासको: सालो लांजो सील आ
उर भांजे आजको: ८० सूरा सक जा
मोडे दो तेघो मुहे: मारथ हलामि माड
भोम लीणा पर भोम: ८१ एक हथा रिम
साचारे आपाबाठ सिघ है क मनो कर
गढ़ सूरत गज गाह ८२ वरोन संकोबे
पो लोहे वाजीयो: कमंधां दल भारथ क
... ८३ ...

उदया साधिरें चाढ़णा केहर चाढ़ी ता: रोध्या मुहडं सार ८४ मनोवंछित ओणा मांगा क महाज जुरी रालह कर सिघ चढे सिर धरा वां: कुंह उलाग ता यागः ८५ नर नाह कनकतंत: मंडो वरनर समंद मह जंतराज पेलारीया: विरदंते विरदैत ८६ सुर चाढा ... डोहण सारे सुरदल केहर मुंड आगं आया: बेलो बाबु कार ८७ नव खंड राघ ण नोंम: कुल दीपक केहर करन: बागा चाचर बेलवा: वीह आया विरयाम ८८ मंड लहहे कण माति गहपुरनाछिवता गया ण: आया जादव उपरें वाउल गलत रात ८९ तेंतेज पायाल तोडन छूटें मांन ताण: अपलि भयंकर आवीया: काला छलायो काल ९० उतारोजें आज माडेचा अतमां न हुं काला बोलेभव करस: राठोडां विच राज ९१ बिवियानोणा बाग पेडेचे मातो किसण: वेलाउल भैरव वषत: रचीयो सिंधू राग ९२ अलिमर हबउगाढ सधारहैतां आसना: रावत आया सुररा ढोला दूढ

जुवार ९३ जूह विडारण जूह केहर बीर
कारणा : लोही तिरसीया लेगया : लोहतो
मुंहि रूह ९४ ... ... मन देखंतां राम
हुआ : सकां मुहडे राउर उठे दिसां असमान
९५ माल हरा दल मांह केहर बग ...
सूर समंदलग साबतो जादव राबे जोड़ ९६
परिहरि असि रजपूत पति रासण एका
पति : अतिताता नह आलीया : हत वहण
जाग हुत ९७ रांके आकारोह : मोहे तिर
माता गहण : भारथ रामायण भडां रोहे नह
तां दीठ ९८ रामत लां सिणगार वर आपछ
आतावरण : आप जोवण सूर असुर पलकज
समति अपार ९९ भडे चोगिरमेर मांनाउ
जमरांणमे गहवंत तिसलीया वा जाया : समं
रां मुंहसेर १०० सहदेबे संसार कोलाहल
माले करक किहर फिर कोलाथो : सिर
जादवां संघार १०१ चोरंग कर चाक चूर
उतरिया आरे उपरें वलके हाथल फल विचो
धाल मारे सुर १०२ हाकलता मीह आइ
मधां सूरजमल कहे मां उभै भड मालरोंजा
... मारन जाइ ३ मांना उतनो मार उपाउ

उम्मर गल भर केहर गूंजां नो मारहै जा
संसार ४ धपाधाड़ बेघाट कोलाहल हू कल
कलल आमहेर सांम्हा आवांग: मंडीग लोह
मरट ५ मूछा कहंता मार पिड जूट [illegible]
फूटै ३ रि सावा अफिर टूटें सार तरवार द
पिसुरां मार पहारि पो मम मुंड गजाग दियाग:
भिलीया भोग लिया लीयां उपा नतां अपार
७ वीहे भर भर बांम : साहे वारो सारी यां
चोरंगी जल वाहां चढां नरीया मोवरी यांम
८ हाथी लोह थनाह परनालां परि रत पडै पत्र
भर भर जोगण पीयै अतिनारद उछाह ९
लंका आली लाइ काइ भारथ कुर खेत कौल
यो तिसडो कमधजे एक अजै गढ आइ १०
अहंकारी असमान केरव पांडव कलह
लीया: जोधपुरां वाली जुडाग: हूआ सूरई
रांन ११ हरवंधे उरहार हाकां वह वीरां
हुवै गिरधारियां हाथां गयाग आया समल
अगौर १२ साहेबाहें सार सिणगारें नव लोहर्ली:
आंगण कलह उमेदीजुं पूरें विरद पगार १३
रावत जीती राड करण जलने केहरी मास
दल सेफ्छे मुडे पलें न मोरें चाड़ १४ [illegible]

जोध जुवांण मुंहचाढीया लाउ मारीया ११७
जाडेजो बडे जुहार कमंधां दीठ कहावां
वांते जाइ बीजो नतो वातां त्यांववहार ११६
आपोरे आपमांज : पिड पिछते एका धपीत
हर मारीया वांयां : जोधा रिडमल जांत १६
कर मन जंदत कांम कहीं हजरत रो करे
रा राजा होवै तारवे जर आपकर नरीजांम : १८
निहचल राखे नांम : करणा जालने केहर
रातीयां चावा भूलर सहित : वाळीया सरग
वरियांम ११८ इति किसन संहरा दूहा संपूर्ण
॥ ॥ राठोड अमर सिंहरा दूहा : कुंडलीया
माधो बारट कहै : कवित : ॥ कुंवारे
गो काल रूपा चिरकोया : मामा में उमा
मोह न रूपा महमाया : जग जाणि विजे
जत मंत्री सुरराया आपाणा सा का सआ
देवी उपाया : सु जनन गोरख संकर
. . . सु जनन कहुं वारत जुध अमर
—ले आदि बंधले उचाहं : १ अमर सूर
विचारीयो क्युं उपरजे जग : केतो तप
संजम कीया केर उडये घगर केरि
. . . . ये तप संजम कीये धनी मगनांम

ऐहै रान कंयुहे कदोत्रै : करे कोइ काम
संसार लिर जास करं : अमर [illegible]
एम जयाउच्यरु : इछूतारथ मारथ [illegible]
ल नेदर गाइ : कोइन धमलो मंका दल : प
चो करे निलाइ : करे निवाइ जेना कोन
धावलो कठ मां [illegible] डो के अपानरा नन
कंधो गके सेम धमल जयोल यो वहतो
सदा देलो दरगाइ रथ. पूतामारथ दो : पू
लांपनो धामला अमरा तो कंधाज वडा मा
र जेर उलारें पारले तो जीपें संसार है
जीप संसार कर पार जो जोधा हरा : ग्रोड
नुआ उंड जरार अमर मापरा : पढे वो टांरां
जागा एहिज पारबो संपनो धामलतो मार
कंधा सोरबो ७ हकाम होरा रा हजहो :
रथा कन वट कुल मार बांचो धामलो
अमरसी हसेन दुजोण लार ८ कोइ
हलीयो नही लार आज बदक है रिणवले
मार निरवाहि कमधज रहे : वप कीया
वतंबर निहंग धरचाचरा बेडीया सोहजहां मा
र घले परा ९ एकलो धमलो बडो परांउमा
केड : खीत दुवजगाइ कीयो : गायो धाणरेय १०

[illegible] तां [illegible] लडोसलज लरा : डोहलां मांगदजा गोढ जा
है [illegible] रोन [illegible] चमल नाड जोर [illegible] हो सुंनर ल्लात
बडीमो अमुर उंच भगा अप्रा ११ दि. [illegible] यारा गा
जीमो : [illegible] पातसाह [illegible] अमर केहर
लंक मडाल १२ केहरी लंक विच अमर [illegible] केहर
जावजा [illegible] जलतो [illegible] हर मानीयै
लंक मन [illegible] सुवाग सुर [illegible] ज्युं [illegible]
जे [illegible] जीयो [illegible] १२ [illegible] गरब
करें [illegible] जाते परमांग : दो [illegible] डो अमरजी [illegible]
[illegible] सांग १४ [illegible] सांग दल
अंगमे न [illegible] ज्युं चालीयो नह नमै [illegible]
[illegible] जाते [illegible] कुलउधारे [illegible]
ग्राब करें जाये सुंनर १५ जमदढ कर [illegible] अमर
ले [illegible] जम डांग : उनके [illegible] न धार
भेंच के [illegible] १६ [illegible] केम [illegible]
[illegible] लो उनके बांन [illegible] उधलो
[illegible] अमरगा [illegible] दीया
जगा डाग कर [illegible] मदढ पुरत १७ [illegible]
[illegible] अमरजी इकज मदढ इक [illegible]
उछल मंगल आगरे होतो [illegible] हाल.
१८ [illegible] वरनि होज [illegible] तरे उछले

आल मंगल इती आगरें करें आगे लखु
र मंगाव मोडे जुकर एक जगदोढ एक धाउ
एक गुज अमर १८ जमदढ धड गंमो अमर
लेकि धी पडी आर अंगाज़ी यो नहउगरां दिनां
वे परव १२० अगंज नह दिन परबार किया
आगजैं काजरिया धाव तिर सील पेठो रमे
न की धी देवदांगा वकिया हो जनर मामा
धाड खीध पीडयार मांमी अमर री बात
तलो वत उंपडो तब दूठो कुरतांग: कुर
सांभाले अमरली अलटो कुरता: २२ उल
टो एम कुर ता रा कुरा अमर उमंध सांभा
ल जिम दोढ चीले रुकर मंगजदस
ली बत वाय उगो अंजास: उठो कुरतांगा
तो सोत मामी तरल: उजबक दल
जूटा अमर फुटा बगां कपाल: दूटा वं
धाव भवतांग: रत कूटा नील १४ धांदू
पड नील अतिरत छूटा धाग: दीट बंधाया
गया योनि संकट तांग: कुर कपाल बागां
मुह की या बचर अनंत अजबक ते एक जूटा
अगर २५ उगो रिया दूमै अमर बगांलगा
विहार तांग पडंतो तो ही यो सांभा

कमाला गंगा चार रद्द धार गंगा जे
तांमु कमला चर हरें जन लाहल चा
लोता ति गीसरें वाह करजातिह यां
गा बा गां विहर तग उमां सुबेंता रा
मै चगार २६ चाउ पुरो चारां मुहे जरज
पगा वट : कुरन मेल्हें अमर की गुद्दो
गर ट २८ गरट कुछां ताामन मेलें रा
मर करता संग्रांम विरींयांम तोलें सुक
भांजा बाकरें अपडां अडां महा अड. चा
मुंह दूंटगो होइ रजरजा सुघाउ २८ ला
नथीनयाग : अति बिलंच पाइ तोइ विा
अमरती कोइ न मूंबें गाइ ३० अा
सूबें न को तोइ वितमो अमर नयाग तार
ब को पोटीयो निमें नर अंत पयअव
तोइ वित मो अमर ३१ मीच न तंगां
ऊपर बैंठी यो गाइ करडी नजार अ
नी : तेडर गांस न पाइ ३२ तोग
न बोये गास अमरेस तग : वांगा छुटां
बोड पत नाट पोग : कम च मूठो मूज
पोटीयो गूमा केर अजेन रा ता

— पलथ पेल कल रतनों रामतिडका-
र कमल अगर कमंदा को सोहर को
गो तिंगार ३८ हर हीये हुओ सिगजा
र कमल विहद गजजरे सूरले पोरगा
पोगरद बोलि राकति डकारी सोयर
पी करे ति : तिकल पलध पाया जिता हुवा
तमल ३५ ज्यां ज्ञातनी दूर औं दूरथकां
ओ पास तोंइ एहा अंचडा : मोल मुंहगा
वास २६ रता मुंहगा पुएह वाती धीरा
व अमर र जा बिहुं तोमा मडएकलो प्रभ
र कंत नहि जीयें रता जेनर बेंकहा :
ज्यां ज्ञातनो दूरमो दूरमो ज्ञातना ३०
पंचा सांइ पंचा कर रोय करतो नाजिवार
३लडतिर३ अमरता : ओमा तोह उवार-
३८ वेर सातोतबक कर हुडेरावरा :
कंत नीमंरिमा जिके वाहें परा : परां
मंगा परा वालिम रांम भतत परा : पचा
तों पंचकर तेय कर तिलिम रहा : ३८-
सूरां जुहो अमरली : दिली वेदरजा
हु : वट८ जोलो आपरी : चार मांजी
यें तिलाकीह ४० हुवे तिलाह चार

भांजा ये बिहद हद: मेलायेन को इना
ल मोटो बरद आज पैहलोन किलि प्र
यहु आचीरसी: सूर दर गाड दिलो
नेहै अमरजी ४१ अगर बिलमा पोढीयो :
कूं नर रिण लाल उभी अपछर मोकलो
अचली ये वरमाल ४२ आच वरमाल
जे अपछर उभी अभंग : जोतहर आ
रण आवतुं जागजंग : जोग के वांग
गहि भांज खड मो परण: अमर खंबि
लमा पोढीये रिण अंगण ४३ गोवर अछर
मोकलो जोत सरूप कुंवार इकोतर
कुल उधारे जग बंदी नरवार ४४ जग
नरवीर ते बंधी जोतोहा : इकोतर मरण
कुल उधारे आपरा मालते दिला दल
त बंधीओ मोकलो जगो इम जोत मनि
अज : मोकलो ४५ अटु रहे : रिणरह
चीना मरीइ तेइज रिण छंडी गया : इणा
व आगार लेगे मरणे मंगल होइ: ४६
मरण मंगल हुवे कहे ध्यांमा मुख : अ
म्हा पार रोतए अम्हे कलजा अजा : आदित

आ जा जगह उमानजी रहनी पांतोरे ह
गया रोहती ४७ लां में वाट मां में बलो ;
कोरनट गा सगडउ : उरिपरिजारन आगडो ;
पिसूगन पोन्ही पूठ ४८ रुठ पोठेन अलि पुठ
में जोधपुर धगंगनह आगडै पर रमािग
सारिल उर कमधावट करे बालरग जुजोंक
ते रणंमधाट मांजी गो बलेजनतो हतै ४८
के हर मरडके कमल धरबरडके धार
बर ड के तो धातिव सुर दूं वां छतो गावार
४० नार दूं मांछतो जाली मां मी गाडः पा
री आमरात दूर जा डांवडां धारबरडक
धरांबत्र वटधरी कमल बरडक करें
रिग अंगाग केहरी ४१ उधपी गजैतरी
वीको रामरतन : गिरवर कोउजलाल
गो मोह केहर व. मन : ४२ मन वडोउ
जाले गयो छ गमाकली रंगवर हो छ
तेरंम जुगीरली पा पतिउदे लीजैतउधर
पवा : रंम वी कारपाल वीवती सार
बा ४३ उमोहिला अंगाग कमंध
जगो विलमयपगा वा बोले पगी मिढ़ुं

वतर लोह माली माल लगा : 8 लग दल
लोह जाल जुध कुल मांडे रही अफर म
रफरती बगवितागय वडोरिगा अंग ए
वडमतो : ५५ चोन नरजांव अभिनमा :
रमा अबैतांतार दुकोजह कोहर च है
कुल चंदो आचार ५६ अमंग आचार
नह जुको नाचर अये भिर कुम समर
दिन मरगा अमर घया जुह चठे मीर
सुज गुडेडु हूए गमा: अबे तांतार वरजांग
धीत अभिनवा ५७ मरगा हसें माहेलमल
चाहतो के वांगा: मोरी इक मारे गया
एक बडे गुह तांगा ५८ एक गुह तांगा
पडीया सुवपउघडे एक गास्या दितोको
लीयां दगडे दुजडरिगावाह भवबंध
मेरे दुमल: मरगा दिन होते जैत माल
माहे समल ५९ देदो कयुंमाजें दुगम
रिगा छंडे के वांग: दादें जे मागोड
मल: हीदूने सुरतांगा ६० हीदवाजो
सुरतांगा बीग लेडवे : मित्ते य के गज
मार रिगा मेडवे: विरदय तिसयाकल्ह

नतो सदा न रडो: जमाने न डां तरत
रजा जीम कुंदे पडो दे। वेलोनाजू नला
नर न भाग नर ख़बार नेलोजा पु
वांबतो: वेलो रामा नार दर नार
पुवांब लो नरावेलावेलो: डोल ख़ारां
गा रगलांगा नर बगडलो मकरा ख़बार
वेलोहवू वड मरद कुई वीजू जलांमाह
गा वेला वेह: दई ख़ारू दूहा। सात
कूरा पल ऊगला। चित चोबा गुब
मह: रिगा ठाडा घर रीयला: ते मे वि
वलो दिठ दरे लिको विरलो इताझा
ह जगपीत तागा: घरें हेलीयलो लाज
व ललो घागा सव सूरो व हुत दतजा
गा सहल: चित चोबा गुब मि ठजा
दव ख़चल दर लोयगा चोले मजीठ
मैं ख़रि दिठे रान गुब: रायाजगवल
वाह गत: शालि घरें ख़रि गुब: देह
गुब सरिस घरे ख़रि राह गत लेलीग्रा
बाह दरगाह पाः पलिसो हलगाठ
जीयो मवीग तिहुं ख़ाबी वोरा

जजव गाठ मलो : चोलम जीठ गयाण दोय
ान मुष चलो ६८ माटी रिण मणोनह
ं मंजे गज मार : पावां हुं जुलीय
नही : हाडा हुं हेकार ६९ हाडवी
ोज तें ह गल हाली वी या करग पग
ालवे खोण उंडा कीया : लोह न हो
नरू छोह ख्रांबेर ल ं : मिडे गज मार
गज एम माटी मणो : ६९ माफर हंद
ख्रगरीया : जालवंत हेदा राय : रहीय
जुल जल सांम छल विठ बोडं वरीयांम
७० विठ वरीयांम रहीया बिन्है वीरवर
जुल सुवल सांम छल बिन्है वरि सुंक
कहें जग जसारे रां मारण वट कहर
ख्रप मंग गाथरतोण माह मां की ख्रमर ६
एचह वांणां ख्रपारवार : सुरतोण बिराव
ट : कोहन माले पंडे कलह : धाएमंजे
धट ७२ धट धाट मजे मीज नह जयि
कीया करतार करतार तद गयो कर
जुडी सुरतांण सुंइ ख्ररिए वट जि ला : ख्र
दि चडिवांण चडिवांण वंस हुवें रसा : ६

जोगो रावां छल जुड़ै : राम सुतन चउवांण :
कोण विरला सोह जुं संपेखै सुरतांण ७३
संपेखै एम सुरतांण नित सोह सो कुज
डवड दिसा लै रिण बलती होता : चारसात
जांन कर कीया मारी चड़ो : जुडै इम
राव कलि रामरो जोगड़ौ ७४ कोचर
वांणन क्रमीयो : रिण छंडै भगवत :
लेंगो गोयंद हर रावसीयै : घाए पड़ीयो घर
७६ घट गोयंद हर मांजीयो घाउ चाडलोह लोहे घोण
दाखीयो : छोह लड़ वाहतो देव जगत्रनी भमीया :
कोइ भगो खाट चउवांणनह क्रमीयो : ७७ गाथा
रावां छलरिरा रहण : संसुरतांण तं सुहा बजं :
दल जगुना जल दंग : पाइये पुन्यवे हाय : १८
इति राव अमर संहरा कुंडलीया संपूरणं शु
भं भवतु ॥ ब्रह मंड सीस अपड कीया : दावजद्र
के लेल : कटक दिली वीतो कहर गाजीती अम-
रेस १ मरसा दुहेलो मांनीयां जगजीवण मिठा :
अमर करइडे जूझीया : रामउमें दिठा : २ ॥
माथाण ताप घी कीयो : मानो कीयो घात : जीमें
रतो जोधड़ो ऊपरे आविषाल १ माले मिलीयड

मांहे स्नात जपरीयां सांचीयो वीनइपहहेरे नाइ
ओ सु फरलें वेरराल २ वेरागररानीर जिहडाला
जिविलनाण : निछवा वर जांगो विजो : बेकरण
यांकंठेर ३ पेंना उलां नागरिण कुंड उडारें नीव
छे ह कीया छाडा हरें णा णां हुंता बाग ४ भ्रांते सां
णा जुसार वंदे निसल देविछाण : बोडां पोहर
चाण दोर अंगार ५ वाजा केहा बोल : वेरें बा सूल
गाजीयां : णाणा सांभल जैनहीयारां
ण हुलो रांणे जगत संहरा : सांनरण
णलो : साकुहां कोडी कां समीप : हपकां
णत णण सांनल सीकरन दित ५ हें नांहल
जोहीलो रांणा जग : पेषे सीपर नीर को
कर नाहत र रीझ तणी रांणह नातां
णरस सुजाण जुगल प्रमांणह जुग दावत
उत ३ देणा चाणा वा नार जालोंणा रांणा जगा : अ
णाहा उपार केंदि लिकर सेकर उत ४ हुपने
रांह सोहित चित सीतो दीया : बोटां अने
कुण पारख सीकरन उत ५ वे चाण चीज
अपछियातां उवारवा : पेपै कोव पालां ह
विल कुवलों करन उत : ६ कोकणा

प्रनांग नीपग [illegible] व नंडो लाग: जग [illegible]
[illegible] काम्बांग कलम [illegible]
[illegible] मांगा: [illegible]
[illegible] नी मांग: कनली [illegible] कलज [illegible] ८ सांग
[illegible] ललह खाजूग खामालीने कुम [illegible]
कर ह कलि [illegible] मोरधा करन [illegible] ९ पलीमा
सांग पेराग कलपनरो वर कान [illegible]: जलपेहल
दलन जागा नाणीमा जग [illegible] या जग १० इलग
हो दातार सांग [illegible] मुनाग लेघू निहुं नकनां
मोचार नीयो सुवलीयो करज [illegible] ११ [illegible]
तोह जोइ वांदु भर कोव जगा: सांब पथो [illegible]
जीव को जोए [illegible] कान उत १२ जग पीत दाता
र गुर गो कीरती पंद रहे वहो वर संभ कर
नरवे खवर बीरंद १३ पापीराय पिराग वड
मदवा गंगसमंद कील केदार कलंकी नांजा
जगपीलयंद १४ जगपति लो जोइ जोए है वीजो
जगा त: लाहिनी पारघलोइ कीवता लिमतिम
करन उत १५ जगपीत जगात सधार दी ह
चाग दातारां हले दुबपढे दातार दीवे सं
भव कीकान उत: १६ पूरव पछिम [illegible] मांग:

[illegible] खर [illegible] देसा : रावि होः हली रा [illegible]

[illegible] संभोवे करन [illegible] १८ रांगा वदे दोइरा[illegible]

[illegible] गो [illegible] है वान : तलि क्रानरे डुवाह : [illegible]

[illegible] गा [illegible] १८ बुधवार संबर [illegible]

[illegible] कोइज : जोमन मां [illegible]

[illegible] वोसे कन [illegible] १८ [illegible] हितर गमह[illegible]

लोई जातगाहग रा गो जगो [illegible] वोडे[illegible]

[illegible] मान [illegible] २० [illegible]

[illegible] करन उत वेषा [illegible]

[illegible] कहग : २१ [illegible]

[illegible] जगा : वैकुंठ [illegible]

[illegible] २२ [illegible]

[illegible]

[illegible] मासर [illegible]

रिम नासर मोड़ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] जलजीत : [illegible] [illegible] कव [illegible]
जकिं व जेजी जुबीन : [illegible]
[illegible] नी [illegible] पर्लिवि कर [illegible]
[illegible] आधा जां न : [illegible] मेला [illegible]
[illegible] नी [illegible] : २८ [illegible]
[illegible] . जाप [illegible] कुति [illegible] जगा : [illegible]
नवांन : [illegible] कीनो कान [illegible] :
२९ [illegible] जडो हपांजतालो तीजन [illegible] !
[illegible] : [illegible] हमे कडोल कुण बतोत [illegible]
कान [illegible] ३० [illegible] कहन [illegible] कांठे
[illegible] कहां जगतो वडो जगाउ [illegible]
[illegible] : ३१ [illegible] [illegible] वां क [illegible]
[illegible] कोडी डुवो : वारो [illegible]
[illegible] उपर [illegible] ३२ जीव [illegible]
[illegible] वोजो कोइ [illegible] वल क तोड़
न देतो ताल किसी बदबर [illegible] ३३
[illegible] जोवतो तो [illegible]
गा : [illegible] कपंद : कधुं वातरे [illegible]
३४ [illegible] गांव : [illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible] राज [illegible] : कोइ [illegible]

[illegible]

[illegible] कोइ हुवे

[illegible] जेत जुवार करता [illegible]

[illegible] ३८ लाखां [illegible]

[illegible] : [illegible] :

[illegible] ३८ [illegible]

[illegible]

[illegible] ४० [illegible]

[illegible] नहीं : [illegible]

[illegible] ४१ [illegible]

[illegible] हो ध्यान [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ४४ [illegible]

[illegible]

[illegible] ४५ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] वलोमबोल [illegible]

[illegible] सजन सजन [illegible]

[illegible]

[illegible] कोइ [illegible] कोन [illegible]

[illegible] मन [illegible]

[illegible] मन २ जाज [illegible]

[illegible] जन कोय [illegible]

[illegible] कहा [illegible] कोइ ३ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] मेडी [illegible]

जैता किन जीति नाह नोड जाण जामनीयं :
जिद पाडी नांहा मन सारखी कुंजा लना २
[illegible] करणी [illegible] तिहो तरा हला : मलो नोनीदे
कोई ॥ [illegible] जल कहिक : ३३ [illegible]
[illegible] मान [illegible] भाडाण अरि भटकह हु कान
[illegible] जाण सादत ७त । करणm जल अरि
[illegible] : गाथी खरे फोह जाण जगाइ आणी
तो : [illegible] ३।ऽ।पजोह : २ करणी जल आवे
[illegible] परबे पेलेजी : बांके भुजंगां सालीयां :
तिन तोजा दैना : ३ भुजगाअंदरा भीजंद :
[illegible] पथारो [illegible] : जाण उपाडा न ह हली :
देणमिंद ल[illegible] वंत ६ गोबंद है [illegible]
[illegible] नांगी [illegible] कोल : [illegible]
[illegible] ८ [illegible]
[illegible] लाडे मन : आरण अरि [illegible]
तो पुर जोधन : [illegible] :
[illegible] मल अपबीह : [illegible]
करण : [illegible] सीह : ७ [illegible]
[illegible] अरि [illegible] : बहे [illegible]
[illegible] मलो : [illegible]
[illegible]

ची थारे [illegible] करता मतपात रावंदे [illegible]
[illegible] में पाव [illegible] रु [illegible]
हा : । [illegible] कर नेर लाइ देल [illegible]
पनरह [illegible] : तीजि सवार ते [illegible]
साम [illegible] जगा बूजा [illegible]
[illegible] वंत वखांण जेलाइ [illegible]
बूव [illegible] कर जिनलर भव कोरवलांणे
ता वाइ वीजो [illegible] जो देव जाति : [illegible]
[illegible] हार अहाउ सधो तन्हीतौ बूज [illegible]
कोडो हूंता वीलवद लखां वडल अधल :
नइ लोमै बूं तिमे माण : [illegible]
ला [illegible] पहाडा जपार [illegible]
ह छोडिया : कुकरन पारा [illegible]
थवीपु तुजा उ है ४ बुक ण खनरा बुध :
छोडे छे दे डों चक्रा : वीप ललेर अबू :
लोहे कुबट जा उ ते : द वाता हूर जमीलरो :
गर उभो निर कोइ तीलगते वाइ यातीत :
वांभन पीते कोइ ७ अहमदनगर आवी
हिया : रोल जरा वांटल : वडा पद्व
तेवीपा : जोइ पठ कुंतल : ८ हूं ति

[illegible] बुले : [illegible] ग्रैंरो तदा : कछवो है [illegible]
[illegible] के [illegible] कहै [illegible] के नलर हैयोडे
[illegible] नौनेर डो : नू मंतो [illegible] देहि
[illegible] नौ [illegible] डो [illegible]
[illegible] : पर प्यारा जावो परे राग प्यारा
रहीयाड : २ [illegible] नही [illegible]
[illegible] : [illegible] डो है [illegible]
[illegible] हल [illegible] : ३ [illegible] लाल [illegible]
[illegible] जीमा : [illegible] डो [illegible]
[illegible] डो [illegible] : ४ [illegible]
[illegible] रायमलो [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] : [illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible] :
[illegible] पदह २ [illegible]
मल : नौज [illegible] मी [illegible] :
२ [illegible] मलका : [illegible]
हार [illegible] ले मंजीयो : मंडोवर [illegible] ३
[illegible] मलका : [illegible]
तें [illegible] जल [illegible] : [illegible]
[illegible] ४ कलो [illegible] के [illegible]
[illegible] : [illegible]

कलीयां री रायां मलका : [illegible]
[illegible] वेढै : मूछां [illegible]
कलो मलां गाहड करे बिहु पखे छत्र रख : गाढा
पख नीजड लखे : दाखे गालसलख : ७ कली
यो रायां मालरो गयो छटको देय : गांडा
वाहे बडु दीयो : मंडोवर घर मेह ८ क
लां मंडोवर कम वखत : बडु हुयां छकां :
कीव न छजे मल तोण : तूं कोइ बल वीकम :
९ कलीया रायां मलका : मरे न बुढा घा
इ तीर हीयाल भीखांण सिर जो तमीयां
ण न जाइ १० तेंस भीखांण कल्यांण
मल : साको कीध सकज : जेल देवल उपर
जस : धज बांधी कम धज ११ कली
या रायां मलका : महि उपम जग मल :
तूं चुंडो नीमें रे रे जो धोरि ण मल :
१२ कुल गोपाल दास सुरतांणोत रा :
॥ गोपाला सुरतांणरा : कलह दुवाह कोट
अकबर रा दल उबरे आज कुहाली आर
१ सामंद सपके धूध रले जुध मन जेले मार
अरक पछम दिस उगमै तो भजे गोपाल
२ गोपालो भजे नहीं भजे [illegible]

अकजाइरा ब्रूरमा : जंडीया पगां जंज[illegible]
इ आलो तो थ्यु बाहीयो : ज्या नाल्यो [illegible]
जोपाल कडी ठलके घटसुं : घरवाजे [illegible]
डाल : ४ करारी बुं ताहीयै : ज्युं व[illegible]
ही गोपाल : [illegible] नी : कुंज[illegible]
लोगं कपोल ५ वाद खुलामद सोहला : ता[illegible]
आततपार गैसें विलोवल राठवड : तूं [illegible]
हो जोपाल : ६८ ॥ माहाराज श्री रायसंघज[illegible]
री दुह : ॥ गज वजोग पट पंगुररा : रा[illegible]
विरदइन राव : सिंघ भिखारी मोकलो [illegible]
जांग हजारी जाइ १ रायां सिंघ विर [illegible]
घाग : जी कल्यांग सुजाव : हाथे हाथ[illegible]
उपडै : त्यांधन हुयां राव : [illegible]
[illegible]ओ : [illegible] : [illegible]
[illegible] : त्यांघर गजा[illegible] : [illegible]
वांहो राजीयो : [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] : [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible] :
[illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible] :
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible] :
[illegible] : [illegible] : [illegible] :
[illegible] : ७ [illegible]
[illegible] : ॥ [illegible]
[illegible] : [illegible] नही [illegible] :
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible]

[illegible] : [illegible] उवाह [illegible]
[illegible] किलतो [illegible] हारे [illegible]
[illegible] : देखें [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] निरधावदे [illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] कहो : [illegible]
[illegible] : [illegible]
[illegible] माधो [illegible] : [illegible]
[illegible] बेमा [illegible]
[illegible] : [illegible]
तें [illegible] केरी [illegible] : [illegible]
नौदे [illegible] : [illegible]
तरा : [illegible]
[illegible] नहीं : [illegible]
[illegible]
[illegible] : [illegible]

[illegible]डा : रूपं न् दिं जलनर [illegible]

[illegible] लोग [illegible] [illegible]ति , [illegible]

[illegible]य [illegible] : [illegible] जगत [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] : [illegible]

[illegible] [illegible]हेलकलात कुल [illegible] : [illegible]

[illegible] जा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] : श्री रांव चंद जी [illegible]

[illegible]लीया : [illegible] वडा [illegible]

[illegible] उ[illegible] : [illegible] विपाउन

[illegible] चली पो : [illegible] [illegible] :

जी [illegible] जा[illegible] जाल : [illegible] :

[illegible] कुल हुँद [illegible] : [illegible]

[illegible] पद : फर लो [illegible]

[illegible] : पदालु [illegible] ललित [illegible] : [illegible]

[illegible] [illegible] र जाति पछेवा

उवो : वाडु पारी राखवे : वोले उनी

[illegible] : कादुतपानमाह [illegible] नरवान

[illegible] : [illegible] जाल प्ररवछाउ जारलन

[illegible] उं जपे तोह कोइ [illegible] जो

[illegible] : उरी [illegible] वाडु [illegible] :

[illegible] तउं वोटे वाटे : ६ - [illegible]

[illegible] : बधीर छोटी संबर :

[illegible] स्वांवार : जंजद स्वधी

नीति तउं जन जी न वेंदे : द जी

जट [illegible] लोइवू वाव वुं इवे ज़ुम

[illegible] तबुं जमे [illegible]

जी वा : धोस्बुं जुमवानर विलगेवा : नहि

[illegible] वलेन [illegible] दत : [illegible] जातपावर

वो : वानर वावलेह तें तामी वुं मेवा

नी वुं जोधा सविल दूट [illegible]

[illegible] वा नही ७ जान [illegible]

[illegible] तौलप [illegible]

[illegible] वोके कडपो : वंघ वके [illegible]

[illegible] : जात वीड [illegible]

वुजी धीर टेले संबर जन : [illegible]

धीर मिली पा [illegible]

[illegible] जद जटे जोघा ष्रपमें : [illegible]

व त विहट : [illegible] जिलती [illegible]

मीवे वाट १० मी मे बत [illegible]

वे ८ [illegible]

[illegible] अमूरत बहुछूटे आपमां आ
पमां जोधवे जू - ११ जात कुंडलीयो पा
जीको वांनरु : पाछु भजिन जाय : तबजाल
पावीकरै : तीर सुं वले जुमरे १२ अंगद
कर भजाव: सुग्रीव पंबणे जातहोटीको :
रघो पूछे लकमणी : काइ अंतन भावोको
चो हीयडो ह डम कुलीयजु रातो कु
न गुण हणोचो : १३ अपणरूचंतो सजाणां:
जे नर नेह कांत : सुके हाड सियाल
ज्युं लालां पेट भरंत : १४ एवुएहा : ई
ति ॥ अथ माहराहुहा : ॥ लहरीवल
हरेह : जुंजवी नहुबे जुउ रमिज रूप चोगेह:
तूं तो एकज आतमा : रीवण हार रि
देह : कीडी सांम्हणो कहे : पांमै
पांम पवेह : तो तूं एकज आतमा : २
भुलो भुलांवण तणा : दोवणदाररणहार
पांचरिति कै आतमा : ३ उचलीयो
असपाहू : जोषम तूं जाणे को [illegible]
किर सौ तणाहू : उडं उपर उपर आजी
री : [illegible] डी तां बोहर पछी [illegible]

कायो; विष वादीव तिकौं र ज

के रोवी जोर्ग : [illegible] मालोच

[illegible] रह : ।गो लोडरोईनही मुंर पंज

पडतो लोह अपढर तोगा जु आजोयो:

तो मूं तिवेई करे हा/ मवागंलर [illegible]

[illegible] २ प्रभुतो [illegible] उपर

[illegible] पा: ६ इति ।। दसोंगा

खुधारी ऽ।।। ऽऽऽ ऽ।। बातालिख

[illegible] द ऽ।। ॥ अपष्टी गंगासिंह

रा[illegible] प्रथीराजजी कहो : ॥ हुवे

सुनांमें होय : बल सरे सोवासतव तो

त्रिकम तोय: भेद नही भागीरथी १ क

पाली कपाल : तीरथ सरं गेला हरे :

पछेतर पाताल: तन रतल भागीर

थीर सुर सुर दीपें सात: नव बंडे

चडेवे दिसा: मांनीजें तू मातमव

तो नहु भागीरथी २ देवी तू देवे हज

नती कहे सारो जगत : मांनी मांनवी

येह : भुवंगे ही भागीरथी ४: अलक

नंदा आई है: सुर धुनी हुंता सुरस

जे जांनह की जील भोगावती भागीरथी

माय पाय तारो सुरार तारो कंठ प
पवी तारो तारो स्नीलत्र पुरार प्रसाग
तं भागीरथी द पर केली परवाह :
सार पांमत क्षम सारथा : तोहन गा-
धर तांह : भागीरथी भागीरथी : ६
तर थांह इंता तीर : सत थांउपे संकुल
त : कछ कायम छकाय की : मेक बकी
य भागीरथी : ८ सुर सुर वंदु सेव :
धीरे कत टकीरोपको : देवन वांदु
दैव : प्रपत हो भागीरथी : ९ हौलो
लोवो बाल : छले विमांगो स्नाव छव :
स्पंवल हरी उजास : भोल सकेद भा
गीरथी : १० जपीयो नांवनजीह : निज
जल तव पेषें नहीं : दैचित धवले दी
ह : प्रला ताय भागीरथी ११ ना या
गंगन वार स्नागनाया—फल जो सुमा :
तीकारी संसार : भिखारी भागी
रथी १२ नित नित नवांनवीह : मंजन
कर लांमांनवी : भव टालीयांभवांह
भवकी हो भागीरथी १३ गंगा निज
मल गात धोये स्नान्म धोइया :

तेमहमाचीवात : भामी हुं भागीरथी १३
सागरना चारियासात : रामचरीत...
सुरसुरी : मंजण लामे मात : भा...
ग किं भागीरथी १५ पुरम सनान...
तोय : माता जे लामें मुगत : श्रीर...
रुपकारी होय : मजा ताई भागीरथी
१६ लाखां देवी लोय मिलीयां नहथा...
वें मुगात : हाडां पडीयां होय भ...
तरगत भागीरथी १७ अनतीरथे...
अध्यात : अनदेवतेन भ्रापीयो म...
मुगात तिल मात : नीवेंतो भागी...
रथी : १८ माता लामें मारग : उप...
तिनानें सुरसरी काय अकालेअ...
मेरं वजाय भागीरथी : १९ अन...
छूटीयां अनेक काय साधन साधा...
करे हे हलाणवहे क : भात दुख...
भागीरथी २० लागी सांकल लोय छूटे...
होर तिहांयली : तिण करम ताणतो...
य : असें किम भागीरथी : २१ सद...
कार संसार मातपहुवें मंडीयो :

दीके तूम कुवार कुमत जुगात
भागीरथी : २२ जोबक रारमी धा
हा नीजनीर धनाहे का लोके फल
लीधाह : भावे तो भागीरथी : २३
अचिक उपाये अंग : जोले गाले
जो गये : गतलीय दीधी गंग : भव
मांहे भागीरथी : २४ सिध वांमी
लो तिव माला अकुरे मांनवे : १ इते
देवे देव : उते हीं भागीरथी : २५
कार जमात तागाह : कुंवर जाये वो
अवल बगा मुषनीर धगाह :
गत भागीरथी २६ मिलीया कुमर
जमात : जलिया कुनबलजोलानल :
मिलियामे बजु गात : लोमिलिया
भागीरथी : २७ अव गाहे कुव अंग,
तन बलीये तन छेदिये : हामे लगेन
देगा : तन भाजें भागीरथी २८ वहा
लालाचमरेह आजोइ अंग उवां मिले :
नरंगो तूम तालेह : भीनाजाय भागी
रथी २९ सुष आलय संगाम मन

सान वाग्रर घ्या: आवे अश्वीयवाह:

माती तुंच नागरथी: ३० देवी

दीवटी यह: स्पार्थत अं घारा ताणा:

भवको तो भजते ह: भय के हो भागीर:

३१ जुर लोये लागाह: गीत तुं जो

माण भरण का: भय सगला भाग

हा मेरे तो भागीरथी ३२ पडीया

ले तुं पाय: केलज नर का काठ

या: गंगा ग्रही यो ताह: भजे नि

ज भागीरथी ३३ इति सं१८२३ वे

स सुद ४ सांवरगां: श्री बीकानेर

या इसं पुस्तकं दृष्वा तादृसं लि

तं मया: यदि सुद अस्तं धुवा: मम

दोषो न दीयते: १ लि. रामचंद्र ॥

। श्री [illegible]

[illegible]

पर क्रोध उपंगल लोय: चहुवांन चंदेल

कुल केदल उपजन होय: १ समंदहि

सरग छपरिनि नृप: पकरसा हालि पलंग:

चलि वहीर आइ गोइव बठ वरंग देहो

रंग २ छपै: समंदहि सरग छपरन राज

दिली दिस चलिव: पात सीह सुनि जबर

पाय विचहीं रज मालिव: सकल सुभट गा

मंत चांद कय मास वथिवर लई जुध

चहुवांन गहिवच हु नगाह को रजपुत

खंड पचासरिन लुटी जवन दीन्हा पानी य

पठान सात हजार पर जीत चल्यो दिली

धनीय: पोपई राजा दिली दिस चल आए

पूके राह वहीर मूलाए घायल आय

महोबै थांन सो परि मील सुनि इइ कनं

१ छंद पधरी वलनी विवाह चहुवांन रानं:

सु वाल वचन करि २ प्रमान: जद वक